हिन्दी

(THIRD LANGUAGE HINDI)

Eduodia App

सुचिपत्र

क्रमांक	अध्याय	पृष्ठाङ्क
❑	Syllabus for 2020 - 21	୩ - ୩
❑	Pattern of Question with Distribution of Marks	୪ - ୪
पद्य विभाग		
୧.	अनमोल वाणी	୫ - ୮
୨.	मनुष्यता	୯ - ୧୧
୩.	एक तिनका	୧୧ - ୧୫
୪.	चाँद का झिंगोला	୧୫ - ୧୯
୫.	नीड़ का निर्माण	୧୯ - ୨୨
गद्य विभाग		
୧.	मधुर भाषण	୨୩ - ୨୭
୨.	देशप्रेमी संन्यासी	୨୭ - ୩୦
୩.	जननी जन्मभूमि	୩୦ - ୩୪
व्याकरण विभाग		
୧.	संज्ञा - लिंग और वचन	୩୫ - ୩୭
୨.	कारक और परसर्ग	୩୭ - ୩୯
୩.	सर्वनाम और विशेषण	୪୦ - ୪୨
୪.	क्रिया का काल-भेद-कर्म आधारित प्रश्न, प्रेरणार्थक क्रिया, संरचना - सरल और संयुक्त क्रिया	୪୩ - ୪୫
୫.	विलोम और पर्यायवाची शब्द	୪୭ - ୪୮
୬.	उपसर्ग, प्रत्यय	୪୯ - ୫୧
୭.	अनुवाद	୫୧ - ୫୨
୮.	अपठित अनुच्छेद	୫୨ - ୫୪
୯.	अशुद्ध वाक्य	୫୪ - ୫୪
୧୦.	वाक्य गठन	୫୫ - ୫୫
୧୧.	लिंग और वचन	୫୫ - ୫୭

❑

Eduodia App

Class- X

3rd LANGUAGE HINDI (TLH)

ONLY FOR THE ACADEMIC SESSION (2020-21)
EXISTING TOPICS

PRESCRIBED BOOK(S)

१.हिन्दी सौरभ (Published by:- B.S.E,Odisha , Edition -2013)

पद्य :-

१.अनमोल बाणी
२.मनुष्यता
३.एक तिनका
४.चाँद का झिंगोला
५.नीड़ का निर्माण

गद्य :-

१.मधुर भाषण
२.देशप्रेमी संन्यासी
३.जननी जन्मभूमि

Eduodia App

२.माध्यमिक हिन्दी व्याकरण (Published by:- B.S.E,Odisha , Edition -2013)

१.संज्ञा- लिंग और वचन ।
२.कारक और परसर्ग ।
३.सर्वनाम, विशेषण और अव्ययों का सामान्य परिचय ।
४.क्रिया का काल, भेद, कर्म आधारित प्रश्न
प्रेरणार्थक क्रिया, संरचना- सरल और संयुक्त क्रिया ।
५. विलोम और पर्यायवाची शब्द ।
६. आति प्रचलित अ्यसर्ग और प्रत्यय ।
७. अनुवाद : हिंन्दी से मातृभाषा और मातृभाषा से हिन्दी ।
८. अपठित अनुच्छेद ।

EXCEPT - १.काल & २.अव्यय

Odisha 1 to 10 All Books App

PATTERN OF QUESTION WITH DISTRIBUTION OF MARKS

FOR ANNUAL HSC EXAMINATION , 2021

THIRD LANGUAGE HINDI (TLH)

Time : 2 Hours | **Full Mark : 80**

Type of Questions		No. of Question × Mark

OBJECTIVE PAPER

1.	50 Multiple Choice Questions(MCQ)) (One Mark each) [Questions will be set from Prose , Poetry and Grammer]	50 X 1 = 50

Edudia App

SUBJECTIVE PAPER

	Three Subjective Type Questions (10 Marks each)	03 X 10 = 30
1.	Question No.01 (Alternative questions will be set from Prose & Poetry)	02 X 05 = 10
2.	Question No.02 Unseen Passage	05 X 02 = 10
3.	Question No.03 Translation OR Do as Directed	05 X 02 = 10

Odisha 1 to 10 All Books App

पद्य विभाग

अनमोल वाणी

1. 'साँच बराबर तप नहीं' यह किसकी रचना है ?
   (i) तुलसी दास (ii) कबीर दास
   (iii) सूरदास (iv) रहीम
2. किसके बराबर तप नहीं ?
   (i) साँच (ii) झूठ
   (iii) पाप (iv) स्नेह
3. साँच के बराबर क्या नहीं है ?
   (i) पाप (ii) तप
   (iii) पुण्य (iv) कोई नहीं
4. झूठ की तुलना किससे की गयी है ?
   (i) पाप (ii) तप
   (iii) पुण्य (iv) खुशी
5. ताके हिरदै आप में आप किसके लिए कहा गया है ?
   (i) भगवान (ii) कवि
   (iii) देवता (iv) मनुष्य
6. भगवान किसके साथ रहते हैं ?
   (i) सत्य (ii) मिथ्या
   (iii) कवि (iv) किसके साथ नहीं
7. काँटा बोने वाले के लिए क्या बोने को कवि ने कहा है ?
   (i) काँटा (ii) फूल
   (iii) पेड़ (iv) पानी
8. काँटा क्या बन जाता है ?
   (i) फूल (ii) काँटा
   (iii) तिरसूल (iv) मिट्टी
9. माली कितने घड़े पानी सींचता है ?
   (i) एक (ii) दस
   (iii) सौ (iv) पचास
10. क्या आने पर पेड़ पर फल आते हैं ?
    (i) गर्मी (ii) सर्दी
    (iii) ऋतु (iv) सूरज
11. कृष्ण किससे शिकायत करते हैं ?
    (i) बलराम (ii) यशोदा
    (iii) नंद (iv) ग्वाल
12. कौन रिस के मारे खेल नहीं पाते ?
    (i) कृष्ण (ii) बलराम
    (iii) नंद (iv) ग्वाल बालक
13. कृष्ण किसके खिलाफ शिकायत करते हैं ?
    (i) नंद (ii) यशोदा
    (iii) सखियों (iv) बलराम
14. किसका रंग श्याम है ?
    (i) बलराम (ii) नंद
    (iii) यशोदा (iv) कृष्ण
15. कौन जन्म से धूत हैं ?
    (i) ग्वाल बालक (ii) कृष्ण
    (iii) बलराम (iv) कोई नहीं
16. यशोदा किसकी सौगंध खाती हैं ?
    (i) कृष्ण की (ii) बलराम की
    (iii) खुद की (iv) गोधन की
17. कृष्ण कहाँ गाते हैं ?
    (i) घर में (ii) बाहर
    (iii) आँगन में (iv) छत के ऊपर
18. कृष्ण किसे माखन खिलाते हैं ?
    (i) माता को (ii) बलराम को
    (iii) साथी को (iv) प्रतिविम्ब को
19. कृष्ण किसे पुकारते हैं ?
    (i) नंद को (ii) यशोदा को
    (iii) बड़े भाई को (iv) कवि को
20. 'पद' के रचयिता कौन हैं ?
    (i) तुलसीदास (ii) सूरदास
    (iii) कबीरदास (iv) रैदास
21. कृष्ण खंभे में क्या देखते हैं ?
    (i) माता को (ii) पिता को
    (iii) अपने प्रतिबिंब को (iv) भैया को
22. तुलसी के अनुसार किस से सुख उपजता है ?

Eduodia App

(i) मीठे वचन से (ii) अच्छे काम से
(iii) हँसने से (iv) परोपकार से

23. किस धन के सामने दूसरे धन धूरि समान होते हैं ?
(i) गज धन (ii) बाजि धन
(iii) रतन धन (iv) संतोष धन

24. कब रसना नहीं खोलना चाहिए ?
(i) खुशी के समय (ii) विपद के समय
(iii) रोष के समय (iv) उपरोक्त काई नहीं

25. वचन कैसे बोलना चाहिए ?
(i) जोर से (ii) धीरे धीरे
(iii) विचार करके (iv) बिना सोच के

26. रहीम जी के अनुसार कौन फल नहीं खाता ?
(i) तरुवर (ii) सरोवर
(iii) मनुष्य (iv) बच्चे

27. सुजान किसके लिए संपति संचय करते हैं ?
(i) खुद के लिए (ii) दूसरों के लिए
(iii) गरीबों के लिए (iv) किसके लिए भी नहीं

28. लोग किसको देखकर लघु को छोड़ देते हैं ?
(i) बड़े को (ii) अपनों को
(iii) पैसों को (iv) अन्य को

29. किसने अपना मांस दिया था ?
(i) शिवि ने (ii) बाज ने
(iii) कपोत ने (iv) दधीचि ने

30. किसने अपनी हड्डियाँ दान में दी थी ?
(i) शिवि ने (ii) दधीचि ने
(iii) देवताओं ने (iv) मनुष्य ने

31. किसके बराबर पाप नहीं है ?
(i) सत्य (ii) सच
(iii) झूठ (iv) घृणा

32. जिसके हृदय में साँच है, उसके हृदय में कौन है ?
(i) मनुष्य (ii) असुर
(iii) भगवान (iv) पशु

33. कौन सौ घड़े पानी सींचता है ?
(i) माली (ii) किसान
(iii) नौकर (iv) मालिक

34. तुझे मोलके लाया गया है, किसने कहा ?
(i) बलराम (ii) ग्वाल बालक
(iii) नंद (iv) यशोदा

35. श्याम शरीर का अर्थ है ?
(i) गोरा शरीर (ii) पीला शरीर
(iii) सफेद शरीर (iv) काला शरीर

36. कौन चुटकी देकर हँसते हैं ?
(i) बलराम (ii) ग्वाल बालक
(iii) गोपियाँ (iv) यशोदा

37. बलबीर कौन हैं ?
(i) नंद (ii) यशोदा
(iii) सुदामा (iv) बलराम

38. माता यशोदा ने किसे मारना सीखा है ?
(i) कृष्ण को (ii) बलराम को
(iii) ग्वाल बालक को (iv) सुदामा को

39. कौन दाऊ पर नहीं खीझती ?
(i) कृष्ण (ii) नंद
(iii) यशोदा (iv) ग्वाल बालक

40. कृष्ण माखन कहाँ लगाते हैं ?
(i) बदन में (ii) पैर में
(iii) आँख में (iv) हाथ में

41. मीठे वचन से चारों ओर क्या उपजता है ?
(i) सुख (ii) दु:ख
(iii) बिमारी (iv) अफवाहें

42. हमें क्या परिहार करना चाहिए ?
(i) मीठे वचन (ii) कठोर वचन
(iii) सुख (iv) संतोष

43. किसे श्रेष्ठ धन कहा गया है ?
(i) गज धन (ii) संतोष धन
(iii) बाजि धन (iv) रतन धन

44. संतोष धन के सामने सब धन किसके समान हैं ?
(i) धूरि (ii) पत्थर
(iii) सोना (iv) पेड़

45. मधुर वचन का परिणाम कैसे होता है ?
(i) हितकर (ii) दुखकर
(iii) कष्ट दायक (iv) पीड़ा दायक

Eduodia App

46. तरुवर क्या नहीं खाता ?

(i) पानी (ii) फल

(iii) रोटी (iv) जलेबी

47. सरोवर क्या नहीं पीता ?

(i) पानी (ii) दूध

(iii) सरबत (iv) दही

48. कौन परोपकार के लिए धन का संचय करता है ?

(i) दुर्जन (ii) नौकर

(iii) सुजान (iv) गरीब

49. बड़े को देखकर किसको त्यागना नहीं चाहिए ?

(i) लघु (ii) गुरु

(iii) मोटा (iv) भारी

50. शिवि ने क्या दान दिया ?

(i) मांस (ii) हाड़

(iii) शरीर (iv) अन्न

उत्तर

1. कबीर दास
2. साँच
3. तप
4. पाप
5. भगवान
6. सत्य
7. फूल
8. तिरसूल
9. सौ
10. ऋतु
11. यशोदा
12. कृष्ण
13. बलराम
14. कृष्ण
15. बलराम
16. गोधन की
17. आँगन में
18. प्रतिबिंब को
19. नंद को
20. सूरदास
21. अपने प्रतिबिंब
22. मीठे वचन
23. संतोष धन
24. रोष के समय
25. विचार करके
26. तरुवर
27. दूसरों के लिए
28. बड़े को
29. शिवि ने
30. दधीचि ने
31. झूठ
32. भगवान
33. माली
34. बलराम
35. काला शरीर
36. ग्वाल बालक
37. बलराम
38. कृष्ण को
39. यशोदा
40. बदन में
41. सुख
42. कठोर वचन
43. संतोष धन
44. धूरि
45. हितकर
46. फल
47. पानी
48. सुजान
49. लघु
50. मांस

Edudola App

प्रश्न - उत्तर
Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

अर्थ स्पष्ट कीजिए :

1. "साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप ।

उत्तर : प्रस्तुत दोहा खंड कबीरदास जी के रचित दोहे से लिया गया है । कबीर जी कहते हैं कि साँच या सच दुनिया में सबसे बड़ा तप होता है । जो व्यक्ति सच्चाई के साथ रहता है वह सबसे बड़ा तपस्वी बन जाता है । उसी प्रकार झूठ संसार में सबसे बड़ा पाप होता है । समाज सदा सत्यवादी का आदर और झूठे के अनादर करता है ।

2. 'माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय ।

उत्तर : प्रस्तुत दोहा कबीर दास जी द्वारा लिखी गयी है । कवि कहते हैं कि हर कार्य अपने समय पर ही संपादित होता है । उसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है । कवि एक उदाहरण देते हुए कहते हैं कि समय से पहले पेड़ पर फल नहीं आते । उसके लिए ऋतु यानि उपयुक्त समय की प्रतीक्षा करनी पड़ती है, चाहे जितने भी घड़े पानी उसमें डाली जाए, इसके माध्यम से कवि हमें धैर्य रखने की सलाह देते हैं ।

3. "गोरे नंद, जसोदा गोरी, तू कत स्याम सरीर ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति सूरदास जी के रचित 'पद' से लिया गया है, जिसमें श्रीकृष्ण के बाललीला का वर्णन किया गया है । बलराम श्रीकृष्ण को चिढ़ाने के लिए कहते हैं कि तू जसुमती मैया और नंद बाबा का पुत्र नहीं है । तुझे खरीदकर लाया गया है । इस उक्ति को प्रमाणित करने के लिए बलराम कहते हैं कि बाबा नंद गोरे हैं और माता यशोदा गोरी हैं जबकि तू श्याम यानी काला है ।

4. "सूर स्याम मोहि गोधन की सौं, हौं माता तू पूत ।

उत्तर : यह पंक्ति सूरदास जी के 'पद' से लिया गया है । बड़े भाई बलराम और ग्वाल बालों के चिढ़ाने के कारण श्रीकृष्ण माता यशोदा के पास शिकायत लिए आते हैं, बड़े भाई उन्हें कहते हैं कि तू नंद-यशोदा का पुत्र नहीं है, तुझे मोल के लाया गया है । माता श्रीकृष्ण को विश्वास दिलाने के लिए बलराम को चुगलखोर कहती हैं । फिर गोधन की सौगंध खाते हुए कहते हैं कि तू मेरा पुत्र है और मैं तेरी माता हूँ ।

5. "माखन तनक आपने कर लै, तनक-बदन में नावत ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति सूरदास जी के बाललीला पद से लिया गया है । कृष्ण अपने आँगन में खेल रहे हैं, कभी वे अपने नन्हें हाथों से काजरी और धौरी गायों को बुलाते हैं तो कभी नंद बाबा को, कभी घर के अंदर चले जाते हैं, और कुछ माखन हाथ में ले आते हैं, उसमें से कुछ खाते हैं और खाते खाते कुछ अपने बदन में लगा लेते हैं ।

6. "सूर स्याम के बाल - चरित ये, नित देखत मन भावत ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में महाकवि सूरदास जी ने भगवान श्रीकृष्ण के बाललीला का मार्मिक वर्णन किया है, कृष्ण अपने आँगन में नाचते हुए खेल रहे हैं, कभी घर में से माखन लेकर खुद खाते हैं और खंभे में अपने प्रतिबिंबको खिलाते हैं । भक्त कवि सूरदास जी यह दृश्य देखकर अत्यंत आनंदित होकर इसे बार बार देखना चाहते हैं ।

7. "तुलसी मीठे वचन ते, सुख उपजत चहुँओर ।

उत्तर : प्रस्तुत दोहा खंड़ संत तुलसी दास जी द्वारा रचित है । मीठे वचन सभी को प्रिय होते हैं क्योंकि उससे सबको आनन्द मिलता है । सबको अपने वश में करने का इससे अच्छा तरीका कुछ भी नहीं है । मीठी वाणी से बोलने वाले के चारों ओर खुशी का माहौल बन जाता है । इसलिए कवि हमें मीठी बोली वोलेन की सलाह देते हैं ।

8. "रोष न रसना खोलिए, बरु खोलिओ तरवारि ।

उत्तर : यह दोहे का अंश तुलसी दास जी के द्वारा रचित है । इसमें कविने हमें रोष यानि क्रोध के समय अपनी जिह्वा को शांत रखने की सलाह दी है । क्योंकि रोष के समय मनुष्य के मुँह से कड़वी बातें निकल जाती है । यह कड़वी बातें तलवार के वार से होने वाले घाव से भी तेज होता है क्योंकि तलवार का वार शरीर पर चोट करता है जबकि कड़वी बातें मन पर चोट करता है ।

9. "कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान ।

उत्तर : यह दोहा रहीम जी के दोहे से लिया गया है । कवि कहते हैं कि सुजान यानि साधु जन दूसरों के हित के लिए ही संपति का संचय करते हैं न कि खुद के लिए । इसके उदाहरण देते हुए कवि कहते हैं कि तरुवर फल खुद न खाकर दूसरों के लिए संचित करते हैं और सरोवर अपना जल खुद नहीं पीता बल्कि दूसरों की प्यास बुझाता है ।

10. "रहीमन देखी बड़ेन को लघु न दीजिए डारि ।

उत्तर : यह दोहा रहीम जी द्वारा लिखित नीति परक दोहों में से लिया गया है । रहीम जी समाज में सभी के गुरुत्व को दर्शाने के लिए यह कहा है । वे कहते हैं कि अलग-अलग लोगों से अलग-अलग काम संपादित होता है । इसलिए किसी बड़े या धनवान व्यक्ति को पाकर सामान्य आदमी को अवहेलना नहीं करनी चाहिए ।

Odisha 1 to 10 All Books App

मनुष्यता

मैथिली शरण गुप्त

1. मनुष्यता कविता के कवि कौन हैं ?
   (i) मैथिली शरण गुप्त (ii) निराला
   (iii) पंत (iv) महादेवी वर्मा
2. कवि किससे न डरने की बात करते हैं ?
   (i) मित्र (ii) शत्रु
   (iii) मृत्यु (iv) मनुष्य
3. कवि कैसी मृत्यु को प्राप्त करने की बात करते हैं ?
   (i) सुमृत्यु (ii) शर्मनाक
   (iii) अपमृत्यु (iv) कठोर मृत्यु
4. कौन अमर हो जाता है ?
   (i) दूसरों के लिए जीने वाला
   (ii) अपने लिए जीने वाला
   (iii) पिता के लिए जीने वाला
   (iv) परिवार के लिए जीने वाला
5. मनुष्य क्या पाकर मदांध हो जाता है ?
   (i) दोस्त (ii) परिवार
   (iii) वित्त (iv) सोना
6. कवि ने किसे बड़ा विवेक माना है ?
   (i) परोपकार को
   (ii) मन में ईर्ष्या न रखने को
   (iii) मनुष्य मात्र बंधु है
   (iv) सहानुभूति को
7. क्या जानकर गर्व नहीं करना चाहिए ?
   (i) अनाथ (ii) सनाथ
   (iii) अमीर (iv) गरीव
8. कौन हमारे साथ हैं ?
   (i) त्रिलोकनाथ (ii) भाई
   (iii) दोस्त (iv) परिवार
9. किसके बड़े हाथ हैं ?
   (i) दीनबंधु (ii) इन्सान
   (iii) मित्र (iv) पिता
10. दयालु कौन हैं ?
    (i) मानव (ii) बंधु
    (iii) देवता (iv) दीनबंधु
11. कवि ने किसे भाग्यहीन कहा है ?
    (i) दयावान (ii) निर्धन
    (iii) दुर्बल (iv) जो अधीर होता है
12. कवि ने किसे मनुष्य कहा है ?
    (i) अपने लिए जीने वाला
    (ii) जिसे धन का अहंकार नहीं होता
    (iii) जो सेवा करता है
    (iv) मनुष्य के लिए मरने वाला
13. "आप आप ही चरे, यह कैसी प्रवृत्ति है ?
    (i) लोभी प्रवृत्ति (ii) स्वार्थी प्रवृत्ति
    (iii) अहंकारी प्रवृत्ति (iv) पशु प्रवृत्ति
14. पुराण पुरुष हमारे ____ हैं ।
    (i) पिता (ii) माता
    (iii) भाई (iv) बहन
15. वेद किसका प्रमाण देते हैं ?
    (i) अंतर की एकता (ii) बाहर की एकता
    (iii) बन्धु की एकता (iv) मनुष्य की एकता
16. यदि बंधु, बंधु की व्यथा न हरे तो क्या हो जाता ।
    (i) अर्थहीन (ii) सार्थक
    (iii) अनर्थ (iv) निरर्थक
17. धन मनुष्य को क्या बना देता है ?
    (i) समाज में बड़ा (ii) जन्मांध
    (iii) परोपकारी (iv) मदांध
18. अपने स्वार्थ के लिए काम करना क्या है ?
    (i) दूरदर्शीता (ii) धनवान
    (iii) पशु प्रवृत्ति (iv) मनुष्य प्रवृत्ति

Eduodia App

19. दयालु दीनबंधु के हाथ ____ है ।
(i) छोटे (ii) मोटे
(iii) विशाल (iv) क्षुद्र

20. संसार में मनुष्य का बंधु कौन है ?
(i) मनुष्य (ii) मातापिता
(iii) भगवान (iv) दोस्त

उत्तर

1. (i) मैथिलीशरण गुप्त
2. (iii) मृत्यु
3. (i) सुमृत्यु
4. (i) दूसरों के लिए जीने वाला
5. (iii) वित्त
6. (iii) मनुष्य मात्र बंधु है
7. (ii) सनाथ
8. (i) त्रिलोकनाथ
9. (i) दीनबंधु
10. (iv) दीनबंधु
11. (iv) जो अधीर होता है
12. (iv) मनुष्य के लिए मरने वाला
13. (iv) पशु प्रवृत्ति
14. (i) पिता
15. (i) अंतर की एकता
16. (iii) अनर्थ
17. (iv) मदांध
18. (iii) पशु प्रवृत्ति
19. (iii) विशाल
20. (i) मनुष्य

प्रश्न - उत्तर
Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

अर्थ स्पष्ट कीजिए :

1. "विचार लो कि मर्त्य हो, न मृत्यु से डरो कभी ।
मरो परंतु यों करो कि याद जो करे सभी ।

उत्तर : कवि ने हमें अपने कर्त्तव्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी है । वे कहते हैं कि धरती पर मृत्यु सत्य है । हमें मृत्यु से नहीं डरना चाहिए, वरना अच्छे कर्म के साथ मरेंगे तो लोग हमें याद करेंगे ।

2. हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए ।
मरानहीं वही कि जो जिया न आपके लिए ।

उत्तर : प्रस्तुत पद में कवि हमें अमर रहने का उपाय बताते हैं । कवि कहते हैं कि जो व्यकि दूसरों के हित के लिए काम करता है तो वह अमर हो जाता है, उसके मृत्यु को सुमृत्यु माना जाएगा, जिसे सुमृत्यु नहीं मिलता उसका जीना और मरना दोनों व्यर्थ है ।

3. वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे ।
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में कवि गुप्त जी ने हमें मनुष्य और पशु प्रवृत्ति के अंतर बताते हुए मनुष्य बनने की प्रेरणा दी है । वे कहते हैं कि पशु अपने आपके लिए जीता है, लेकिन मनुष्य को दूसरों के लिए कुछ काम करने की आवश्यकता है । तभी उसका मनुष्य जीवन सार्थक होगा ।

4. रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में ।

उत्तर : यह पद गुप्त जी के मनुष्यता कविता से आया हुआ है । कवि कहते हैं कि मनुष्य धन, संपत्ति, पद आदि प्राप्त करके अपने आपको श्रेष्ठ मानने लगा है, उसके मन में अहंकार आ गया है, लेकिन जिसे पाकर वह खुद को सनाथ मान रहा है वह सदा पास नहीं रहता । इसलिए हमें अहंकारी नहीं होना चाहिए ।

5. अनाथ कौन है यहाँ ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में कवि ने धन से अहंकारी बने मनुष्य को सतर्क किया है । वे कहते हैं कि यहाँ कोई भी अनाथ नहीं है । क्योंकि सभी के साथ तीनलोक के नाथ स्वयं भगवान हैं, जोकि अपने

Eduodia App

विशाल हाथ से सभी को सहारा देने को सदा तैयार हैं, इसलिए हमें अस्थायी संपत्ति को लेकर अहंकारी नहीं होना चाहिए ।

6. अतीव भाग्यहीन हैं अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

उत्तर : कवि कहते हैं कि हम सब ईश्वर की सन्तान हैं, जोकि हमारी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं । समय पर ही वे उचित फल प्रदान करते हैं । इसलिए हमें अपने कर्त्तव्यों का संपादन कर उन पर विश्वास रखना चाहिए । अगर हम अधैर्य हो जाएँगे तो उनकी करुणा से बंचित हो सकते हैं । हमें दूसरों के लिए सोचना तथा कार्य करना चाहिए ।

7. 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराण पुरुष स्वयं पिता प्रसिद्ध एक हैं ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में कवि कहते हैं कि पुराण पुरुष स्वयं ईश्वर हमारे जन्मदाता हैं । इस प्रकार इस धरती पर हम सभी एक हैं । हमें यह समझना है कि समस्त मनुष्य हमारे बंधु, हमारे अपने हैं । हमें आपस में सभी की मदद करनी चाहिए । हम सब एक हैं और बंधु हैं, यही सोच हमारा विवेक होना चाहिए ।

8. फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद है,
परंतु अन्तरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं ।

उत्तर : इस धरती पर जन्मे हर जीव मरणशील है । सभी अपने अपने कर्म के अनुसार ही फल प्राप्त करते हैं । जिसके कारण सभी अलग अलग दिखाई पड़ते हैं । लेकिन दूसरे रूप में देखने से पता चलता है कि हम सभी एक ईश्वर की संतान हैं । हम सभी के अन्त: करण में एक ही आत्मा का वास हैं, जिसे वेद भी स्वीकार करते हैं कि हम सब एक हैं ।

9. अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

उत्तर : कवि कहते हैं कि आज का मनुष्य एक दूसरे को अपना मित्र नहीं मानते, किसी की मदद नहीं करते, कवि ने इसे अनर्थ कहा है । उनके अनुसार जो दूसरों के लिए जीता है और सहायता करता है वही सच्चा मनुष्य है । हमें एक दूसरे की मदद करनी चाहिए जिससे यह संसार सुखमय हो जाय ।

एक तिनका

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

Eduoda App

1. कवि कहाँ खड़ा था ?
   (i) सड़क पर (ii) बगीचे में
   (iii) घर के अंदर (iv) छत के मुंडेरे पर
2. तिनका कहाँ से उड़कर आया था ?
   (i) पास से (ii) पैरों के तले से
   (iii) छत से (iv) बहुत दूर से
3. तिनका कहाँ आकर गिरा ?
   (i) कवि के सिर पर (ii) कवि की नाक में
   (iii) कवि की आँख में (iv) कवि के पैर पर
4. आँख में तिनका पड़ने पर क्या हुआ ?
   (i) आँख दुखने लगी (ii) आँख लाल हो गई
   (iii) वह दर्द से परेशान हो गया (iv) उपर्युक्त सभी
5. कवि को किसने ताने दिए ?
   (i) घमंड ने (ii) समझ ने
   (iii) सहपाठियों ने (iv) पड़ोसियों ने
6. कवि कैसे खड़ा था ?
   (i) खुशी से (ii) घमंड से
   (iii) उदास से (iv) बेपरवाह से
7. एक तिनका कविता के रचयिता कौन हैं ?
   (i) कबीर दास (ii) मैथिली शरण गुप्त
   (iii) महादेवी बर्मा (iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
8. कवि के साथ कौन-सी घटना घटी ?
   (i) कवि अचानक गिर पड़ा
   (ii) कवि की आँख में तिनका पड़ा था
   (iii) कवि के लिए विवाह प्रस्ताव आया था
   (iv) कवि ने सुन्दर कविता लिखी
9. कवि क्यों बेचैन हो गए ?
   (i) आँख में तिनका पड़ने से (ii) आँख लाल होने से
   (iii) पेट में दर्द होने से (iv) कान में दर्द होने से

10. कवि की आँख क्यों लाल हो गई ?
(i) धूल पड़ने से (ii) फूल पड़ने से
(iii) तिनके के पड़ जाने से (iv) ऊँगली घूस जाने से

11. अचानक क्या हुआ ?
(i) एक बड़ा पक्षी छत पर आ गया
(ii) मिट्टी का कण आँख में आ गिरा
(iii) तेज आँधी आ गई
(iv) एक तिनका कवि की आँख में आकर पड़ा

12. कवि मन ही मन अपने बारे में क्या सोचता था ?
(i) वह किसी को कुछ भी कह सकता है
(ii) उसका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता
(iii) वह अत्यधिक धनवान है
(iv) इनमें से कोई नहीं

13. लोगों ने तिनका कैसे निकाली ?
(i) फूँक मार कर (ii) पानी से धो कर
(iii) कपड़े की मूँठ बनाकर (iv) ऊँगली की सहायता से

14. लोग मूँठ क्यों देने लगे ?
(i) जिससे कवि की आँख से तिनका निकल जाए
(ii) जिससे कवि की आँख में दर्द कम हो जाए
(iii) जिससे कवि की आँख दुखनी बंद हो जाए
(iv) उपर्युक्त सभी कथन सत्य है

15. ढब शब्द कैसा है ?
(i) तत्सम (ii) तद्भव
(iii) देशज (iv) विदेशी

16. ढब का अर्थ क्या है ?
(i) तरीका (ii) एक तरफ होना
(iii) मुश्किल (iv) सम्मान

17. दबे पाँव भागना का अर्थ क्या है ?
(i) बिना आहट के भाग जाना
(ii) धीरे से खिसक जाना
(iii) पाँव को दबाकर भागना
(iv) (i) और (ii) दोनों कथन सत्य है

18. कवि को तिनका निकलने पर किसने ताने दिए ?
(i) उनकी पत्नी ने (ii) लोगों ने
(iii) उनकी समझ ने (iv) उनके पिताजी ने

19. समझ ने कब कवि को ताने दिए ?
(i) जब आँख से तिनका निकल गया
(ii) जब लोग मूँठ देकर थक गए
(iii) जब कवि की आँख की पीड़ा दूर हो गई
(iv) जब कवि आराम महसूस करने लगे

20. कवि की आँख की पीड़ा दूर करने के लिए लोग क्या करने लगे ?
(i) सहानुभूति व्यक्त करने लगे
(ii) आँख में दवा डालने लगे
(iii) मूँठ देने लगे
(iv) फूँकने लगे

21. आँख में तिनका गिरने से आँख का रंग कैसा हो गया ?
(i) काला (ii) सफेद
(iii) लाल (iv) हरा

22. कवि की आँख में क्या पड़ा ?
(i) एक कीड़ा (ii) धूल
(iii) एक पंख (iv) एक तिनका

23. कवि के मन में कौन सा भाव भरा था ?
(i) सहानुभूति (ii) प्रेम
(iii) घमंड (iv) श्रद्धा

24. ऐंठ दूर करने के लिए कौन काफी है ?
(i) एक मूँठ (ii) एक झटका
(iii) एक विचार (iv) एक तिनका

25. कौन दबे पाँव भागी ?
(i) लाज (ii) लड़की
(iii) ऐंठ (iv) चोरनी

26. कब कवि की आँख लाल हो गई और पीड़ा होने लगी ?
(i) जब मन घमंड़ से भरा धा
(ii) जब मुंडेरे पर खड़े थे
(iii) जब उनकी आँख में तिनका गिरा
(iv) जब कपड़ों की मूँठ दी गई

27. अकड़ के साथ कवि कहाँ खड़े थे ?
(i) भीड़ के सामने (ii) मंच पर
(iii) मुंडेरे पर (iv) सड़क पर

28. कवि क्यों झिझक गया ?
(i) उसके पास कोई नहीं आया
(ii) उसे अपनी बेचैनी पर शर्म आने लगी
(iii) उसका घमंड़ टूट गया
(iv) इनमें से कोई नही

EduodiaApp

29. कवि की आँख में तिनका पड़ने से लोगों ने क्या किया ?
(i) कबि को बुरा-भला कहने लगे
(ii) आँख में कपड़े की मूँठ देने लगे
(iii) कवि को डाक्टर के पास ले जाने लगे
(iv) कवि के दु:खी में दु:खी हो गये

30. कवि की आँख में पड़ा तिनका कैसे निकला ?
(i) डाक्टर ने उसका तिनका निकाला
(ii) कवि ने स्वंय प्रयास किया
(iii) लोगों ने कपड़े की मूँठ से तिनका निकाल दिया
(iv) कवि ने आँख धोकर तिनका निकाला

31. कवि की समझ ने उसे क्या ताने दिए ?
(i) तुझे घमंड़ नहीं करना चाहिए
(ii) तेरा घमंड़ एक छोटा तिनका भी तोड़ सकता है
(iii) ऐंठ जाने में समय नहीं लगता
(iv) दिये गये सभी

32. 'समझ' शब्द से क्या तात्पर्य है ?
(i) बुद्धि का (ii) जानकारी का
(iii) अपने महत्व (iv) नई बातों का

33. तिनका किस रूप को प्रकट करता है ?
(i) सुखी लकड़ी
(ii) एक धातु का पदार्थ
(iii) छोटी सी वस्तु का
(iv) सूखी घास का टुकड़ा

34. ऐंठ बेचारी दबे पाँव भागी शब्द का अर्थ क्या है ?
(i) घमंड़ करना (ii) पास आ जाना
(iii) मर जाना (iv) घमंड चूर होना

35. कवि जब मुंडेरे पर खड़े थे, तब क्या हुआ ?
(i) बारिश होने लगी
(ii) हवा बहने लगी
(iii) उनकी आँख में तिनका आकर पड़ा
(iv) बादल गरजने लगा

36. तिनका कैसे कवि की आँख में आकर पड़ा ?
(i) भागता हुआ (ii) दौड़ता हुआ
(iii) उड़ता हुआ (iv) हँसता हुआ

37. ऐंठ शब्द का अर्थ क्या है ?
(i) व्याकुल (ii) अकड़
(iii) ढंग (iv) गुस्सा

38. कवि की बेचैनी का कारण क्या था ?
(i) उनकी पत्नी से झगड़ा हुआ था
(ii) उनकी आँख में गिरा हुआ तिनका था
(iii) उनकी आँख में गिरा हुआ धूल था
(iv) उनकी आँख में पड़ा हुआ कीड़ा था

39. कवि के घर लोग क्यों आने लगे ?
(i) कवि विमार पड़े थे
(ii) कवि की आँख में तिनका पड़ने से कराह रहे थे
(iii) कवि चल बसे थे
(iv) कवि के घर झगड़ा हो रहा था

40. कवि की आँख में कितना तिनका पड़ा ?
(i) एक (ii) दो
(iii) तीन (iv) चार

41. घमंड़ का अर्थ क्या है ?
(i) साहस (ii) गर्व
(iii) दया (iv) प्रेम

42. कौन मुंडेरे पर खड़ा था ?
(i) राम (ii) हरि
(iii) कवि (iv) गोपाल

43. कवि की आँख क्यों दुखने लगी ?
(i) उनकी आँख में कीड़ा पड़ा था
(ii) उनकी आँख में धूल पड़ी थी
(iii) उनकी आँख में तिनका पड़ा था
(iv) इनमें से कोई नहीं

44. कवि की ऐंठ दबे पाँव भागी, जब -
(i) किसी प्रकार से तिनका आँख से निकल गया
(ii) आँख में तिनका पड़ने से कवि बेचैन हो गए
(iii) तिनका पड़ने से आँख लाल हो गई
(iv) किसी भी प्रकार से आँख की पीड़ा दूर नहीं हुई

45. 'मैं' कौन सा सर्वनाम है ?
(i) निज वाचक (ii) निश्चय वाचक
(iii) पुरुष वाचक (iv) संबन्ध वाचक

46. लोग किस की मूँठ देने लगे ?
(i) रुई के (ii) कपड़े की
(iii) कागज के (iv) इनमें से कोई नहीं

47. कवि की ऐंठ कैसी भागी ?
(i) जोर से (ii) दबे पाँव से
(iii) आसानी से (iv) इनमें से कोई नहीं

Eduodia App

48. 'एक तिनका' कविता में 'मैं' किसका प्रतीक है ?
(i) लोगों का (ii) कवि का
(iii) एक व्यक्ति का (iv) इनमें से कोई नहीं

49. 'एक तिनका' कविता में 'तिनका' किसका प्रतीक है ?
(i) प्रभुता (ii) साधुता
(iii) लघुता (iv) महानता

50. एक तिनका कविता से क्या शिक्षा मिलती है ?
(i) हमें अपनी शक्ति पर अंहकार नहीं करना चाहिए
(ii) हमें सदा परिश्रम करना चाहिए
(iii) हमें सदा बड़ो का कहना मानना चाहिए
(iv) हमें शत्रु को शत्रु समझना चाहिए

उत्तर

1. (iv) छत के मुंडेरे पर
2. (iv) बहुत दूर से
3. (iii) कवि की आँख में
4. (iv) उपर्युक्त सभी
5. (ii) समझ ने
6. (ii) घमंड से
7. (iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
8. (ii) कवि की आँख में तिनका पड़ा था
9. (i) आँख में तिनका पड़ने से
10. (iii) तिनके के पड़ जाने से
11. (iv) एक तिनका कवि की आँख में आकर पड़ा
12. (ii) उसका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता
13. (iii) कपड़े की मूँठ बनाकर
14. (iv) उपर्युक्त सभी कथन सत्य ह
15. (iii) देशज
16. (i) तरीका
17. (iv) (i) और (ii) दोनें कथन सत्य है
18. (iii) उनकी समझ ने
19. (i) जब आँख से तिनका निकल गया
20. (iii) मूँठ देने लगे
21. (iii) लाल
22. (iv) एक तिनका
23. (iii) घमंड
24. (iv) एक तिनका
25. (iii) ऐंठ
26. (iii) जब उनकी आँख में तिनका गिरा
27. (iii) मुंडेरे पर
28. (ii) उसे अपनी बेचैनी पर शर्म आने लगी
29. (ii) आँख में कपड़े की मूँठ देने लगे
30. (iii) लोगों ने कपड़े की मूँठ से तिनका निकाल दिया
31. (ii) तेरा घमंड़ एक छोटा तिनका भी तोड़ सकता है
32. (i) बुद्धि का
33. (iv) सूखी घास का टुकड़ा
34. (iv) घमंड चूर होना
35. (iii) उनकी आँख में तिनका आकर पड़ा
36. (iii) उड़ता हुआ
37. (ii) अकड़
38. (ii) उनकी आँख में गिरा हुआ तिनका था
39. (ii) कवि की आँख में तिनका पड़ने से कराह रहे थे
40. (i) एक
41. (ii) गर्व
42. (iii) कवि
43. (iii) उनकी आँख में तिनका पड़ा था
44. (i) किसी प्रकार से तिनका आँख से निकल गया
45. (iii) पुरुष वाचक
46. (ii) कपड़े की
47. (ii) दबे पाँव से
48. (ii) कवि का
49. (iii) लघुता का
50. (i) हमें अपनी शक्ति पर अंहकार नहीं करना चाहिए

Eduodia App

प्रश्न - उत्तर

Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

अर्थ स्पष्ट कीजिए :

1. मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।

उत्तर : 'एक तिनका' कविता की इन पंक्तियों में कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का कहना है, वे एक दिन घमंड से अकड़ कर मुंडेरे पर खड़े थे । उस समय उनका मन घमंड़ से भरा हुआ था । वे सोचते थे कि उनका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता ।

2. आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा ।

उत्तर : 'एक तिनका' कविता की इन पंक्तियों में कवि हरिऔध का कहना है, एक दिन वे घमंड से अकड़कर मुंडेरे पर खड़े थे । तभी अचानक उनकी आँख में कहीं से उड़कर एक तिनका आ गिरता है ।

3. मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी ।

उत्तर : कवि की आँख में तिनका गिर जाने पर कवि झुँझला उठे । उनकी आँख लाल हो गई, और पीड़ा होने लगी । कवि बेचैन हो उठे ।

4. मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबेपाँवों भागी ।

उत्तर : 'एक तिनका' कविता की इन पंक्तियों में कवि हरिऔध का कहना है, जब उनकी आँख दुखने लगी तब लोग कपड़े का उपयोग करके आँख से तिनका निकालने की कोशिश करने लगे । इस दौरान उनकी ऐंठ और घमंड़ बिल्कुल चूर हो कर दूर भाग गए ।

5. जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिये ।

उत्तर : 'एक तिनका' कविता की इन पंक्तियों में कवि हरिऔध ने तिनका निकल जाने के बाद अपनी हालत का वर्णन किया है ।

कवि कहते हैं कि जैसे-तैसे उनकी आँख से तिनका निकल गया । इसके बाद उनके मन में एक खयाल आया कि उन्हें घमंड नहीं करना चाहिए था ।

6. ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

उत्तर : कवि की बुद्धि ने कवि से व्यंग्य करते हुए पूछा कि तुम किसलिए इतना गर्व करते थे ? तुम्हारा गर्व दूर करने के लिए तो एक तिनका भी बहुत है ।

7. आँख में तिनका पड़ने से घमंडी की क्या दशा हुई ?

उत्तर : आँख में तिनका पड़ने से घमंडी बेचैन हो गया । आँख लाल हो गई और दुखने लगी । वह अपनी सारी अकड़ भूलकर तिनका निकालने का प्रयास करने लगा ।

8. घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आस-पास के लोगों ने क्या किया ?

उत्तर : घमंड़ी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आस पास के लोग दौड़ पड़े । वे कपड़े की नोक से घमंडी की आँख का तिंनका निकालने में सफल हुए ।

9. कवि की सारी अकड़ क्यों भाग गई ?

उत्तर : कवि की सारी अकड़ आँख में तिनका गिरने से भाग गई । उसे घमंड़ था कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, परन्तु एक तिनके ने उसकी हालत बुरी कर दी और उसे तिनका निकालने के लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ी ।

10. 'एक तिनका' कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

उत्तर : एक तिनका कविता से यह प्रेरणा मिलती है कि मनुष्य को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए । एक छोटा तिनका भी कष्ट का कारण बन सकता है, और हमारे घमंड़ को चूर कर सकता है ।

चाँद का झिंगोला

कवि : रामधारी सिंह दिनकर

1. 'चाँद का झिंगोला' कविता के कवि कौन हैं ?
   (i) रामधारी सिंह 'दिनकर'
   (ii) मैथिलीशरण गुप्त
   (iii) सूर्यकांत त्रिपाठी
   (iv) महादेवी वर्मा
2. रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म किस राज्य में हुआ था ?
   (i) उत्तर प्रदेश (ii) बिहार
   (iii) ओड़िशा (iv) मध्य प्रदेश

Odisha 1 to 10 All Books App

3. 'उर्वशी' महाकाव्य के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया :
(i) हरिवंशराय बच्चन (ii) महादेवी वर्मा
(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iv) मैथिली शरण गुप्त

4. चाँद किससे हठ कर बैठा -
(i) पिता से (ii) माता से
(iii) चाचा से (iv) मामा से

5. हवा कैसे चलती है ?
(i) कन-कन (ii) सन-सन
(iii) कल-कल (iv) हौले-हौले

6. कौन ठिठुर-ठिठुर कर यात्रा पूर्ण करता है ?
(i) सूरज (ii) चाँद
(iii) कवि (iv) माता

7. चाँद कैसा झिंगोला चाहता है ?
(i) सूती (ii) ऊन का
(iii) रेशमी (iv) मखमल का

8. भाड़े में क्या लाने के लिए चाँद कहता है ?
(i) धोती (ii) टोपी
(iii) कुरता (iv) स्वेटर

9. किसने कहा - अरे सलोने ?
(i) चाँद (ii) माता
(iii) कवि (iv) सूरज

10. चाँद कितना चौड़ा दिखता है ?
(i) दो उँगल (ii) दो मीटर
(iii) एक हाथ (iv) एक उँगल

11. चाँद कितना मोटा दिखता है ?
(i) एक फुट (ii) दो फुट
(iii) तीन फुट (iv) चार फुट

12. चाँद कब बढ़ता-घटता है ?
(i) रोज (ii) एक सप्ताह में
(iii) एक महिने में (iv) एक साल में

13. किस दिन चाँद पूर्ण रूप से दिखाई देता है ?
(i) अमावस्या (ii) पूर्णिमा
(iii) एकादशी (iv) अष्टमी

14. किस दिन चाँद बिलकुल दिखाई नहीं देता ?
(i) पूर्णिमा (ii) अमावस्या
(iii) एकादशी (iv) अष्टमी

15. 'सफर' का अर्थ क्या है ?
(i) यात्री (ii) सैर
(iii) भ्रमण (iv) यात्रा

16. 'सलोने' का अर्थ क्या है ?
(i) सुंदर (ii) असुंदर
(iii) झूठा (iv) आलसी

17. 'लगे मत तुझको जादू-टोने' -किसने कहा ?
(i) कवि ने (ii) हवा ने
(iii) माता ने (iv) आकाश ने

18. माता चाँद को कैसा कभी नहीं देखा करती है ?
(i) एक जैसा (ii) एक नाप का
(iii) धीर (iv) एक जगह

19. कुशल करे _____
(i) माता (ii) कवि
(iii) भगवान (iv) आसमान

20. चाँद किससे मरने की बात करता है ?
(i) जाड़े से (ii) गर्मी से
(iii) वर्षा से (iv) भूख से

21. भाड़ा का अर्थ क्या है ?
(i) सुंदर (ii) किराया
(iii) नाप (iv) यात्रा

22. चाँद कैसा झिंगोला चाहता है ?
(i) पतला (ii) मोटा
(iii) लम्बा (iv) छोटा

23. 'हठ' का अर्थ क्या है ?
(i) शैतानी (ii) बदमाशी
(iii) जिद्द (iv) स्थिर

24. जादू-टोना किसे न लगे ?
(i) कवि को (ii) माता को
(iii) चाँद को (iv) आसमान को

25. भाड़े का कुरता लाने को कौन कहता है ?
(i) माता (ii) कवि
(iii) चाँद (iv) आसमान

26. चाँद किस तरह यात्रा पूरी करता है ?
(i) चलते-चलते (ii) दौड़-दौड कर
(iii) रो-रोकर (iv) ठिठुर-ठिठुर कर

Eduodia App

27. किसका कुशल माँ चाहती है ?
(i) आसमान का (ii) जाड़े का
(iii) हवा का (iv) चाँद का

28. चाँद का कुशल कौन करे ?
(i) माता (ii) भगवान
(iii) जाड़ा (iv) आसमान

29. कौन एक नाप में कभी दिखाई नहीं देता ?
(i) हवा (ii) आसमान
(iii) चाँद (iv) सूरज

30. कौन रोज घटता-बढ़ता है ?
(i) सूरज (ii) चाँद
(iii) आसमान (iv) माता

31. रामधारी सिंह दिनकर का जन्म कब हुआ ?
(i) 1908 (ii) 1910
(iii) 1912 (iv) 1914

32. शौर्य और वीरता का कवि किन्हें माना जाता है ?
(i) रामधारी सिंह
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) हरिवंशराय बच्चन
(iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय

33. रेणुका, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी किसकी रचना है ?
(i) महादेवी वर्मा (ii) हरिवंशराय बच्चन
(iii) रामधारी सिंह (iv) प्रेमचंद

34. चाँद को एक नाप में कौन नहीं देख पाती ?
(i) सूरज (ii) माता
(iii) जाड़ा (iv) आसमान

35. 'अब तू ही बता, नाप तेरी किस रोज लिवाएँ' - किसने कहा ?
(i) माता (ii) चाँद
(iii) आसमान (iv) सूरज

36. ठिठुर-ठिठुर कर कौन यात्रा पूरी करता है ?
(i) माता (ii) सूरज
(iii) चाँद (iv) आसमान

37. 'झिंगोला' का अर्थ -
(i) टोपी (ii) पेंट
(iii) कोट (iv) कमीज

38. चाँद किस चीज के लिए हठ करता है ?
(i) झिंगोला (ii) टोपी
(iii) पेंट (iv) कोट

39. चाँद कब यात्रा पुरी करता है ?
(i) दिन (ii) दोपहर
(iii) शाम (iv) रात

40. 'मौसम' का अर्थ -
(i) ऋतु (ii) किराया
(iii) सुंदर (iv) आसमान

41. 'आसमान' का पर्यायवाची शब्द -
(i) आकाश (ii) ऋतु
(iii) यात्रा (iv) मान

42. रोज कौन घटता-बढ़ता है ?
(i) चाँद (ii) आसमान
(iii) माता (iv) मौसम

43. कौन नाप लेने से डरती है ?
(i) चाँद (ii) माता
(iii) भगवान (iv) आसमान

44. ऊन किससे बनता है ?
(i) मिट्टी से (ii) भेड़ की रोयें से
(iii) सूत से (iv) प्लास्टिक से

45. माता किसकी बात सुनती है ?
(i) सूरज (ii) चाँद
(iii) आसमान (iv) मौसम

46. 'कुशल' का अर्थ क्या है ?
(i) नाप (ii) नभ
(iii) सुंदर (iv) मंगल

47. झिंगोला सिलाने को चाँद किससे कहता है ?
(i) माता से (ii) आसमान से
(iii) जाड़े से (iv) भगवान से

48. भगवान से किसकी कुशलता की कामना माता करती है ?
(i) चाँद की (ii) सूरज की
(iii) आसमान की (iv) मौसम की

49. माँ किससे डरती है ?
(i) जाड़े से (ii) आसमान से
(iii) मौसम से (iv) नाप लेने से

Eduodia App

उत्तर

1. (i) रामधारी सिंह 'दिनकर'
2. (ii) बिहार
3. (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. (ii) माता से
5. (ii) सन-सन
6. (ii) चान्द
7. (ii) ऊन का
8. (iii) कुरता
9. (ii) माता
10. (iv) एक उँगल
11. (i) एक फुट
12. (i) रोज
13. (ii) पूर्णिमा
14. (ii) अमावस्या
15. (iv) यात्रा
16. (i) सुंदर
17. (iii) माता ने
18. (ii) एक नाप का
19. (iii) भगवान
20. (i) जाड़े से
21. (ii) किराया
22. (ii) मोटा
23. (iii) जिद्
24. (iii) चाँद को
25. (iii) चाँद
26. (iv) ठिठुर-ठिठुर कर
27. (iv) चाँद का
28. (ii) भगवान
29. (iii) चाँद
30. (ii) चाँद
31. (i) 1908
32. (i) रामधारी सिंह
33. (iii) रामधारी सिंह
34. (ii) माता
35. (i) माता
36. (iii) चाँद
37. (iv) कमीज
38. (i) झिंगोला
39. (iv) रात
40. (i) ऋतु
41. (i) आकाश
42. (i) चाँद
43. (ii) माता
44. (ii) भेड़ की रोयें से
45. (ii) चाँद
46. (iv) मंगल
47. (i) माता से
48. (i) चाँद की
49. (iv) नाप लेने से

EduGorApp

प्रश्न - उत्तर

Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

(भाव स्पष्ट करें)

1. हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से वह बोला
"सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का, मोटा एक झिंगोला ।

उत्तर : यहाँ कवि रामधारी सिंह जी कहते हैं कि चाँद एक दिन माँ के पास जिद् कर बैठा । उसने अपनी माता से कहा उसके लिए एक ऊन का एक मोटा झिंगोला सिलवा दे । ताकि रात में सफर करते हुए वह ठंड से बच सके और अपनी यात्रा पूरी कर सके ।

2. सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ ।

उत्तर : उपरोक्त रामधारी जी द्वारा लिखित पंक्तियों में चाँद अपनी माँ से बोलता है कि पूरी रात ठंडी हवा सन-सन बहती रहती है और वह बेचारा ठंड से काँपता रहता है । जाड़े के इस मौसम में वह काँपता हुआ आसमान में पूरी रात सफर करता है और अपनी यात्रा पूरी करता है ।

3. आसमान का सफर और यह, मौसम है जाड़े का"
न हो अगर तो ला दो कुरता ही कोई भाड़े का ।"

उत्तर : इन पंक्तियों में चाँद अपनी माँ से बोलता है कि वह जाड़े के मौसम में काँपते हुए अपनी रात्री का सफर पुरी करता है । उसे ठंड के कारण कष्ट होता है । इसलिए यदि माँ उसके लिए झिंगोला सिलवा नहीं सकती तो कम-से-कम भाड़े का एक कुरता ला दे, जिससे वह ठंड़ से बच सके ।

4. बच्चे की सुन बात कहा माता ने "अरे सलोने" !
कुशल करे भगवान, लगें मत, तुझको जादू-टोने ।

उत्तर : इन पंक्तियों में चाँद की बात सुनकर माँ उसे सांत्वना देती है कि उसे कुछ नहीं होगा । भगवान की कृपा उस पर बनी रहे । उसकी प्रार्थना है कि भगवान उसके बेटे को जादू-टोने और अमंगल से बचाकर सदा कुशल-मंगल रखें ।

5. जाड़े की ता बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ ।

उत्तर : उपरोक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि चाँद जब माँ से झिंगोला बनाने की जिद् करता है तो माँ उसकी बात सुनती है, पर

माँ कहती है कि उसका आकार रोज बदलता है, तो वह किस नाप का झिंगोला बनाए, जो वह पहन सके, क्योंकि चाँद एक नाप में कभी नहीं दिखता ।

6. कभी एक उँगल भर चौड़ा, कभी एक फूट मोटा, बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा ।

उत्तर : यहाँ कवि कहते हैं कि चाँद छोटा-बड़ा होता रहता है । वह कभी एक अंगुली भर चौड़ा तो कभी एक फुट मोटा हो जाता है । कभी बड़ा हो जाता है तो कभी छोटा । वह रोज घटता-बढ़ता रहता है । तो किस रोज का नाप लेकर उसके लिए झिंगोला बनाया जाए, तो हर रोज वह पहन सके ?

7. घटता-बढ़ता रोज, किसी दिन, ऐसा भी करता है नहीं किसी की आँखों का, तू दिखलाई पड़ता है ।

उत्तर : इन पंक्तियों में माँ अपने बेटे से कहती है कि वह रोज घटता-बढ़ता है । उसके आकार-प्रकार का कोई ठिकाना नहीं है । अमावस्या के दिन बिलकुल दिखाई नहीं देता । पूर्णिमा के दिन पूर्ण दिखता है । तो माँ इस घटते-बढ़ते स्थिति में उसके लिए कैसे झिंगोला बना सकती है । अत: अस्थिर के लिए कुछ भी किया नहीं जा सकता ।

8. अब तू ही यह बता, नाप तेरी किस रोज लिवाएँ सी दें एक झिंगोला जो, हर रोज बदन में आए ?"

उत्तर : इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि चाँद का झिंगोला बनाने की जिद्द तो ठीक है परंतु उसके आकार में रोज परिवर्तन कारण उसकी माँ झिंगोला बनाने में असमर्थ होती है । माँ उससे कहती है कि किस दिन का नाप लेकर झिंगोला बनाए जो वह रोज पहन सके और ठंड से बच कर यात्रा पुरी करे ।

नीड़ का निर्माण

1. नीड़ शब्द का अर्थ क्या है ?
   (i) घोंसला (ii) पानी
   (iii) हवा (iv) रात
2. भूमि को किसने घेरा ?
   (i) पक्षी ने (ii) बादलों ने
   (iii) भूमि ने (iv) मेघ ने
3. दिन कैसा हो गया ?
   (i) शाम सा (ii) रात सा
   (iii) सुबह सा (iv) सुहना सा
4. कौन भयभीत हो गए ?
   (i) जन-जन (ii) धन-धन
   (iii) सन-सन (iv) तम-तम
5. नीड़ का निर्माण कौन करता है ?
   (i) पेड़ (ii) सूर्य
   (iii) पक्षी (iv) बादल
6. भीम कायावान कौन है ?
   (i) विटप (ii) नदी
   (iii) बादल (iv) पहाड़
7. 'विटप' का पर्यायवाची क्या है ?
   (i) पेड़ (ii) पशु
   (iii) पक्षी (iv) नदी
8. कौन गगन पर गर्व से उड़ता है ?
   (i) मछली (ii) पक्षी
   (iii) हवा (iv) निशा
9. क्रुद्ध नभ के बज्रदंतो में कौन मुस्कुराती है ?
   (i) रात्रि (ii) दिवा
   (iii) संध्या (iv) उषा
10. चिड़िया अपनी चोंच में क्या लिए जा रही है ?
    (i) घास (ii) पत्ता
    (iii) तिनका (iv) दाना
11. पवन उंचास को कौन नीचा दिखाती है ?
    (i) चिड़िया (ii) कोयल
    (iii) कौआ (iv) कबूतर
12. नाश के दुख से किसका सुख नहीं दबता ?
    (i) विकास (ii) उन्नति
    (iii) निर्माण (iv) पतन
13. घोंसलें किससे विनिर्मित थे ?
    (i) पत्तों से (ii) घास से
    (iii) लकड़ी से (iv) तिनकों से
14. रात कैसी थी ?
    (i) काली (ii) सफेद
    (iii) हरी (iv) नीली

Eduodia App

15. हरिवंशराय बच्चन जी का जन्म कहाँ हुआ था ?
(i) अहमदाबाद (ii) इलाहाबाद
(iii) काशी (iv) मुंगेर

16. क्या डगमगाते हैं ?
(i) झोपड़ी (ii) कुटिया
(iii) पेड़ (iv) महल - घर

17. किसका आह्वान फिर-फिर होता है ?
(i) सुख (ii) पीड़ा
(iii) नेह (iv) दुख

18. उषा क्या करती है ?
(i) मुस्कुराती है (ii) गाती है
(iii) नाचती है (iv) चलती है

19. कहाँ से उषा आई ?
(i) उत्तर से (ii) दक्षिण से
(iii) प्राची से (iv) पश्चिम से

20. 'नीड़ का निर्माण' कविता के कवि का क्या नाम है ?
(i) तुलसी दास (ii) हरिवंशराय बच्चन
(iii) दिनकर (iv) हरि औध

21. दिन कैसा हो गया ?
(i) प्रभात सा (ii) दोपहर
(iii) शाम सा (iv) रात सा

22. किसकी निस्तब्धता से सृष्टि का नव-गान बार-बार होता है ?
(i) तूफान (ii) विनाश
(iii) आँधी (iv) प्रलय

23. क्रोधित आकाश के दाँत कैसे हैं ?
(i) लघु (ii) विशाल
(iii) बज्रदंत (iv) भीमकाय

24. प्रलय का अर्थ है -
(i) अंत होना (ii) सृष्टि का नाश होना
(iii) पतन (iv) अवनति

25. खग पंक्ति कैसे गाती है ?
(i) कंठ से (ii) मुँहसे
(iii) दाँतों से (iv) आँखों से

26. उषा की मुस्कान कैसी थी ?
(i) सौदामिनी (ii) कामायनी
(iii) मनमोहक (iv) मोहिनी

27. विटप का अर्थ क्या है ?
(i) पर्वत (ii) नदी
(iii) हवा (iv) पेड़

28. प्रलय की निस्तब्धता में किसका नव गान सुनाई पड़ता था ?
(i) पाताल (ii) आकाश
(iii) सृष्टि (iv) बादल

29. आँधी उठने से नभ में क्या छा गया ?
(i) सवेरा (ii) अँधेरा
(iii) बसेरा (iv) ठठेरा

30. चिड़िया सहज में किसको नीचा दिखाती है ?
(i) पवन उंचास (ii) पवन बावन
(iii) पवन पचास (iv) पवन साठ

31. 'निशा' शब्द का क्या अर्थ है ?
(i) सुबह (ii) दिन
(iii) शाम (iv) रात

32. घर किससे बने थे ?
(i) ईंट पत्थर (ii) मिट्टी
(iii) लोहा (iv) कपड़ा

33. उषा क्या करती है ?
(i) मुस्कुराती (ii) गाती
(iii) लहराती (iv) रोती

34. निर्माण का सुख क्या नहीं होता ?
(i) उठता (ii) दबता
(iii) खोता (iv) बैठता

35. रात आने से कैसा लग रहा था ?
(i) आतंक (ii) कष्ट
(iii) दुख (iv) भय

36. हवा के झोंको से कौन काँपने लगे ?
(i) पहाड़ (ii) बादल
(iii) संसार (iv) पेड़

Eduodia App

37. आशा के विहंगम कैसे छाती फुलाता है ?
(i) डर से (ii) खुशी से
(iii) गर्व से (iv) आतंक से

38. बड़े विटप कैसे उखड़ गए ?
(i) जड़ से (ii) मूल से
(iii) शाखा से (iv) डाल से

39. कण-कण किससे भयभीत थे ?
(i) दिन (ii) रात
(iii) शाम (iv) सवेरा

40. कवि किसका निर्माण करने की बात कर रहे हैं ?
(i) नीड़ (ii) पक्षी
(iii) महल (iv) पवन

उत्तर

1. घोंसला
2. बादलों ने
3. रात सा
4. जन-जन
5. पक्षी
6. पहाड़
7. पेड़
8. पक्षी
9. उषा
10. तिनका
11. चिड़िया
12. निर्माण
13. तिनकों से
14. काली
15. इलाहाबाद
16. महल घर
17. नेह
18. मुस्कुराती है
19. प्राची से
20. हरिवंशराय बच्चन
21. रात - सा
22. प्रलय
23. बज्रदंत
24. सृष्टि का नाश होना
25. कंठ से
26. मोहिनी
27. पेड़
28. सृष्टि
29. अँधेरा
30. पवन उंचास
31. रात
32. ईंट पत्थर
33. मुस्कुराती
34. दबता
35. भय
36. पहाड़
37. गर्व से
38. जड़ से
39. रात
40. नीड़

प्रश्न - उत्तर

Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

अर्थ स्पष्ट कीजिए :

1. नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियाँ हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित 'नीड़ का निर्माण' कविता से ली गई हैं । यहाँ कवि ने जीवन को अत्यंत महत्व दिया है । जिस प्रकार घोंसला टूट जाने पर भी पक्षी उसे बनाता रहता है, ठीक उसी प्रकार मनुष्यों को भी अपने घरों का निर्माण बराबर करना चाहिए, दुख तथा विपत्तियों का सामना करके आगे बढ़ना ही स्नेह और प्रेम का आह्वान है ।

2. वह उठी आँधी की नभ में
छा गया सहसा अंधेरा
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा ।

उत्तर : इन पंक्तियों में कवि हरिवंश राय बच्चन जी का कहना है कि जब आँधी आती है तब अचानक आकाश में अंधेरा छा जाता है । धूल से भरे बादल भूमि को घेर लेते हैं । फिर भी पक्षी अपने टूटे घोंसलों का निर्माण करते हैं । ठीक उसी प्रकार जीवन में दुख का सामना करना चाहिए और स्नेह का संदेश फैलाना चाहिए ।

3. रात सा दिन हो गया, फिर
रात आई और काली
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फिर सबेरा ।

उत्तर : उपरोक्त पंक्तियों में कवि हरिवंशराय बच्चन जी का कहना है कि आकाश में चारों ओर काले बादलों के घिर आने के कारण दिन का प्रकाश अंधकार में बदल जाता है । अंधेरा इतना घना था कि दिन, रात जैसे लगने लगा, काली रात का समय इतना बढ़ गया कि ऐसा लग रहा था जैसे इस काली रात का सवेरा नहीं है । यहाँ दिन पर रात का प्रभाव तथा प्रकाश पर अंधेरे के प्रभाव पर चर्चा की गई है ।

4. रात के उत्पात-भय से
भीत जन-जन, भीत कण-कण
किन्तु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर ।

Eduodia App

उत्तर : आलोच्य पंक्तियों में कवि हरिवंश राय बच्चन जी का कहना है कि अंधेरी रात के आतंक से सभी मनुष्य तथा जीव-जन्तु भयभीत हो जाते हैं, किन्तु जब पूर्व दिशा से उषा की किरणें मुसकुराती हुई उदय होती है तब चारों ओर प्रकाश फैल जाता है । जीवन में भी सुख-दुख का क्रम चलता रहता है । जिस प्रकार काली रात के बाद सुबह होती है वैसे ही दुख के बाद सुख अवश्य आता है । इसी आशा के साथ मनुष्यों को बार-बार अपने टूटे घरों का निर्माण करते रहना चाहिए ।

5. बह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर
जड़ समेत उखड़-पुखड़ कर
गिर पड़े, टूटे बिटप वर ।

उत्तर : इन पंक्तियों में कवि हरिवंशराय बच्चन जी कहते हैं कि तेज आँधी और तूफान के कारण विशाल पहाड़ हिलने लगे । बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ कर जमीन पर गिर पड़े । तेज हवाओं के कारण चारों ओर विनाश का दृश्य छा गया । यहाँ तूफान के माध्यम से मनुष्य के जीवन में होने वाले विपत्तियों का वर्णन है ।

6. हाय तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती ।
डग मगाए जब कि कंकड़
ईंट पत्थर के महल घर ।

उत्तर : उपरोक्त पंक्तियों में कवि हरिवंशराय बच्चन जी कहते हैं कि भयंकर तूफान तथा हवाओं के सामने विशाल पर्वत तथा पेड़-पौधे नष्ट हो जाते हैं । ऐसे मे तिनकों से बने घोसलों की स्थिति का सहज ही अनुमान किया जा सकता है । प्रकृति जब प्रलय का रूप धारण करती है, तब वह दृश्य बड़ा ही दर्दनाक हो जाता है । तूफान के सामने कंकड़ों, पत्थरों, तथा ईंटों से बने विशाल घर और महल भी टूट जाते हैं ।

7. **"बोल आशा के विहंगम,**
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज वक्ष फिर-फिर" ।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में कवि जीवन के दुखों का सामना करते हुए आशावान बने रहने का संदेश देते हैं । तूफान से आए प्रलय के बाद पक्षी अपनी रक्षा करते हुए पुन: अपने घोंसलों का निर्माण करने लगता है । वह अपनी छाती फुलाते हुए गर्व से आसमान पर उड़ने लगता है । इसी तरह मनुष्यों को मुसीबतों का सामना करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए, यहाँ पक्षी आशा और साहस का प्रतीक है ।

8. **क्रुद्ध नभ के बज्रदंतों**
में उषा है मुस्कुराती,
धोर गर्जन भय गगन के
कंठ से खग-पंक्ति गाती" ।

उत्तर : इन पंक्तियों में कवि हरिवंशराय बच्चन जी का आशय है कि क्रोधित आकाश के वज्र रुपी दाँतों के बीच से सुबह की किरणें मुस्कुराती हुई निकलती है । ठीक उसी प्रकार पक्षियों की पंक्ति बादलों के घोर गर्जन से भयभीत न होकर आकाश में गाते हुए उड़ने लगती है । यहाँ पक्षियों की तरह मनुष्यों को आशा तथा साहस के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया है ।

9. **"एक चिड़िया चोंच में तिनका**
लिए जो जा रही है,
वह सहज में ही पवन
उंचास को नीचा दिखाती ।

उत्तर : आलोच्य पंक्तियों में कवि ने पक्षियों के अदम्य साहस, प्रयास तथा अभिलाषा का वर्णन किया है । एक छोटी सी चिड़िया अपने साहस के बल पर पवन उंचास को नीचा दिखाती है । भयंकर हवाओं के सामने वह झुकती नहीं है । अपने साहस और अभिलाषा के कारण वह पुन: अपनी चोंच में एक-एक तिनका लेकर अपने घोंसले का निर्माण करती है । दुख तथा संघर्ष के समय में साहस के साथ आगे बढ़ने का संदेश कवि देते हैं ।

10. **"नाश के दुख से कभी**
दबता नहीं निर्माण का सुख
प्रलय को निस्तब्धता से
सृष्टि का नव गान फिर-फिर" ।

उत्तर : उपरोक्त पंक्तियों में कवि हरिवंशराय बच्चन जी कहते हैं कि जीवन में सुख-दुख, संकट तथा संघर्ष चलता रहता है, विपत्तियों में दुख से घबराना नहीं चाहिए, जिस तरह प्रलय की नीरवता में सृष्टि पुन: निर्माण का गीत गाती है ठीक उसी तरह नाश के दुख से निर्माण का सुख दबता नहीं है । नाश से दुख तो होता है । लेकिन उसको निर्माण का सुख दबा देता है । प्रलय के बाद नीरवता छा जाती है लेकिन फिर से सृष्टि के गीत गाये जाते हैं । आशा और साहस के साथ जीना ही जीवन है ।

Eduodia App

गद्य विभाग

मधुर भाषण

1. किस पर मनुष्य का विशेष अधिकार है ?
   (i) भाषा पर (ii) सौन्दर्य
   (iii) रुप (iv) धन
2. मनुष्य ने किसको वश में कर लिया ?
   (i) बुद्धिको (ii) क्रोध को
   (iii) पंचमहाभूतों को (iv) कामना को
3. किससे विश्वास उत्पन्न होता है ?
   (i) कटुवाणी (ii) दुर्व्यवहार
   (iii) मधुर वचन (iv) मधुरभोज
4. चित्त को पिघलाने वाला जो आनन्द होता है उसे ____ कहते हैं ?
   (i) माधुर्य (ii) भाषा
   (iii) शिष्टाचार (iv) तृप्ति
5. _____ बड़ा जबर्दस्त होता है ?
   (i) वाक्यों की संरचना (ii) शब्दों का जादू
   (iii) पदबंधो का व्यवहार (iv) स्वर
6. कौन गलतफहमी को दूर कर रुठे मित्रों को मनाता है ?
   (i) सच्चा नागरिक (ii) सच्चा जननायक
   (iii) सच्चासाहित्यिक (iv) अभिनेता
7. किसकेलिए वचन पहली सीढ़ी है ?
   (i) धर्म (ii) ज्ञान
   (iii) वैराग्य (iv) कर्म
8. बाणभट्ट द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य है ?
   (i) कामायनी (ii) कादम्बरी
   (iii) नवरस (iv) कर्त्तव्ययाशी
9. वाणभट्ट ने अपने _____ लड़के को पुस्तक पूरी करने का भार सैंपा ?
   (i) बड़े लड़के को
   (ii) छोटे लड़के को
   (iii) भाई के लड़के को
   (iv) एक गाँव के लड़के को
10. वचन के अनुकूल जब कर्म होते हैं, तब मनुष्य _____ बनता है ?
    (i) वंद्य (ii) शैतान
    (iii) भगवान (iv) साधु
11. भाव को प्रभावशाली भाषा में व्यक्त करना क्या है ?
    (i) संगीत (ii) इतिहास
    (iii) नाटक (iv) साहित्य
12. धन्यवाद कब बोलना चाहिए ?
    (i) काम होने के बाद
    (ii) सुबह शाम को
    (iii) काम से पहले
    (iv) बोलना नही चाहिए
13. मुलम्में के सिक्के का अर्थ है ____ ?
    (i) पुराना सिक्का (ii) नकली मुद्रा
    (iii) असली मुद्रा (iv) नयासिक्का
14. किसके कारण मनुष्य इतनी उन्नति कर सका है ?
    (i) आनंद के कारण (ii) बल के कारण
    (iii) भाषा के कारण (iv) सुख के कारण
15. व्यापारिक और किस प्रकार की बातचीत में थोड़ा अंतर करना होगा ?
    (i) घरेलू (ii) शैक्षिक
    (iii) निजी (iv) पास पड़ोस
16. जहाँ क्रिया में _____ हो 'वचने दरिद्रता' न आने देनी चाहिए ।
    (i) सफलता (ii) साधुता
    (iii) कटूता (iv) उदारता
17. वाणी की मधुरता के साथ विनयपूर्ण व्यवहार क्या है ?
    (i) शिष्टाचार (ii) सदाचार
    (iii) ईमानदार (iv) लोकाचार
18. प्रत्येक कार्य कैसे करना आवश्यक है ?
    (i) जल्दबाजी से (ii) प्रसन्नता से
    (iii) धूम धाम से (iv) क्रोध से
19. किसकी दो लातें भी सहन की जाती है ?
    (i) विगड़े हुए घोड़े की
    (ii) अपने नटखट बेटे की

Eduodia App

(iii) दूधारु गाय की
(iv) भोंकते हुए कुत्ते की

20. इनकार में किसकी गंध नही आनी चाहिए ?
(i) अपमान (ii) अधिकार व अभिमान
(iii) नुकसान (iv) फायदे

21. खेद प्रकट करना किसकी माँग है ?
(i) व्यवसाय (ii) अशिष्टता
(iii) शिक्षा (iv) शिष्टाचार

22. किसकी संसार में कमी नहीं ?
(i) विषभरे कनकघटों की
(ii) आनन्दपूर्ण बातों
(iii) खुशामदों की
(iv) व्यवसाय की

23. एक कटु वचन सारे किए धरे पर क्या फेर सकता है ?
(i) सब्जी (ii) पानी
(iii) चाय (iv) शराब

24. 'मधुर भाषण' निबंध के लेखक कौन हैं ?
(i) बाणभट्ट (ii) प्रेमचन्द्र
(iii) महादेवी बर्मा (iv) बाबू गुलाब राय

25. निजी संवन्ध की बातचीत में किसका अभाव न रहना चाहिए ?
(i) मधुरता (ii) शिष्टता का
(iii) आत्मीयता का (iv) व्यवहारिकता का

26. मधुर वचनों के पीछे टकसाली भाव है - इस उक्ति में टकसाली भाव का क्या अर्थ है ?
(i) कटु भाषी (ii) मधुर भाषी
(iii) सच्ची भावना (iv) ईमानदारी

27. "नीरस तरुवर विलसति पुरत:" - इस पंक्ति में "विलसती" का अर्थ क्या है ?
(i) लड़की (ii) लकड़ी
(iii) वृक्ष (iv) शोभा

28. चित्त को क्या करने वाला आनन्द है माधुर्य ?
(i) खरीदने वाला
(ii) पिघलाने वाला
(iii) आकर्षित करनेवाला
(iv) नफरत करने वाला

29. भाषा द्वारा किसकी रक्षा होती है ?
(i) ज्ञान और अनुभव की
(ii) बल और बुद्धि की
(iii) धन और मर्यादा की
(iv) मान और सम्मान की

30. किसके सामंजस्य से मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी बनता है ?
(i) पाप-पूण्य (ii) भक्त-भगवान
(iii) शैतान-इनसान (iv) मन, कर्म और वाणी

31. किसके सहारे मनुष्य अधिक सबल हो गया है ?
(i) अपनी बुद्धि और भाषा (ii) भाषा और ज्ञान
(iii) लिपि और भाषा (iv) बिवेक और भाषा

32. 'शुष्क' काष्ठं तिष्ठत्यग्रे' - किसने कहा ?
(i) छोटे लड़के ने (ii) बड़े लड़के ने
(iii) छोटी लड़की ने (iv) बड़ी लड़की ने

33. दो रुठों को कैसे मिलाया जा सकता है ?
(i) शब्द द्वारा (ii) अपशब्द द्वारा
(iii) कठोर शब्द द्वारा (iv) मधुर शब्द द्वारा

34. मनुष्य की पोशाक और चाल-ढ़ाल का प्रभाव किस पर पड़ा ?
(i) विवेक (ii) संस्कृति
(iii) समाज (iv) वंश परंपरा

35. मनुष्य कब वंद्य वनता है ?
(i) भाषा की शालीनता पर
(ii) वचन के अनुकूल कर्म करने पर
(iii) वार्त्तालाप की शिष्टता रखने पर
(iv) सामाजिक व्यवहार पर

36. व्यापारिक बातचीत _____ न होनी चाहिए ?
(i) भद्र (ii) अशिष्ट
(iii) सरल (iv) कटु

37. बात उतनी ही कही जाए जितनी _____ जा सके ?
(i) निभाई (ii) चढ़ाई
(iii) पढ़ाई (iv) सँभाल

38. किसी काम को कराने के लिए _____ शब्द का प्रयोग शिष्टता का परिचायक है ?

Eduodia App

(i) धन्यवाद (ii) जी
(iii) कृपया (iv) नमस्ते

39. कोयल किसी को कुछ न देता है और कौआ कुछ न लेता है यह बात किसने कही है ?
(i) सूर दास (ii) रहीम
(iii) कबीर दास (iv) तुलसी दास

40. व्यापारिक और निजी बातचीत में क्या रखना चाहिए ?
(i) साम्य (ii) समानता
(iii) असमानता (iv) अन्तर

41. समाज पर किसका प्रभाव ऊपरी होता है ?
(i) नेताओं का (ii) भाषण का
(iii) पोशाक का (iv) संतो का

42. किन किन का योग नहीं हो सकता ?
(i) हृदय की मलिनता और सतकर्म का
(ii) हृदय की मलिनता और मधुर वचनों का योग
(iii) हृदय की मलिनता और कटु वचनों का (iv) हृदय की शुद्धता और मधुर वचनों का

43. माधुर्य उसे कहते हैं _____ ?
(i) चित्त को हिलानेवाला जो आनन्द होता है
(ii) चित्त को सरस करने वाला जो आनन्द चेता है
(iii) चित्त को पिघलानेवाला जो आनन्द होता है
(iv) मन को चंचक करनेवाला जो आनन्द होता है

44. किससे मनुष्य की कुल परंपराका परिचय मिलता है।?
(i) धन दौलत (ii) मधुर भाषण
(iii) मानमर्यादा (iv) उच्चशिखा

45. अपने से कम स्थिति के लोगों का क्या रक्षा करना सज्जन का कर्त्तव्य है ?
(i) मन और शरीर (ii) स्वाभिमान
(iii) दिखावा (iv) दावे की बाते

46. मधुर भाषी के लिए किसमें साम्य रखना चाहिए ?
(i) कथनी और करनी (ii) चाल चलन
(iii) पहनाव (iv) दिखाव

47. किसकी रक्षा सज्जन का पहला कर्त्तव्य है ?
(i) अभिमान (ii) स्वाभिमान
(iii) दुत्कार (iv) प्रेम

48. यह रही साहित्य के _____ की बात ।
(i) शब्द संयोजन (ii) अर्थ विज्ञान
(iii) वाक्य - विन्यास (iv) रुप विज्ञान

49. जो वाणी सुनने में मधुर लगती है, उसका परिणाम क्या होता है ?
(i) भयानक (ii) अहितकर
(iii) हितकर (iv) खुशामद

50. _____ बात-चीत नापीतुली हो सकती है ?
(i) निजी संबन्ध की (ii) व्यापारिक
(iii) सरकारी (iv) अर्द्ध सरकारी

Eduodia App

उत्तर

1. (i) भाषा पर
2. (iii) पंचमहाभूतों को
3. (iii) मधुर वचन से
4. (i) माधुर्य
5. (ii) शब्दों का जादू
6. (iii) सच्चासाहित्यिक
7. (iv) कर्म
8. (ii) कादम्बरी
9. (ii) छोटे लड़के को
10. (i) वंद्य
11. (iv) साहित्य
12. (i) काम होने के बाद
13. (ii) नकली मुद्रा
14. (iii) भाषा के कारण
15. (iii) निजी
16. (iv) उदारता

17. (i) शिष्टाचार
18. (ii) प्रसन्नता से
19. (iii) दूधारु गाय की
20. (ii) अधिकार व अभिमान
21. (iv) शिष्टाचार
22. (i) विषभरे कनकघटों की
23. (ii) पानी
24. (iv) बाबू गुलाब राय
25. (iii) आत्मीयता का
26. (iii) सच्ची भावना
27. (iv) शोभा
28. (ii) पिघलाने वाला
29. (i) ज्ञान और अनुभव की
30. (iv) मन, कर्म और वाणी
31. (i) अपनी बुद्धि और भाषा
32. (ii) बड़े लड़के ने
33. (iv) मधुर शब्द द्वारा
34. (iii) समाज
35. (ii) वचन के अनुकूल कर्म करने पर
36. (ii) अशिष्ट
37. (i) निभाई
38. (iii) कृपया
39. (iv) तुलसी दास
40. (iv) अन्तर
41. (iii) पोशाक का
42. (ii) हृदय की मलिनता और मधुर वचनों का योग
43. (iii) चित्त को पिघलानेवाला जो आनन्द होता है
44. (ii) मधुर भाषण
45. (ii) स्वाभिमान
46. (i) कथनी और करनी
47. (ii) स्वाभिमान
48. (i) शब्द संयोजन
49. (iii) हितकर
50. (ii) व्यापारिक

Eduodia App

प्रश्न - उत्तर

Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

1. मधुर भाषण किसे कहते हैं ?

उत्तर : जिस बात को सुनने से हृदय को प्रभावित करने वाले आनन्द प्राप्त होता है, उसे मधुर भाषण कहते हैं । मधुर भाषण हृदय के दरबाजों को खोलने की चाबी है । एक मधुर शब्द दो रुठों को मिला देता है और एक ही कटु शब्द दो मित्रों में शत्रुता उत्पन्न कर देता है ।

2. भाषा के द्वारा मनुष्य ने किस प्रकार उन्नति की है ?

उत्तर : मनुष्य अन्य जानवरों से शारीरिक बल में कमजोर है । परन्तु अपनी बुद्धि और भाषा के सहारे मनुष्य उनसे भी ताकतदार हो गया है । उसने पृथ्वी, जल, अग्नी, वायु और आकाश जैसे पंचमहाभूतों को अपने वश में कर लिया है । भाषा द्वारा ज्ञान और अनुभव की रक्षा होती है ।

3. वचनों के माधुर्य का क्या प्रभाव है ?

उत्तर : वचनों का माधुर्य हृदय द्वार खोलने की चाबी है । वचनों का आकर्षण न्युटन के तत्वाकर्षण और चुंबक के आकर्षण सी भी बढ़कर है । व्यक्ति वचनों के माधुर्य से प्रत्येक को जीत सकता है ।

4. शिष्टाचार का वास्तविक अर्थ क्या है ?

उत्तर : शिष्टाचार का बास्तविक अर्थ है - सज्जनोचित व्यवहार । वाणी की मधुरता के साथ विनयपूर्ण व्यवहार ही शिष्टाचार है । इसके द्वारा मनुष्य की शिक्षा-दीक्षा और कुल परंपरा और मर्यादा का परिचय मिलता है ।

5. सच्चा साहित्यिक किसे कहते हैं ?

उत्तर : साहित्यिक अपने विचारों तथा भावों को प्रभावशाली भाषा में व्यक्त करता है । जो व्यक्ति किसी गलतफहमी को दूर कर रुठे हुए मित्र को मना लेता है वह सच्चा साहित्यिक है ।

Odisha 1 to 10 All Books App

6. मधुर भाषण के बारे में तुलसी जी ने क्या कहा है ?

उत्तर : मधुर भाषण के बारे में तुलसी जी कहते हैं कि कोयल किसी को क्या दे देती है और कौवा किसी का क्या ले लेता है ? फिर भी लोग कोयल को चाहते हैं, क्योंकि कोयल मीठी बोली बोलती है पर कौवा कड़वा है । मीठे वचनों से ही हम किसी को अपना बना सकते हैं ।

7. वाणभट्ट ने अपने छोटे लड़के को पुस्तक पूरी करने के लिए क्यों कहा ?

उत्तर : वाणभट्ट ने अपने छोट लड़के को पुस्तक पुरी करने के लिए इसलिए कहा, क्योंकि पुस्तक को पुरी करने की योग्यता केवल उसमे ही थी । इसकेलिए उसने दोनों पुत्रों को बुलाकर एक सुखा वृक्ष को अपनी भाषा में व्यक्त करने को कहा और छोटे लड़के ने अति सुन्दर और सरल भाषा में व्यक्त कर दिया था ।

8. वार्त्तालाप की शिष्टता से क्या-क्या लाभ मिलते हैं ?

उत्तर : वार्त्तालाप की शिष्टता से मनुष्य को समाज में आदर मिलता है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है । मनुष्य का समाज में प्रभाव पड़ता है जो वेश-भूषा के द्वारा प्राप्त नहीं होता है ।

9. भाषा के द्वारा मनुष्य की सामाजिकता किस प्रकार कायम है ?

उत्तर : भाषा के सदुपयोग से मनुष्य की खूब प्रगति होती है और दुरुपयोग से मनुष्य की सामाजिकता छिन्न - भिन्न हो जाती है । एक मधुर शब्द दो रुठे हुए लोगों को मिला देता है । मगर एक ही कटु शब्द दो मित्रों के मन में बैर उत्पन्न कर देता है ।

10. किसी काम को करने के लिए सज्जन का पहला कर्त्तव्य क्या है ?

उत्तर : किसी भी काम को प्रसन्नता से करना चाहिए । ऐसा कोई शब्द न कहें जिससे काम में अरुचि और नाखुशी जाहिर हो । किसी काम को करने के लिए शिष्टता प्रदर्शन हेतु कृपया शब्द का और काम हो जाने के बाद धन्यवाद शब्द का प्रयोग करना जरुरी है । अपने से कमस्थिति के लोगों के स्वाभिमान की रक्षा करना सज्जन का पहला कर्त्तव्य है ।

देशप्रेमी संन्यासी

Eduodia App

1. कौन अपनी इच्छा से घरवार छोड़ देते हैं ?
   (i) धनवान् (ii) विलासी
   (iii) संन्यासी (iv) निर्धन

2. सुख साधनों को त्याग कर कौन गरीबी में जाते हैं ?
   (i) गरीब (ii) धनी
   (iii) निर्लोभ (iv) संन्यासी

3. जीवन का बरदान क्या है ?
   (i) भोग (ii) ज्ञान
   (iii) स्वतंत्रता (iv) पवित्रता

4. भारत के कौन मेरा भरण पोषण करते हैं ?
   (i) लोग (ii) मनुष्य
   (iii) देवता (iv) शासक

5. भारत मेरे बचपन का क्या है ?
   (i) हिंड़ोला (ii) नैया
   (iii) सेज (iv) आँगन

6. भारत मेरे यौवन का ______ है ?
   (i) प्रेमलोक (ii) आनंदलोक
   (iii) पाताललोक (iv) देवलोक

7. भारत मेरे बुढ़ापे का क्या है ?
   (i) स्वर्ग (ii) कैलाश
   (iii) श्रीक्षेत्र (iv) बैकुंठ

8. स्वामीजी अमेरिका क्यों गए ?
   (i) संन्यासी बनने (ii) लोगों को ललकारने
   (iii) अध्ययन करने (iv) धर्मसभा में योग देने

9. स्वामीजी कितने साल इंलैंड़ में रहे ?
   (i) एक (ii) दो
   (iii) तीन (iv) पाँच

10. एक बार स्वामीजी कहाँ गए ?
    (i) इंग्लैण्ड (ii) अमेरिका
    (iii) अष्ट्रेलिया (iv) रुष

11. स्वामीजी ने कैसे सबके दिलों को अभिभूत कर दिया ?
    (i) आचरण से (ii) संगीत से
    (iii) भाषण से (iv) सेवा से

12. भारत के मालिक कौन थे ?
    (i) अंग्रेज (ii) चीनी
    (iii) फ्रांसिसी (iv) अमेरिकी

Odisha 1 to 10 All Books App

13. स्वामीजी के गुरु कौन थे ?
(i) रामकृष्ण (ii) रामानुज
(iii) रामानंद (iv) रामदास

14. कौन ऊँच विचारों के चिंतन के धनी थे ?
(i) भारतीय (ii) रुषी
(iii) अंग्रेज (iv) अमेरिकी

15. अंग्रेज विद्वानों को स्वामीजी ने कैसे प्रभावित किया ?
(i) विद्वता से (ii) प्रेम से
(iii) भक्ति से (iv) चमत्कार से

16. धर्मसभा कहाँ हो रही थी ?
(i) इंग्लैंण्ड में (ii) अमेरिका में
(iii) आफ्रिका में (iv) जर्मनी में

17. किसने देशवासियों को ललकारा ?
(i) रामकृष्ण (ii) गाँधीजी
(iii) सुभाष बोष (iv) विवेकानंद

18. रामकृष्ण मिशन किसने बनाया ?
(i) परमहंस जी (ii) स्वामी जी
(iii) गाँधी जी (iv) विनो जी

19. हमारे देश को आजाद करने में किसका बड़ा योगदान रहा ?
(i) प्रवासियों का (ii) देशवासियों का
(iii) विदेशियों का (iv) सन्यासियों का

20. देशप्रेमी संन्यासी कौन हैं ?
(i) गाँधी जी (ii) बिनोवा जी
(iii) पटेल जी (iv) विवेकानंद जी

21. रामकृष्ण मिशन का लक्ष्य क्या था ?
(i) सेवा करना (ii) भाषण देना
(iii) ज्ञान देना (iv) प्रभावित करना

22. भारत मेरा क्या है ?
(i) जीवन (ii) लक्ष्य
(iii) उद्देश्य (iv) चिंतन

23. कब लोग एक बार कोशिश करके पराजित हो गए थे ?
(i) 1947 (ii) 1857
(iii) 1919 (iv) 1921

24. भारत में पहले किसका शासन था ?
(i) चीनी (ii) जापानी
(iii) अमेरिकी (iv) अंग्रेजों

25. रामकृष्ण परमहंस स्वामीजी के क्या थे ?
(i) गुरु (ii) शिष्य
(iii) प्रभु (iv) पात्र

26. कुछ लोग क्या भोगने को व्याकुल हैं ?
(i) राज (ii) सुख
(iii) दु:ख (iv) पीड़ा

27. संसार को किसका जंजाल समझा जाता है ?
(i) मोह (ii) माया
(iii) शाया (iv) त्याग

28. रामकृष्ण मिशन किसके नाम से बना ?
(i) रामकृष्ण परमहंस (ii) विवेकानंद
(iii) बिनोवा भावे (iv) गाँधीजी

29. विवेकानंद क्या नहीं थे ?
(i) ज्ञानी (ii) पंड़ित
(iii) सरल (iv) घमंड़ी

30. कौन निराशा, आलस्य और कर्महीनता में डुबे हुए थे ?
(i) भारतीय (ii) चीनी
(iii) अंग्रेजी (iv) अमेरिकी

31. स्वतंत्रता जीवन का क्या है ?
(i) वरदान (ii) कर्त्तव्य
(iii) इच्छा (iv) कसम

32. स्वामीजी ने धर्मसभा में किस भाषा में भाषण दिया ?
(i) अंग्रेजी (ii) हिंदी
(iii) बांगला (iv) ओड़िआ

33. हमें गर्व से क्या कहना चाहिए ?
(i) मैं भारतीय हूँ (ii) राष्ट्रीय हूँ
(iii) जातीय हूँ (iv) संन्यासी हूँ

34. संन्यासी संसार को क्या समझते हैं ?
(i) सुख का साधन (ii) कैदखाना
(iii) गरीब खाना (iv) माया का जंजाल

35. भारत मेरे _____ का बैकुंठ है ।
(i) शैशव (ii) बचपन
(iii) बुढ़ापे (iv) यौवन

36. स्वामीजी ने अपने अनुयायियों को किस काम में लगाया ?
(i) मानव सेवा (ii) राजनीति
(iii) मंदिर निर्माण (iv) विदेश यात्रा

Eduodia App

37. किसने सबके दिल को अभिभूत करदिया ?
(i) गाँधी जी ने (ii) विवेकानंद जी ने
(iii) नेहेरु जी ने (iv) पटेल जी ने

38. संन्यासी अपनी इच्छा से क्या छोड़ देते हैं ?
(i) देश (ii) घरवार
(iii) गाँव (iv) शहर

उत्तर

1. (iii) संन्यासी
2. (iv) संन्यासी
3. (iii) स्वतंत्रता
4. (iii) देवता
5. (i) हिंड़ोला
6. (ii) आनंदलोक
7. (iv) बैकुंठ
8. (iv) धर्मसभा में योग देने
9. (i) एक
10. (ii) अमेरिका
11. (iii) भाषण से
12. (i) अंग्रेज
13. (i) रामकृष्ण
14. (i) भारतीय
15. (i) विद्वता से
16. (ii) अमेरिका में
17. (iv) विवेकानंद
18. (ii) स्वामी जी
19. (iv) संन्यासियों का
20. (iv) विवेकानंद जी
21. (i) सेवा करना
22. (i) जीवन
23. (ii) 1857
24. (i) अंग्रेजों
25. (i) गुरु
26. (ii) सुख
27. (ii) माया
28. (i) रामकृष्ण परमहंस
29. (iv) घमंड़ी
30. (i) भारतीय
31. (i) वरदान
32. (i) अंग्रेजी
33. (i) मैं भारतीय हूँ
34. (iv) माया का जंजाल
35. (iii) बुढ़ापे
36. (i) मानव सेवा
37. (ii) विवेकानंद जी ने
38. (ii) घरवार

EduGuta App

प्रश्न - उत्तर

Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

अर्थ स्पष्ट कीजिए :

1. स्वामी विवेकानंद भारत माता के सुपुत्र के रुप में नमस्य क्यों हैं ?

उत्तर : स्वामी विवेकानंद भारत माता के सुपुत्र थे, वे प्रचंड़ प्रतिभा, गंभीर ज्ञान और असाधारण बाक्शक्ति के धनी थे । उन्होंने भारतीय दर्शन, वेद-वेदांतों का महत्व देश-विदेशों में प्रमाणित किया । उन्होंने देश के लोगों को जगाया और संसार भर में देश का नाम उजागर किया, इसलिए वे सदा नमस्य हैं ।

2. स्वामीजी ने कैसे हम भारतीयों को जीवन जीने के लिए उत्साहित तथा आह्वान किया ?

उत्तर : स्वामीजी ने हम भारतीयों को सुख का त्याग कर सादा सीधा जीवन बीताने को कहा, सदा जागृत तथा कर्म तत्पर रहकर निराशा और आलस्यता को छोड़ने को उत्साहित किया । भारत हमारी जन्मभूमि तथा सिरमौर है, इसके लिए पल-पल जाग्रत रहने को प्रेरित किया और इसे न भूलने को आह्वान किया ।

3. स्वामीजी ने देश विदेशों में भारतीय धर्म-संस्कृति और दर्शन के प्रचार प्रसार हेतु क्या किया ?

उत्तर : स्वामीजी विदेशों में धर्म प्रचार के लिए गए । देशाटन के माध्यम से उन्होंने भारतीय ज्ञान तथा दार्शनिक विचारों को अपने प्रभावशाली भाषण के जरिए प्रचार प्रसार किया । अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस जी के नाम से "रामकृष्ण मिशन" नाम की संस्था की स्थापना की । आज देश विदेशों में इसकी अनेक शाखाएँ भारतीय दर्शन और संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रही हैं ।

4. हम संन्यासी किसे कहते हैं ?

उत्तर : संसार में कुछ लोग धन कमाने और सुख भोगन को व्याकुल रहते हैं । कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी इच्छा से घरबार छोड़, सुख के साधनों का त्याग कर गरीबी में जीते हैं । वे संसार को माया को जंजाल समझते हैं । उन लोगों को हम संन्यासी कहते हैं ।

Odisha 1 to 10 All Books App

5. स्वामी विवेकानंद जी का व्यक्तित्व कैसा था ?

उत्तर : स्वामी विवेकानंद घरबार छोड़कर, सुख के साधनों को त्याग कर, गरीबी में जीने वाले एक संन्यासी थे । देखने में वे बहुत सुंदर थे । वे बड़े ज्ञानी और पंड़ित भी थे । वे सरल विनयी और मिष्टभाषी थे । वे प्रचंड़ प्रतिभाशाली व्यक्तित्व संपन्न थे ।

6. सन 1857 के समय हम भारतीयों की स्थिति कैसी थी ?

उत्तर : सालों पहले हमारे देश को अंग्रेज शासन करते थे । पराधीन भारत के लोगोंने सन् 1857 में मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन किया । लेकिन पराजित हो गए, उसके बाद भारत के लोग निराशा, आलस्य और कर्महीनता में डुब गए । ऐसे एक समय में विवेकानंदजी ने उनको ललकार कर जगाया और मार्गदर्शन कराया ।

7. स्वामीजी ने देशवासियों को क्या कहकर ललकारा ?

उत्तर : मेरे प्यारे भारतवासियों ! उठो, जागो जीवन का वरदान स्वतंत्रता को प्राप्त करा । गर्व से कहो कि मै भारतीय हूँ । हर भारतीय मेरा भाई है । भारत मेरा भीवन और प्राण है । मारत के देवता मेरे भरण पोषण करते हैं । भारत मेरे बचपन का हिंडोला, यौवन का आनंद लोक और बुढ़ापे का बैकुंठ है ।

8. धर्मसभा में स्वामीजी ने अपने भाषण में किस बात को प्रतिपादित किया ?

उत्तर : स्वामीजी अमेरिका के धर्म सभा में भाग लेने गए थे । वहाँ उन्होंने बड़ी मर्मस्पर्शी वाणी में भारत के धर्म, आचार-विचार, ऋषि-मुनियों के चिंतन, आध्यात्मिक दृष्टिकोण के महत्व को प्रतिपादित किया । जिसे उन्होंने सरल अर्थपूर्ण अंग्रेजी भाषण द्वारा उपस्थापित किया, जोकि वहाँ उपस्थित सभी के दिलों को छू लिया था ।

9. स्वामीजी ने इंग्लैण्ड के लोगों को कैसे प्रभावित किया ?

उत्तर : स्वामीजी अपने समय में इंग्लैण्ड में एक साल रहे, वहाँ उन्होंने उस समय के भारत के शासक अंग्रेजों को अपनी विद्वता से प्रभावित किया, स्वामीजी उन्हें यह मनाने में सफल रहे कि भारत के लोग भले ही गरीब हैं लेकिन ऊँचे विचार और चिंतन के धनी हैं ।

10. स्वामीजी ने अपने अनुयायियों को किन किन कामें में लगाया ?

उत्तर : स्वामीजी की विद्वता से प्रभावित उनकी अनेक अनुयायी हुआ करते थे । अपने इन अनुयायियों को उन्होंने मानव सेवा, ज्ञान तथा धर्म प्रचार में लगाया । अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के नाम से "रामकृष्ण मिशन" बनाकर देशविदेशों में जनता की सेवा में अनुयायियों को लगाया ।

Eduodia App

जननी जन्मभूमि

1. यह दुनिया कैसी है ?
   (i) अच्छी (ii) बड़ी अजीब
   (iii) प्रभावपूर्ण (iv) खोखली
2. यहाँ भला भी और ______ है ।
   (i) अच्छा (ii) बेकार
   (iii) बुरा भी (iv) कुछ नहीं
3. यहाँ जड़-चेतन और ______ हैं ।
   (i) दुख-सुख (ii) धर्म-कर्म
   (iii) हँसना-रोना (iv) चर-अचर
4. अच्छे लोग ______ को चुनते हैं ?
   (i) अच्छाई (ii) निन्दा
   (iii) बुराई (iv) प्रशंसा
5. यह जिंदगी चार दिन की चाँदनी है फिर ______ ।
   (i) अमावस का दिन (ii) अशुभ रात
   (iii) अँधेरी रात (iv) शुभ दिवस
6. आकाश किससे थमा है ?
   (i) धरती (ii) आशा
   (iii) पेड़-पौधे (iv) प्रकृति
7. कलिंग सैनिकों ने मगध सेना के ______ कर दिए ?
   (i) होंठ मीठे (ii) चाँव तोड़े
   (iii) दांत खट्टे (iv) हाथ मोड़े
8. कलिंग सैनिकों ने जाने दीं ______ नहीं दी ।
   (i) घर (ii) जमीन
   (iii) पुस्तकें (iv) गाड़ियाँ
9. धौली के अशोकीय ______ अहिंसा नीति आर मानव प्रेम बयान करते हैं ।
   (i) शिलालेख (ii) महल
   (iii) पांडुलिपि (iv) दीवारें

10. किनके हाथों बना नया बौद्धस्तूप गौरवशाली घटना की उद्घोषणा करता है ?
(i) भारतीयों के (ii) गाँव के
(iii) जापानियों के (iv) शहरों के

11. _____ कलाओं का देश है उत्कल ।
(i) निकृष्ट (ii) उत्कृष्ट
(iii) साधारण (iv) प्रभावहीन

12. साधव न तूफान से डरते थे न गहरे _____ से ।
(i) नदी (ii) तालाब
(iii) सागर (iv) कुएँ

13. 'आ का मा भै' यह कौन कहते थे ?
(i) अंग्रेज (ii) माता-पिता
(iii) बनिए (iv) कोई नहीं

14. पूर्वजों ने गंगा से कहाँ तक अपना राज्य फैलाया था ?
(i) यमुना (ii) गोदाबरी
(iii) जेलम (iv) कृष्णा

15. पराद्वीप बन्दरगाह ने किसे बढ़ावा दिया ?
(i) लोहा (ii) नौवाणिज्य
(iii) स्कूल-कॉलेज (iv) बाजार

16. धातु - द्रव्य को उत्पादन करने वाली कंपनी है ।
(i) बाटा कंपनी (ii) जिंदल
(iii) प्लाष्टिक (iv) खिमजी

17. चाँदीपुर और _____ में आधुनिक रक्षा सामग्री बनने लगी ।
(i) बड़माल (ii) कटक
(iii) चौद्वार (iv) बालेश्वर

18. संसार निराला क्यों है ?
(i) अपनी विविधता के कारण
(ii) अपनी नश्वरता के कारण
(iii) सदा परिवर्तन होने रहने के कारण
(iv) मनुष्य की बैज्ञानिक प्रगति के कारण

19. नीर - क्षीर का विवेक किसके पास है ?
(i) हंस (ii) मनुष्य
(iii) गाय (iv) गधा

20. आज सुहाना मौसम है तो कल कैसा हो जाता है ?
(i) विचित्र (ii) गर्म
(iii) ठंडा (iv) डरावना

21. चिलिका की क्या खासियत है ?
(i) इसका जल नमकीन है
(ii) उत्कल-लक्ष्मी का विलास सरोवर
(iii) यह बहुत विशाल है
(iv) यहाँ दूर - दूर से लोग आते हैं

22. खारबेल किस देश के सम्राट थे ?
(i) चीन (ii) कलिंग
(iii) जापान (iv) श्रीलंका

23. किस नदी में सैनिकों के रक्त की धारा बह चली ?
(i) दया (ii) गंगा
(iii) महानदी (iv) ब्राह्मणी

24. मगध देश को पराजित करके "कलिंग जिन" कौन कलिंग वापस ले आते हैं ?
(i) खारबेल (ii) चक्रधर बिसोई
(iii) सुरेंद्र साय (iv) बक्सि जगबंधु

25. कौन सम्राट अशोक का डटकर सामना किया ?
(i) मुगल सैनिकों ने (ii) अंग्रेजों ने
(iii) चीन के सेनिकों ने (iv) कलिंग सैनिकों ने

26. चार दिन की चाँदनी की तलाश में मनुष्य किससे लड़ता है ?
(i) प्रकृति (ii) पशु-पक्षी
(iii) अपने घरवालों से (iv) समाज

27. जननी जन्मभूमि शीर्षक पाठ में विविधता का भंड़ार किसे कहा गया है ?
(i) दुनिया (ii) ओड़िशा
(iii) मनुष्य (iv) ऋषियों

28. हंस पानी छोड़कर क्या पी लेता है ?
(i) दही (ii) खीर
(iii) मलाई (iv) दूध

29. 'हे उत्कल के सपूतों ! उठो जागो' - यह उक्ति किसके द्वारा कही गई है ?
(i) बक्सि जगबंधु (ii) स्वामी विवेकानंद
(iii) मधुसूदन (iv) चाणक्य

30. 'ओड़िआ साधव' - इसमें साधव का अर्थ क्या है ?
(i) साधु (ii) सीधा
(iii) मानव (iv) बनिया

Eduodia App

31. कलिंग वासी किसके नेतृत्व में लड़े ?
(i) मधुसूदन दास
(ii) खारबेल
(iii) अशोक
(iv) न राजा का पता था और न ही सेनापति का

32. अशोक ने कौन सी नीति अपनाई ?
(i) मानव प्रेम और अहिंसा की नीति
(ii) साम्राज्यवाद की नीति
(iii) घृणा और षड़यंत्र की नीति
(iv) गणतंत्र और समाजवाद

33. खण्डगिरि की गुफाएँ किसका यशोगान करती है ?
(i) अशोक का (ii) खारबेल का
(iii) कलिंग युद्ध का (iv) स्थापत्य का

34. ओड़िशा के साधव नौकाओं में क्या भर-भर लौटते थे ?
(i) धन-रत्न (ii) अस्त्र
(iii) मसाले (iv) धान

35. स्वतंत्र ओड़िशा प्रदेश कब बना ?
(i) अप्रेल 1936 (ii) अगस्त 1947
(iii) अगस्त 1947 (iv) अप्रेल 1857

36. लोहे का उत्पादन कहाँ होने लगा ?
(i) नाल्को (ii) बुरला
(iii) राउरकेला (iv) जाजपुर

37. देश के लिए आधुनिक रक्षा सामग्रियाँ कहाँ बनने लगी ?
(i) सुनाबेड़ा और चौद्वार (ii) चाँदीपुर और बड़माल
(iii) चिलिका और गंजाम (iv) नालको और राउरकेला

38. संसार की विविधता के बारे में तुलसीदास जी क्या कहते हैं ?
(i) यह जग प्रीति सुआ समेर की चाखन ही उड़ि जात
(ii) यह संसार पुखल समेर को सुंदर देखि लुभायो
(iii) 'जड़ चेतन गुन दोषमय, विश्व कीन्ह करतार'
(iv) यह संसार मतलब का लोभी झुँठा ठाठ रच्चो

39. मनुष्य प्रकृति से क्यों लड़ता है ?
(i) सभ्यता के विकास के लिए
(ii) संस्कृति के विकास के लिए
(iii) लड़ना उसकी आदत है
(iv) चंद दिनों के सुख के लिए

40. ओड़िशा में कहाँ हवाई जहाज बनने लगे ?
(i) हीराकुद में (ii) पाराद्वीप में
(iii) कटक में (iv) सुनाबेड़ा में

41. कौन सा बाँध बनने से खेतों की सिंचाई हुई ?
(i) संबलपुर (ii) हीराकुद
(iii) बड़माल (iv) चाँदीपुर

42. साधव कहाँ जाकर व्यापार करते थे ?
(i) पूर्वी द्वीपों में (ii) पूर्वोत्तर द्वीपों में
(iii) पूर्वोत्तर राज्यों में (iv) यूरोप में

43. लक्ष्मण नायक किस राज्य के निवासी थे ?
(i) मगध के (ii) भारत के
(iii) आन्ध्रप्रदेश के (iv) कलिंग के

44. प्रचंड़ अशोक युद्ध छोड़कर क्या बन गया ?
(i) धर्मावतार (ii) शांन्ति उपासक
(iii) चंड़ाशोक (iv) धर्माशोक

45. इनमें से ओड़िशा का क्या विदेशों में लोकप्रिय है ?
(i) कांच के वर्तन (ii) बीहू नृत्य
(iii) मिट्टी की कलाकृतियाँ (iv) ओड़िशी नृत्य

46. ओड्र देश किसे कहा जाता है ?
(i) ओड़िशा को (ii) प.बंगाल को
(iii) कर्णाटक को (iv) बिहार को

47. अच्छे _____ जल्दी उड़ जाते हैं ?
(i) काम (ii) समय
(iii) नाम (iv) दिन

48. 'चार दिन की चाँदनी' का अर्थ क्या है ?
(i) सुख से दु:ख अधिक है
(ii) थोड़े दिन का सुख
(iii) दु:ख ही सत्य है
(iv) थोड़े दिन का प्रकाश

49. डरावना मौसम भी क्या बनता है ?
(i) जानलेवा (ii) सुहावना
(iii) हराभरा (iv) सुनहला

50. बुरे दिन कैसे सरकते हैं ?
(i) हौले-हौले (ii) जल्दी
(iii) सीधे (iv) देखते ही

Eduodia App

उत्तर

1. (ii) बड़ी अजीब
2. (iii) बुरा भी
3. (iv) चर-अचर
4. (i) अच्छाई
5. (iii) अँधेरी रात
6. (ii) आशा
7. (iii) दांत खट्टे
8. (ii) जमीन
9. (i) शिलालेख
10. (iii) जापानियों के
11. (ii) उत्कृष्ट
12. (iii) सागर
13. (iii) बनिए
14. (ii) गोदाबरी
15. (ii) नौवाणिज्य
16. (ii) जिंदल
17. (i) बड़माल
18. (i) अपनी विविधता के कारण
19. (i) हंस
20. (iv) डरावना
21. (ii) उत्कल-लक्ष्मी का विलास सरोवर
22. (ii) कलिंग
23. (i) दया
24. (i) खारबेल
25. (iv) कलिंग सैनिकों ने
26. (i) प्रकृति
27. (ii) ओड़िशा
28. (ii) खीर
29. (iii) मधुसूदन
30. (iv) बनिया
31. (iv) न राजा का पता था और न ही सेनापति का
32. (i) मानव प्रेम और अहिंसा की नीति
33. (ii) खारबेल का
34. (i) धन-रत्न
35. (i) अप्रेल 1936
36. (iii) राउरकेला
37. (ii) चाँदीपुर और बड़माल
38. (iii) 'जड़ चेतन गुन दोषमय, विश्व कीन्ह करतार'
39. (iv) चंद दिनों के सुख के लिए
40. (iv) सुनाबेड़ा में
41. (ii) हीराकुद
42. (i) पूर्वी द्वीपों में
43. (iv) कलिंग के
44. (iv) धर्माशोक
45. (iv) ओड़िशी नृत्य
46. (i) ओड़िशा को
47. (iv) दिन
48. (ii) थोड़े दिन का सुख
49. (ii) सुहावना
50. (i) हौले-हौले

Eduodia App

प्रश्न - उत्तर

Subjective (5 No. वाले प्रश्न)

1. इस दुनिया को विचित्र क्यों कहा गया ?

उत्तर : इस दुनिया को विचित्र इसलिए कहा गया है कि यहाँ बड़े-बड़े पहाड़ हैं, घने जंगल हैं, नदियाँ है, झरने हैं, सागर हैं, विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे और पशु-पक्षी हैं, नर-नारी भी हैं, भले हैं और बुरे भी हैं । जड़-चेतन, चर अचर सब हैं ।

2. दुनिया बदलती है, इसके क्या प्रमाण हैं ?

उत्तर : यहाँ ऋतुएँ बदलती हैं । मौसम कभी सुहावना तो कभी डरावना होता है, कभी जानलेवा गर्मी तो कभी कड़ाके की सर्दी पड़ती है । यहाँ सोने की फसल उगती है तो कभी अकाल पड़ता है । मनुष्य के सुख-दुख,अमीरी-गरीबी बदलती रहती है । दुनिया बदलने के ये सब प्रमाण है ।

3. कलिंगा साहसिका :- ऐसा क्यों कहा गया है ?

उत्तर : कलिंगा साहसिका: - का अर्थ है कलिंग के लोग साहसी हैं । ऐसा कलिंग युद्ध में कलिंग वीरों के वीरत्व प्रदर्शन को लक्ष्य करके कहा गया है । कलिंग वीरों ने मगध की विशाल सेना को हरा दिया ।

4. वीरत्व की कहानी आगे कैसे बढ़ी ?

उत्तर : कलिंग के वीरत्व की कहानी को सम्राट खारबेल ने आगे बढ़ाया । वे मगध को पराजित करके कलिंग जिन को वापस ले आए । खण्डगिरि और उदयगिरि के शिलालेख और गुफाएँ उनका यशोगान बयान करती हैं ।

5. धउली के शिलालेख में क्या लिखा है ?

उत्तर : धउली के शिलालेख अशोक ने खुदवाए थे । उनमें अशोक के धर्माशोक बनने, युद्ध का त्याग करने, मानव प्रेम और अहिंसा की नीति अपनाने का बयान लिखा है ।

6. ओड़िशा के बनिये क्या करते थे ?

उत्तर : ओड़िशा के बनिये (साधव) छोटे-बड़े नावों में सुदूर पूर्वी द्वीपो में व्यापार करते थे । वे तूफान या गहरे सागर से न डरकर जल यात्रा करते थे और धनरत्नों से नौकाएँ भर भर कर घर लौटते थे ।

7. मधुसूदन ने क्या किया ?

उत्तर : मधुसूदन ने सोते हुए उत्कल के सपूतों को जगाया । उन्होंने ललकारकर उनसे कहा कि अपने प्राचीन गौरव की याद करके अब विखंड़ित उत्कल के लिए लड़ाई करो या मरो ।

8. ओड़िशा में कौन-कौन से उद्योग स्थापित हुए ?

उत्तर : ओड़िशा के राउरकेला में लोहे का कारखाना स्थापित हुआ, सुनाबेड़ा में हवाई जहाज बनने लगे हैं । इम्फा, नालको, जिंदल और वेदांन्त आदि कंपनियाँ धातु-द्रव्यों का उत्पादन कर रही हैं ।

9. ओड़िशा ने कैसे प्रगति की ?

उत्तर : ओड़िशा में स्कूल-कॉलेज, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग और मेड़िकल कॉलेज खोले गए । नई और तकनीकी शिक्षा का इंतजाम हुआ, हीराकुद बाँध, राउरकेला में लोहे का कारखाना, पाराद्वीप में बंदरगाह बने, अनाज की पैदावार बढ़ी । इस प्रकार ओड़िशा ने प्रगति की है ।

10. धर्माशोक ने क्या किया ?

उत्तर : धर्माशोक ने युद्ध छोड़ दिया, तलवार फेंक दी । उन्होंने मानव प्रेम और अहिंसा की नीति अपनाई और धउली पर शिलालेख खुदवाए । इसके साथ-साथ बैद्धधर्म के प्रचार प्रसार में पूर्ण योगदान दिया ।

❑❑❑

Eduodia App

व्याकरण विभाग

संज्ञा - लिंग और वचन

भाववाचक संज्ञा चुनिए ।

1. (i) मधु (ii) माधुरी
(iii) मधुर (iv) माधुर्य
2. (i) निकट (ii) निकटता
(iii) विकट (iv) पास
3. (i) मुक्ति (ii) बाँधना
(iii) युक्त (iv) मुक्ता
4. (i) काला (ii) कालापन
(iii) कालीन (iv) कालात्व
5. (i) विशाल (ii) वैशाल
(iii) विशालता (iv) वैशाली
6. पंड़ित का भाववाचक संज्ञा _____ ।
(i) पांड़ित्य (ii) पंड़िताइन
(iii) पंड़ितपन (iv) पंड़िताई
7. बुरा का भाववाचक संज्ञा _____ ।
(i) बुरा (ii) बुरापन
(iii) बुरता (iv) बुराई
8. प्रभु का भाववाचक संज्ञा _____ ।
(i) प्रभुत (ii) प्रभाव
(iii) प्रभुपन (iv) प्रभुता
9. सहज का भाववाचक संज्ञा _____ ।
(i) सहजता (ii) साहजता
(iii) सहजात (iv) सहजिया
10. खुश का भाववाचक संज्ञा _____ ।
(i) खुशी (ii) खुशियाँ
(iii) खुश (iv) खुशामद

पुलिंग शब्द चुनिए : (11-20)

11. (i) कुर्सी (ii) सामग्री
(iii) नेत्र (iv) संध्या
12. (i) बात (ii) रियासत
(iii) दूध (iv) साजा
13. (i) रुई (ii) बूँद
(iii) कंधा (iv) चोंच
14. (i) कमरा (ii) सांस
(iii) स्थिति (iv) दीवार
15. (i) रात (ii) शाखा
(iii) पराठा (iv) रोटी
16. (i) जबाब (ii) गिलहरी
(iii) माला (iv) दिशा
17. (i) कपड़ा (ii) कमीज
(iii) साड़ी (iv) धोती
18. (i) मकान (ii) पुस्तक
(iii) सरकार (iv) कविता
19. (i) मिट्टी (ii) चाबी
(iii) ताला (iv) सड़क
20. (i) परीक्षा (ii) घर
(iii) सेना (iv) भाषा

Eduodia App

स्त्रीलिंग शब्द छाँटिए : (21-25)

21. (i) खेत (ii) लोहा
(iii) बात (iv) पंजा
22. (i) वित्त (ii) बंधु
(iii) यात्री (iv) परदा
23. (i) दही (ii) नशा
(iii) नदी (iv) दूध
24. (i) दिन (ii) विचार
(iii) नारी (iv) समय
25. (i) वाणी (ii) मालिक
(iii) गमला (iv) मुरदा
26. विद्‌वान का स्त्रीलिंग _____ होगा ।
(i) विद्वान (ii) विदुषी
(iii) विद्‌वानी (iv) विद्‌वानषी
27. नौकर शब्द का स्त्रीलिंग रुप _____ ।
(i) नौकरी (ii) नौकरि
(iii) नौकरानी (iv) नौकरदारी
28. धोबिन का पुलिंग रूप _____ ।

Odisha 1 to 10 All Books App

(i) धोबा (ii) धोबी
(iii) धोबणी (iv) धोबिक

29. चुहा का स्त्रीलिंग _____ ।
(i) चुही (ii) चुहिया
(iii) चूहा (iv) नर चुहा

30. ठाकुर का स्त्रीलिंग रूप _____ ।
(i) ठाकुराणी (ii) ठाकुराइन
(iii) ठाकुरानी (iv) ठाकुर

31. भैंस का पुलिंग रुप _____ ।
(i) भैंसा (ii) भैंसी
(iii) भैसिया (iv) नर भैंस

32. सेठ का लिंग बदलिए ।
(i) सेठ (ii) सेठा
(iii) सेठों (iv) सेठानी

33. पिता का स्त्रीलिंग रुप _____ ।
(i) माता (ii) स्वसुर
(iii) सास (iv) बेटा

34. फूल का वहुवचन रुप होगा _____ ।
(i) फूल (ii) फूलें
(iii) फूलों (iv) फुल

35. काँटा का वहुवचन _____ ।
(i) काँटे (ii) काँटों
(iii) काँटओं (iv) काँटें

36. बात का बहुवचन _____ ।
(i) बातें (ii) बात
(iii) बातों (iv) बाते

37. सभा का बहुवचन _____ ।
(i) सभा (ii) सभे
(iii) सभाएँ (iv) सभाओं

38. पक्षी का बहुवचन _____ ।
(i) पक्षी (ii) पक्षियाँ
(iii) पक्षीयाँ (iv) पक्षियों

39. तिनका का बहुवचन रुप _____ ।
(i) तिनकों (ii) तिनके
(iii) तिनका (iv) तिनकाएँ

40. नदी का बहुवचन _____ ।
(i) नदी (ii) नदियाँ
(iii) नदीयाँ (iv) नदियों

41. हवा का बहुवचन रुप _____ ।
(i) हवा (ii) हवे
(iii) हवाएँ (iv) हवाओं

42. बच्चा का बहुवचन रुप _____ ।
(i) बच्चा (ii) बच्चे
(iii) बच्चों (iv) बच्चो

43. भाड़ा का बहुवचन रुप _____ ।
(i) भाड़ा (ii) भाड़े
(iii) भाड़ाएँ (iv) भाड़ाओं

44. ये का एक वचन रुप _____ ।
(i) यह (ii) वह
(iii) वे (iv) इस

45. आँख का बहुवचन रुप ।
(i) आँख (ii) आँखें
(iii) आँखों (iv) आँखो

46. झूला का बहुवचन रुप ।
(i) झूला (ii) झूलों
(iii) झूलें (iv) झूले

47. मूर्तियाँ का एक वचन रुप _____ ।
(i) मूर्त्ती (ii) मूर्तिओं
(iii) मूर्तीओं (iv) मूर्तियाँ

48. सुविधा का बहुवचन ।
(i) सुविधा (ii) सुविधे
(iii) सुविधाएँ (iv) सुविधाओं

49. दाना का बहुवचन रुप ।
(i) दाना (ii) दाने
(iii) दानों (iv) दानाएँ

50. हाथी का बहुवचन रुप ।
(i) हाथी (ii) हाथीयाँ
(iii) हाथियाँ (iv) हाथियों

Eduodia App

उत्तर

1. माधुर्य	11. नेत्र	21. बात	31. भैंसा	41. हवाएँ
2. निकटता	12. दूध	22. यात्री	32. सेठानी	42. बच्चे
3. मुक्ति	13. कंधा	23. नदी	33. माता	43. भाड़े
4. कालापन	14. कमरा	24. नारी	34. फूल	44. यह
5. विशालता	15. पराठा	25. वाणी	35. काँटे	45. आँखें
6. पांड़ित्य	16. जबाब	26. विदुषी	36. बातें	46. झूले
7. बुराई	17. कपड़ा	27. नौकरानी	37. सभाएँ	47. मूर्ती
8. प्रभुता	18. मकान	28. धोबी	38. पक्षी	48. सुविधाएँ
9. सहजता	19. ताला	29. चुहिया	39. तिनके	49. दाने
10. खुशी	20. घर	30. ठकुराइन	40. नदियाँ	50. हाथी

कारक और परसर्ग

1. कर्ता कारक में कौन-सा परसर्ग है ?
   (i) को (ii) ने
   (iii) के लिए (iv) में
2. संबंध कारक में कौन सा परसर्ग है ?
   (i) से (ii) के लिए
   (iii) का (iv) को
3. कर्म कारक में कौन सा परसर्ग है ?
   (i) को (ii) का
   (iii) पर (iv) के लिए
4. करण कारम में कौन सा परसर्ग है ?
   (i) मे (ii) की
   (iii) पर (iv) से
5. अधिकरण कारक में कौन सा परसर्ग है ?
   (i) से (ii) पर
   (iii) ने (iv) के लिए
6. संप्रदान कारक में कौन सा परसर्ग है ?
   (i) का (ii) की
   (iii) ने (iv) के लिए
7. अपादान कारक में कौन सा परसर्ग है ?
   (i) से (ii) पर
   (iii) के (iv) ने
8. कारक चिन्हों को संज्ञा से _____ लिखा जाता है ।
   (i) ऊपर (ii) हटाकर
   (iii) नीचे (iv) लगाकर
9. 'पेड़ से पत्ता गिरा' - वाक्य में कौन सा कारक है ?
   (i) अपादान (ii) कर्ता
   (iii) संबंध (iv) कर्म
10. है अगम चेतना _____ घाटी, सही परासर्ग चुनकर लिखिए ?
    (i) के (ii) का
    (iii) की (iv) को
11. वही मनुष्य है जो मनुष्य _____ मरे ।
    (i) पर (ii) के लिए
    (iii) में (iv) से
12. 'जाड़े _____ मरता हूँ' ।
    (i) में (ii) का
    (iii) ने (iv) से

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के कारक के नाम लिखिए । (13-40)

13. राम नवीं कक्षा में पढ़ता है ।
    (i) कर्ता (ii) अधिकरण
    (iii) कर्म (iv) करण

Eduodia App

14. रमेश का घर बड़ा है ।
(i) कर्म (ii) संबंध
(iii) कर्ता (iv) अपादान

15. राम ने रावण को मारा ।
(i) करण (ii) संप्रदान
(iii) कर्म (iv) कर्ता

16. पिताजी ने बच्चों को पुस्तकें बाँटी ।
(i) कर्म (ii) सबंध
(iii) कर्ता (iv) करण

17. माँ चाकू से फल काटती है ।
(i) कर्म (ii) संबंध
(iii) अपादान (iv) करण

18. सूरज पूर्व दिशा से निकलता है ।
(i) अपादान (ii) करण
(iii) कर्ता (iv) कर्म

19. माँ ने बच्चों को खाना दिया ।
(i) कर्ता (ii) करण
(iii) कर्म (iv) संबंध

20. आम पेड़ से गिरा
(i) संप्रदान (ii) अधिकरण
(iii) करण (iv) अपादान

21. चाँदी का वर्तन चमकता है ।
(i) कर्म (ii) संबंध
(iii) कर्ता (iv) अपादान

22. मुझसे पढ़ा नहीं जाता ।
(i) कर्ता (ii) अपादान
(iii) करण (iv) कर्म

23. सीता ने अच्छा काम किया ।
(i) संबंध (ii) अधिकरण
(iii) करण (iv) कर्ता

24. पहाड़ से नदी निकलती है ।
(i) कर्ता (ii) अपादान
(iii) कर्म (iv) संबंध

25. अध्यापक ने इतिहास पढ़ाया ।
(i) कर्ता (ii) करण
(iii) अधिकरण (iv) कर्म

26. आदमी दर्द से तड़प रहा है ।
(i) करण (ii) कर्म
(iii) अपादान (iv) कर्ता

27. पक्षी पेड़ पर बैठा है ।
(i) कर्ता (ii) संबंध
(iii) अपादान (iv) अधिकरण

28. भाई ने बहन को पुकारा ।
(i) कर्ता (ii) कर्म
(iii) संबंध (iv) करण

29. गरीबों को भेंट दो ।
(i) कर्म (ii) संप्रदान
(iii) कर्ता (iv) अधिकरण

30. मेरी आँखों में एक तिनका गिरा ।
(i) अधिकरण (ii) अपादान
(iii) संप्रदान (iv) कर्म

31. मेज पर किताबें हैं ।
(i) कर्ता (ii) करण
(iii) अधिकरण (iv) संबध

32. सागर में लहरें उठती हैं ।
(i) अधिकरण (ii) कर्म
(iii) संबंध (iv) कर्ता

33. पिताजी कमरे से बाहर आ गए ।
(i) कर्म (ii) अपादान
(iii) अधिकरण (iv) कर्ता

34. कोरोना का संक्रमण सारी दुनिया में व्याप्त है ।
(i) कर्म (ii) संबंध
(iii) संप्रदान (iv) कर्ता

35. मछली पानी में रहती है ।
(i) अधिकरण (ii) करण
(iii) अपादान (iv) संप्रदान

36. शिक्षा का जीवन में महत्व है ।
(i) कर्ता (ii) कर्म
(iii) करण (iv) संबंध

37. मैं कलम से लिखता हूँ ।
(i) करण (ii) कर्ता
(iii) कर्म (iv) अधिकरण

Eduodia App

38. राम ने रोटी खाई ।

(i) संबंध (ii) कर्म
(iii) कर्ता (iv) अपादान

39. बच्चों को बहुत-बहुत प्यार ।

(i) कर्ता (ii) कर्म
(iii) करण (iv) संप्रदान

40. बंदूक से गोली चली ।

(i) करण (ii) कर्ता
(iii) अपादान (iv) कर्म

41. 'भाषा _____ मनुष्य का विशेष अधिकार है' ।

(i) ने (ii) पर
(iii) की (iv) से

42. 'शब्दों _____ जादू बड़ा जबरदस्त होता है' ।

(i) का (ii) के
(iii) की (iv) को

43. 'वही मनुष्य है जो मनुष्य _____ मरे' ।

(i) ने (ii) से
(iii) में (iv) के लिए

44. 'एक तिनका आँख _____ मेरी पड़ा' ।

(i) से (ii) में
(iii) के लिए (iv) का

45. 'जब किसी ढब _____ निकल तिनका गया' ।

(i) से (ii) के
(iii) पर (iv) ने

46. 'जीवन _____ वरदान स्वतंत्रता है' ।

(i) को (ii) के
(iii) की (iv) का

47. 'धूलि धूसर बादलों _____ भूमि को इस भाँति घेरा' ।

(i) को (ii) से
(iii) ने (iv) पर

48. 'वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य _____ आदर भाजन बनाती है' ।

(i) के लिए (ii) को
(iii) से (iv) में

49. 'मैं दसवीं कक्षा _____ पढ़ता हूँ' ।

(i) को (ii) से
(iii) पर (iv) में

50. 'निजी संबंध _____ बातचीत में आत्मीयता का अभाव न रहना चाहिए' ।

(i) का (ii) की
(iii) के (iv) के लिए

उत्तर

1. ने	11. के लिए	21. संबंध	31. अधिकरण	41. पर
2. का	12. से	22. कर्ता	32. अधिकरण	42. का
3. को	13. अधिकरण	23. कर्ता	33. अपादान	43. के लिए
4. से	14. संबंध	24. अपादान	34. संबंध	44. में
5. पर	15. कर्ता	25. कर्ता	35. अधिकरण	45. से
6. के लिए	16. कर्म	26. करण	36. संबंध	46. का
7. से	17. करण	27. अधिकरण	37. करण	47. ने
8. हटाकर	18. अपादान	28. कर्म	38. कर्ता	48. को
9. अपादान	19. कर्म	29. संप्रदान	39. संप्रदान	49. में
10. की	20. अपादान	30. अधिकरण	40. अपादान	50. की

Eduodia App

सर्वनाम और विशेषण

सर्वनाम

1. 'तुम' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
   (i) निजवाचक सर्वनाम
   (ii) पुरुषवाचक सर्वनाम
   (iii) निश्चयवाचक सर्वनाम
   (iv) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
2. 'क्या' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
   (i) गुणवाचक सर्वनाम
   (ii) प्रश्नवाचक सर्वनाम
   (iii) पुरुषवाचक सर्वनाम
   (iv) निजवाचक सर्वनाम
3. 'यह' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
   (i) प्रश्नवाचक सर्वनाम
   (ii) निजवाचक सर्वनाम
   (iii) संबंधवाचक सर्वनाम
   (iv) निश्चयवाचक सर्वनाम
4. 'कोई' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
   (i) निश्चयवाचक सर्वनाम
   (ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   (iii) प्रश्नवाचक सर्वनाम
   (iv) पुरुषवाचक सर्वनाम
5. 'जो' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
   (i) संबंधवाचक सर्वनाम
   (ii) पुरुषवाचक सर्वनाम
   (iii) निजवाचक सर्वनाम
   (iv) निश्चयवाचक सर्वनाम
6. 'स्वयं' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
   (i) संबंधवाचक सर्वनाम
   (ii) प्रश्नवाचक सर्वनाम
   (iii) निश्चयवाचक सर्वनाम
   (iv) निजवाचक सर्वनाम
7. उत्तम पुरुष सर्वनाम है -
   (i) मैं (ii) तुम
   (iii) वह (iv) कोई
8. मध्यम पुरुष सर्वनाम है -
   (i) हम (ii) आप
   (iii) ये (iv) कौन
9. अन्य पुरुष सर्वनाम है -
   (i) तल (ii) आप
   (iii) वह (iv) मैं
10. _____ कल क्यों नहीं आया ?
    (i) मैं (ii) तुम
    (iii) आप (iv) वह
11. _____ मैदान में खेलता हूँ ।
    (i) आप (ii) वह
    (iii) मैं (iv) तुम
12. _____ बहन का नाम रीता है ।
    (i) उसका (ii) उसको
    (iii) उसके (iv) उसकी
13. 'वह तमाशा देखती है' । इस वाक्य में सर्वनाम है - (i) तमाशा (ii) वह
    (iii) देखती (iv) है
14. 'तुम यहाँ खड़े क्यों हो ?' इस वाक्य में सर्वनाम है–
    (i) यहाँ (ii) खड़े
    (iii) क्यों (iv) तुम
15. 'राम ने कहा कि मैं कल जाऊँगा ।' इस वाक्य में सर्वनाम है -
    (i) मैं (ii) राम
    (iii) कल (iv) जाऊँगा
16. सर्वनाम के उचित रुप लिखिए - मैं + को =
    (i) मैंको (ii) मुझको
    (iii) मैंने (iv) मुझसे
17. सर्वनाम के उचित रुप लिखिए - वह + ने =
    (i) उसने (ii) वहने
    (iii) उन्होंने (iv) इनमें से कोई नहीं
18. सर्वनाम के उचित रुप लिखिए - जो + पर =
    (i) जोपर (ii) जिसपर
    (iii) जहाँ पर (iv) इनमें से कोई नहीं

Eduodia App

19. सर्वनाम के उचित रुप लिखिए - यह + से =
(i) उससे (ii) इनसे
(iii) इससे (iv) उनसे

20. सर्वनाम का उचित रुप लिखिए - तू + में =
(i) तूमें (ii) तुझमें
(iii) तुमसे (iv) तूझमें

21. _____ कौन सा विषय पढ़ाते हैं ।
(i) वह (ii) मैं
(iii) तुम (iv) वे

22. 'हम' किस प्रकार का सर्बनाम है ?
(i) उत्तम पुरुष (ii) मध्यम पुरुष
(iii) अन्य पुरुष (iv) प्रश्नवाचक

23. वाक्य के खाली स्थान को कोष्टक में दिए गए उचित सर्वनाम से भरिए -
आपने _____ बुलाया । (वह)
(i) उन्हें (ii) अनको
(iii) उसे (iv) इन से

24. वाक्य के खाली स्थान को कोष्टक में दिए गए उचित सर्वनाम से भरिए -
_____ आपकी बात मान ली । (हम)
(i) हम (ii) हमने
(iii) हमको (iv) हमसे

25. 'तू' किस प्रकार का सर्वनाम है ?
(i) उत्तम पुरुष (ii) मध्यम पुरुष
(iii) अन्य पुरुष (iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1. (ii) पुरुषवाचक सर्वनाम
2. (ii) प्रश्नवाचक सर्वनाम
3. (iv) निश्चयवाचक सर्वनाम
4. (ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. (i) संबंधवाचक सर्वनाम
6. (iv) निजवाचक सर्वनाम
7. (i) मैं
8. (ii) आप
9. (iii) वह
10. (iv) वह
11. (iii) मैं
12. (iv) उसकी
13. (ii) वह
14. (iv) तुम
15. (i) मैं
16. (ii) मुझको
17. (i) उसने
18. (ii) जिसपर
19. (iii) इससे
20. (i) तुझमें
21. (iv) वे
22. (i) उत्तम पुरुष
23. (iii) उसे
24. (ii) हमने
25. (ii) मध्यम पुरुष

Edoodia App

विशेषण

1. गोपाल तेज दौड़ता है ।
वाक्य में विशेषण पद है _____
(i) है (ii) दौडता
(iii) गोपाल (iv) तेज

2. "सीमा की बहन सुंदर है" ।
वाक्य में विशेषण पद है _____
(i) सुंदर (ii) बहन
(iii) सीमा (iv) है

3. "यहाँ अंग्रेजों का कड़ा शासन चलता था" ।
वाक्य में विशेषण पद है _____
(i) अंग्रेजों (ii) कड़ा
(iii) था (iv) चलता

4. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द है -
(i) बच्चा (ii) राजा
(iii) मैं (iv) चतुर

5. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द है -
(i) चाय (ii) लाल
(iii) हाथी (iv) लड़की

6. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द है -
(i) चमकीली (ii) रोएँ
(iii) आँख (iv) पूँछ

7. इनमें से गुणवयाचक विशेषण है -
(i) चार (ii) मीठा
(iii) अनेक (iv) कुछ

8. इनमें से गुणवाचक विशेषण है -
(i) लगभग (ii) पाँच लिटर
(iii) वह (iv) मोटा

9. इनमें से गुणवाचक विशेषण है -
(i) हजार (ii) दयालु
(iii) सभी प्राणी (iv) कोई

10. इनमें से संख्यावाचक विशेषण है -
(i) दोनों (ii) पुराना
(iii) सारी (iv) एक किलो

11. इनमें से संख्यावाचक विशेषण है -
(i) लंबा (ii) बहुत
(iii) दो मीटर (iv) दुगुना

12. इनमें से संख्यावाचक विशेषण है -
(i) गोल (ii) आधा
(iii) पाव भर (iv) कैसी

13. परिमाणवाचक विशेषण है -
(i) ये (ii) वह
(iii) पाँच किलो (iv) कई

14. परिमाणवाचक विशेषण है -
(i) पाव भर (ii) पूर्वी
(iii) पच्चीस (iv) कायर

15. परिमाणवाचक विशेषण है -
(i) आधुनिक (ii) पाँचवाँ
(iii) उन (iv) लोटा भर पानी

16. सार्वनामिक विशेषण है -
(i) कमजोर (ii) आधा
(iii) उस (iv) ग्रामीण

17. इनमें से सार्वनामिक विशेषण है -
(i) ये (ii) लंबा
(iii) करोड़ (iv) दो किलो चावल

18. इनमें से सार्वनामिक विशेषण है -
(i) भला (ii) ताजा
(iii) दुगुनी (iv) वह

19. रिक्त स्थानको उचित विशेषण से भरिए -
यह _____ फूल है ।
(i) एक लिटर (ii) इन
(iii) सुंदर (iv) बंदर

20. रिक्त स्थानको उचित विशेषण से भरिए -
_____ लड़का बड़ा साहसी है ।
(i) मीठा (ii) नाटा
(iii) ताजा (iv) दुगुना

21. रिक्त स्थान पर सही विशेषण लगाइए -
चिलिका _____ पानी की झील है ।
(i) गीला (ii) करोड़
(iii) 50 लिटर (iv) खारे

22. संज्ञा शब्द 'पाप' का विशेषण रुप है -
(i) पापा (ii) पापी
(iii) पान (iv) पेट

23. संज्ञा शब्द 'मिठास' का विशेषण रुप है -
(i) बहस (ii) सरस
(iii) निरस (iv) मीठा

24. 'चतुराई' शब्द का विशेषण रुप है -
(i) बहादुर (ii) चतुर
(iii) चतुरता (iv) चतुरपन

25. 'दुबला' शब्द किस प्रकार का विशेषण शब्द है ?
(i) गुणवाचक (ii) संख्यावाचक
(iii) परिमाणवाचक (iv) सार्वनामिक

Eduodia App

उत्तर

1. (iv) तेज
2. (i) सुंदर
3. (ii) कड़ा
4. (iv) चतुर
5. (ii) लाल
6. (i) चमकीली
7. (ii) मीठा
8. (iv) मोटा
9. (ii) दयालु
10. (i) दोनों
11. (iv) दुगुना
12. (ii) आधा
13. (iii) पाँच किलो
14. (i) पाव भर
15. (iv) लोटा भर पानी
16. (iii) उस
17. (i) ये
18. (iv) वह
19. (iii) सुंदर
20. (ii) नाटा
21. (iv) खारे
22. (ii) पापी
23. (iv) मीठा
24. (ii) चतुर
25. (i) गुणवाचक

क्रिया का काल-भेद-कर्म आधारित प्रश्न, प्रेरणार्थक क्रिया, संरचना - सरल और संयुक्त क्रिया

1. राम ने एक पुस्तक _____ ।
   (i) खरीदी (ii) खरीदा
   (iii) खरीद (iv) खरीदेगा
2. उसने चाय _____ ।
   (i) पी (ii) पिये
   (iii) पिये (iv) पिएंगे
3. अशोक को कल रात नींद नहीं _____ ।
   (i) आये (ii) आयी
   (iii) आती (iv) आएंगे
4. सबलोग खा पी कर _____ ।
   (i) सोया (ii) सोयी
   (iii) सोये (iv) सोएंगे
5. राम ने भात खाया । _____ यह वाक्य कौन से काल का है ।
   (i) भविष्यत काल (ii) भूत काल
   (iii) वर्त्तमान काल (iv) कौन से काल का नहीं
6. सकर्मक क्रिया पहचानिए -
   (i) जाना (ii) बैठना
   (iii) सोना (iv) उतारना
7. सकर्मक क्रिया है -
   (i) जाना (ii) चिलाना
   (iii) पीना (iv) चलाना
8. "धोड़ा दौड़ता है" - इस वाक्य में 'दौड़ता' किस क्रिया का रुप है ।
   (i) अकर्मक (ii) सकर्मक
   (iii) द्विकर्मक (iv) कोई नहीं
9. सकर्मक क्रिया है _____ ।
   (i) गिरना (ii) रोने लगा
   (iii) रो पड़ना (iv) कोई नहीं
10. गिर पड़ना _____ कौन सी क्रिया का उदाहरण है ।
    (i) सरल क्रिया (ii) संयुक्त क्रिया
    (iii) मिश्रक्रिया (iv) प्रेरणार्थक क्रिया
11. संयुक्त क्रिया है _____ ।
    (i) हँसना (ii) पढ़ना
    (iii) बोल उठना (iv) घुमना
12. 'रोना' क्रिया का प्रेरणार्थक रुप है _____ ।
    (i) रोउना (ii) रोनवाना
    (iii) रुलाना (iv) रुलना
13. द्वितीय प्रेरणार्थक रुप छाँटिए -
    (i) छूना (ii) छूलाना
    (iii) छुलवाना (iv) छुवाना
14. 'उगना' क्रिया का प्रथम प्रेरणार्थक रुप है _____ ।
    (i) उगाना (ii) उगवाना
    (iii) उग (iv) उगला
15. 'जीतना' का द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया है -
    (i) जी (ii) जिताना
    (iii) जितवाना (iv) जीना
16. 'खाना' क्रिया का प्रेरणार्थक रुप है -
    (i) खा (ii) खिलाना
    (iii) खाया (iv) खाजाना
17. जिस क्रिया से स्पष्ट होता है कि कर्त्ता दूसरे की प्रेरणा से कार्य करता हो उसे _____ क्रिया कहते हैं ?
    (i) संयोजक (ii) प्रेरणार्थक
    (iii) सकर्मक (iv) अकर्मक
18. 'सीखाना' क्रिया का द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रुप है -
    (i) सीखना (ii) सिखाना
    (iii) सीख (iv) सिखवाना
19. 'सोना' क्रिया का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रुप है -
    (i) सुलाना (ii) सुना
    (iii) सुलवाना (iv) सोनाना
20. गिल्लू ने मुक्ति की साँस _____ ।
    (i) लेगा (ii) लेता
    (iii) लिया (iv) ली

Eduodia App

21. कलकल करके नदियाँ _____ ।
(i) वहता है (ii) वहती है
(iii) बहती हैं (iv) हहते हैं

22. उन्होंने एक मनुष्य से डाँटकर _____ ।
(i) कहा (ii) कही
(iii) कहे (iv) कहेंगे

23. सीता ने रोटियाँ खायीं - इस वाक्य में खायीं क्रिया _____ है ।
(i) सकर्मक क्रिया (ii) अकर्मक क्रिया
(iii) प्रेरणार्थक क्रिया (iv) संयुक्त क्रिया

24. हमने भात _____ ।
(i) खाये (ii) खायी
(iii) खाया (iv) खाओ

25. 'देखना' क्रिया का भविष्य कालीन रुप है -
(i) देखा (ii) देखी
(iii) देखेगी (iv) देखे

26. 'दौड़ना' क्रिया का वर्त्तमान कालीन रुप है _____ ।
(i) दौड़ेगा (ii) दौड़ा
(iii) दौड़ता (iv) दौड़

27. लड़की किताब _____ है ।
(i) पढ़ता (ii) पढ़ती
(iii) पढ़ी (iv) पढ़ा

28. 'मैने रोटी खा ली है' ।
खा ली _____ कौन सी क्रिया है ?
(i) सरल (ii) संयुक्त
(iii) प्रेरणार्थक (iv) अकर्मक

29. सही सकर्मक क्रिया है _____ ।
(i) कहना (ii) आना
(iii) बकना (iv) भोंकना

30. बैठना क्रिया _____ है ?
(i) सकर्मक (ii) अकर्मक
(iii) द्विकर्मक (iv) संयुक्त

31. लोग कपड़े की मूंठ _____ ।
(i) देने लगे (ii) देने लगांए
(iii) देने लगी (iv) देने लगिए

32. भाषा बहता नीर है । यह कैसी क्रिया है ?
(i) असमापिका (ii) समापिका
(iii) प्रेरणार्थक (iv) संयुक्त क्रिया

33. बच्ची रोने लगी । - यह कैसी क्रिया है ?
(i) असमापिका (ii) संयुक्त
(iii) समापिका (iv) प्रेरणार्थक

34. पिताजी ने पुत्र को बुलाया - इस वाक्य में रेखांकित पद क्या है ?
(i) क्रिया (ii) विशेषण
(iii) कर्म (iv) कर्त्ता

35. शिक्षक ने छात्र को गणित पढ़ाया - इस वाक्य में पढ़ाया क्रिया किस प्रकार की क्रिया है ?
(i) सकर्मक (ii) अकर्मक
(iii) द्विकर्मक (iv) असमापिका

36. मोहन फल खाता है । - इस वाक्य में कर्म कौन है ?
(i) मोहन (ii) फल
(iii) खाता (iv) है

37. 'खेत' के लिए क्रिया है' _____ ।
(i) लपलपना (ii) डगमगाना
(iii) चिलचिलाना (iv) लहलहाना

38. ओड़िशावासिओं ने यह _____ सुनी ।
(i) आदेश (ii) स्वर
(iii) शिक्षा (iv) पुकार

39. सकर्मक क्रिया है _____ ।
(i) रोना (ii) पूछना
(iii) नहाना (iv) हँसना

40. हँसना क्रिया का प्रेरणार्थक क्रिया रुप है _____ ।
(i) हँसी (ii) हँसदेना
(iii) हँसाना (iv) रोना

41. पृथ्वी सूर्य का चक्कर _____ । क्रिया पद भरिए ।
(i) लगाता है (ii) लगाते हैं
(iii) लगाती है (iv) लगती है

42. सकर्मक क्रिया है _____ ।
(i) कूदना (ii) खाना
(iii) टूटना (iv) थूकना

Eduodia App

43. कृपाशंकर ने कई कुली _____ ।
(i) बुलाई (ii) पकड़ा
(iii) बुलाया (iv) बुलाए

44. उन्हे आज इस पद की महानता ज्ञात _____ ।
(i) हुआ (ii) हुई
(iii) होता (iv) होगा

45. माता ने वच्चे को _____ ।
(i) सोया (ii) सुलाया
(iii) सुलाई (iv) सुआई

46. मेरी दुकान खाली _____ है ।
(i) पड़ा (ii) पड़ी
(iii) पड़े (iv) पड़ेगी

47. लिखना क्रिया का द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रुप है _____ ।
(i) लिखाना (ii) लिखवाना
(iii) लिखाई (iv) लिखावट

48. प्रेरणार्थक क्रिया छाँटिए -
(i) सोना (ii) गिरना
(iii) चढ़ाना (iv) जीना

49. सोना क्रिया का प्रेरणार्थक रुप क्या है ?
(i) सुनाना (ii) सुलाना
(iii) सोजाना (iv) सोना है

50. आँख लाल होकर दु:खने _____ ।
(i) लगा (ii) लगे
(iii) लगी (iv) लगना

उत्तर

1. (i) खरीदी
2. (i) पी
3. (ii) आयी
4. (iii) सोये
5. (ii) भूत काल
6. (iv) उतारना
7. (iii) पीना
8. (i) अकर्मक
9. (iv) कोई नहीं
10. (ii) संयुक्त क्रिया
11. (iii) बोल उठना
12. (iii) रुलाना
13. (iii) छुलवाना
14. (i) उगाना
15. (iii) जितवाना
16. (ii) खिलाना
17. (ii) प्रेरणार्थक
18. (iv) सिखवाना
19. (i) सुलाना
20. (iv) ली
21. (iii) बहती हैं
22. (i) कहा
23. (i) सकर्मक क्रिया
24. (iii) खाया
25. (iii) देखेगी
26. (iii) दौड़ता
27. (ii) पढ़ती
28. (ii) संयुक्त
29. (i) कहना
30. (ii) अकर्मक
31. (i) देने लगे
32. (i) असमापिका
33. (ii) संयुक्त
34. (iii) कर्म
35. (iii) द्विकर्मक
36. (ii) फल
37. (iv) लहलहाना
38. (iv) पुकार
39. (ii) पूछना
40. (iii) हँसाना
41. (iii) लगाती है
42. (ii) खाना
43. (iv) बुलाए
44. (ii) हुई
45. (ii) सुलाया
46. (ii) पड़ी
47. (ii) लिखवाना
48. (iii) चढ़ाना
49. (ii) सुलाना
50. (iii) लगी

Eduodia App

विलोम और पर्यायवाची शब्द

विलोम शब्द

1. अनुकूल का विलोम -
   (i) प्रतिकूल (ii) अधम
   (iii) उन्नति (iv) अनुदार
2. पाप का विलोम -
   (i) अवनति (ii) पुण्य
   (iii) नीचे (iv) झूठ
3. खुशी का विलोम -
   (i) दु:ख (ii) गम
   (iii) वियोग (iv) अवगुण
4. कुशल का विलोम -
   (i) नासमझी (ii) अच्छा
   (iii) मंगल (iv) अकुशल
5. सज्जन का विलोम -
   (i) सदाचारी (ii) अधोगति
   (iii) दुर्जन (iv) बुराई
6. अंधेरा का विलोम -
   (i) उजाला (ii) रात
   (iii) अधम (iv) निषेध
7. सच्चा का विलोम -
   (i) झूठा (ii) झूठ
   (iii) निकृष्ट (iv) निर्दय
8. जय का विलोम -
   (i) पराजय (ii) जीत
   (iii) नीचा (iv) नुकसान
9. सबल का विलोम -
   (i) दुर्बल (ii) साहसी
   (iii) सुखी (iv) सरल
10. ज्ञान का विलोम -
    (i) मूर्ख (ii) पंडित
    (iii) अज्ञान (iv) अयोग्य
11. प्रिय का विलोम -
    (i) अप्रिय (ii) अपकार
    (iii) अच्छा (iv) भला
12. उपकार का विलोम -
    (i) अपकार (ii) विकार
    (iii) अनुदार (iv) अज्ञान
13. गुण का विलोम -
    (i) सगुण (ii) अवगुण
    (iii) बुराई (iv) गलत
14. कठोर का विलोम -
    (i) कोमल (ii) निर्मल
    (iii) निकृष्ट (iv) हानि
15. मधुर का विलोम -
    (i) कटु (ii) बुरा
    (iii) गलत (iv) खराब
16. अन्दर का विलोम -
    (i) ऊपर (ii) नीचे
    (iii) बाहर (iv) पीछे
17. दोस्त का विलोम -
    (i) मित्र (ii) साथी
    (iii) दुश्मन (iv) प्यारा
18. निरक्षर का विलोम -
    (i) साक्षर (ii) पंडित
    (iii) दुर्लभ (iv) असत्य
19. सफलता का विलोम -
    (i) जीत (ii) विफलता
    (iii) भाग्यशाली (iv) सच
20. सम्मान का विलोम -
    (i) संपत्ति (ii) सदाचार
    (iii) असम्मान (iv) सरस

EduodiaApp

21. बढ़िया का विलोम -
(i) घटिया (ii) अधम
(iii) नुकसान (iv) हानि

22. नवीन का विलोम -
(i) प्राचीन (ii) नया
(iii) निषेध (iv) प्रवेश

23. युद्ध का विलोम -
(i) शांति (ii) अशांति
(iii) रण (iv) नुकसान

24. आनंद का विलोम -
(i) व्यथा (ii) बढ़िया
(iii) सुख (iv) बुरा

25. सीधा का विलोम -
(i) टेढ़ा (ii) पतन
(iii) सरल (iv) कटु

उत्तर

1. (i) प्रतिकूल
2. (ii) पुण्य
3. (ii) गम
4. (iv) अकुशल
5. (iii) दुर्जन
6. (i) उजाला
7. (i) झूठा
8. (i) पराजय
9. (i) दुर्बल
10. (iii) अज्ञान
11. (i) अप्रिय
12. (i) अपकार
13. (ii) अवगुण
14. (i) कोमल
15. (i) कटु
16. (iii) बाहर
17. (iii) दुश्मन
18. (i) साक्षर
19. (ii) विफलता
20. (iii) असम्मान
21. (i) घटिया
22. (i) प्राचीन
23. (i) शांति
24. (i) व्यथा
25. (i) टेढ़ा

Edudia App

पर्यायवाची शब्द

1. 'सूर्य' का पर्यायवाची -
(i) सूरज (ii) चाँद
(iii) समीर (iv) रात्रि

2. 'मनुष्य' का पर्यायवाची -
(i) राजा (ii) गिरि
(iii) मानव (iv) दानव

3. 'गज' का पर्यायवाची -
(i) धेनु (ii) अश्व
(iii) हाथी (iv) घोटक

4. 'राजा' का पर्यायवाची -
(i) भूप (ii) मनुष्य
(iii) काया (iv) साथी

5. 'गगन' का पर्यायवाची -
(i) आकाश (ii) भाग्य
(iii) रवि (iv) तरु

6. 'सरवर' का पर्यायवाची -
(i) तालाब (ii) नदी
(iii) समुद्र (iv) नभ

7. 'देह' का पर्यायवाची -
(i) मित्र (ii) हरी
(iii) शरीर (iv) भाग्य

8. 'बादल' का पर्यायवाची -
(i) मेघ (ii) अम्बर
(iii) दिवस (iv) ऋतु

9. 'वृक्ष' का पर्यायवाची -
(i) तरु (ii) हवा
(iii) दिवस (iv) उपवन

10. 'संसार' का पर्यायवाची -
(i) दिवाकर (ii) जगत
(iii) स्वर्ग (iv) गज

11. 'सलोने' का पर्यायवाची -
(i) सुंदर (ii) असुंदर
(iii) काया (iv) सम्राट

12. 'हिंडोला' का पर्यायवाची -
(i) झूला (ii) शुद्ध
(iii) खुश (iv) प्रयास

13. 'विष्णु' का पर्यायवाची -
(i) नारायण (ii) रवि
(iii) दामिनी (iv) सागर

14. 'पूत' का पर्यायवाची -
(i) पुत्र (ii) पानी
(iii) पक्षी (iv) मरुत

15. 'गर्व' का पर्यायवाची -
(i) घमंड (ii) भुजंग
(iii) सुधा (iv) कनक

16. 'वन' का पर्यायवाची -
(i) जंगल (ii) नभ
(iii) कनक (iv) कुंजर

17. 'सोना' का पर्यायवाची -
(i) स्वर्ण (ii) मतंग
(iii) सिंधु (iv) वारि

18. 'अगम' का पर्यायवाची -
(i) अधीर (ii) दुर्गम
(iii) दु:ख (iv) विचित्र

19. 'आँख' का पर्यायवाची -
(i) नयन (ii) भवन
(iii) बाजि (iv) सुरभि

20. 'सुगंध' का पर्यायवाची -
(i) महक (ii) मतंग
(iii) भ्रमर (iv) सरोज

21. 'पक्षी' का पर्यायवाची -
(i) विहंग (ii) उरग
(iii) रजनी (iv) दृग

22. 'खेद' का पर्यायवाची -
(i) दु:ख (ii) पीड़ा
(iii) अधीर (iv) सुख

23. 'उषा' का पर्यायवाची -
(i) प्रात:काल (ii) रात
(iii) शाम (iv) दोपहर

24. 'पर्वत' का पर्यायवाची -
(i) गिरि (ii) अम्बा
(iii) नभ (iv) गज

25. 'मौसम' का पर्यायवाची -
(i) ऋतु (ii) काया
(iii) यात्रा (iv) घोंसला

Eduodia App

उत्तर

1. (i) सूरज
2. (iii) मानव
3. (iii) हाथी
4. (i) भूप
5. (i) आकाश
6. (i) तालाब
7. (iii) शरीर
8. (i) मेघ
9. (i) तरु
10. (ii) जगत
11. (i) सुंदर
12. (i) झूला
13. (i) नारायण
14. (i) पुत्र
15. (i) घमंड
16. (i) जंगल
17. (i) स्वर्ण
18. (ii) दुर्गम
19. (i) नयन
20. (i) महक
21. (i) विहंग
22. (i) दु:ख
23. (i) प्रात:काल
24. (i) गिरि
25. (i) ऋतु

उपसर्ग, प्रत्यय

उपसर्गयुक्त शब्द है :

1. (i) रोजगार (ii) हररोज (iii) रोजाना (iv) रोज
2. (i) उम्र (ii) उम्रभर (iii) हमउम्र (iv) उमर
3. (i) गुण (ii) अवगुण (iii) गुणवान (iv) गुणी
4. (i) सताईस (ii) अठाईस (iii) उनतीस (iv) तीस
5. (i) चीता (ii) चैतन (iii) अचेत (iv) चेतना
6. (i) डरना (ii) डरवाना (iii) निडर (iv) डर
7. (i) लायक (ii) नालायक (iii) गायक (iv) सेवक
8. (i) पंच (ii) सरपंच (iii) पंचायत (iv) पंचम
9. (i) ईमान (ii) ईमानदार (iii) बेईमान (iv) ईमानदारी
10. (i) अनार (ii) अनल (iii) अनमना (iv) अनानास
11. (i) उपमा (ii) उपकार (iii) उपाय (iv) ऊपर
12. (i) परंपरा (ii) पराग (iii) पराजय (iv) पतंग
13. (i) लालटेन (ii) लालसा (iii) लापता (iv) लालीमा
14. (i) आसान (ii) आदान (iii) आवारा (iv) आगरा
15. (i) अपना (ii) अपनापन (iii) अपमान (iv) अपनी

विकल्पों में से सही उपसर्ग चुनिए :

16. अभिमान
    (i) मान (ii) अ (iii) अभि (iv) न
17. प्रदान
    (i) दान (ii) प्र (iii) अन (iv) न
18. उत्कृष्ट
    (i) ष्ट (ii) ट (iii) उ (iv) उत्
19. संकल्प
    (i) सम (ii) म (iii) कल्प (iv) स
20. सुगम
    (i) गम (ii) सु (iii) म (iv) सुग
21. दुराचार
    (i) अ (ii) दुरा (iii) दुर् (iv) र
22. अनुचर
    (i) अनु (ii) अ (iii) चर (iv) र
23. अधिकार
    (i) अ (ii) र (iii) कार (iv) अधि
24. कमजोर
    (i) क (ii) कम (iii) जोर (iv) र
25. खुशखबरी
    (i) री (ii) खुश (iii) खु (iv) वरी

Eduodia App

26. 'नीति' शब्द के साथ 'इक' प्रत्यय जोड़ने से होगा -
(i) नीतिक (ii) नैतिक
(iii) नितीक (iv) नैतक

27. 'दार' प्रत्यय लगने से 'मजा' का रुप होगा ?
(i) मजादार (ii) मजदर
(iii) मजेदार (iv) मजधार

28. 'मिठाईवाला' में कौन सा प्रत्यय है ?
(i) आ (ii) ला
(iii) ई (iv) वाला

29. प्रत्ययुक्त शब्द है -
(i) भाई (ii) नाई
(iii) पढ़ाई (iv) ताई

30. 'ता' प्रत्यय किस शब्द में है -
(i) लता (ii) पता
(iii) गीता (iv) दीनता

31. 'पन' प्रत्यय लगने से 'लड़का' का रुप होगा -
(i) लड़कापन (ii) लड़कपन
(iii) लड़के पन (iv) लड़पन

32. 'इक' प्रत्यय से युक्त शब्द है ?
(i) इतिहासिक (ii) एतिहासिक
(iii) ऐतिहासिक (iv) इतिहासइक

33. 'दर्शनीय' शब्द में कौन सा प्रत्यय है ?
(i) नीय (ii) अनीय
(iii) य (iv) अ

34. तद्धित शब्द को पहचानिए ।
(i) पढ़ाई (ii) चढ़ाई
(iii) भलाई (iv) लड़ाई

35. कृदन्त शब्द को पहचानिए ।
(i) साँप (ii) सर्प
(iii) नाग (iv) अहि

36. खिलाड़ी
(i) खेल (ii) ई
(iii) आड़ी (iv) डी

37. मरियल
(i) ल (ii) इयल
(iii) मरि (iv) अ

38. रमणीय
(i) रम (ii) य
(iii) अनीय (iv) र

39. लड़ाई
(i) लड़े (ii) आई
(iii) ई (iv) डाई

40. कमाऊ
(i) आऊ (ii) कम
(iii) माऊ (iv) ऊ

41. लुटेरा
(i) एरा (ii) रा
(iii) लूट (iv) आ

42. कौरव
(i) कुरु (ii) रव
(iii) अ (iv) कौ

43. भारतीय
(i) य (ii) तीय
(iii) भार (iv) ईय

44. माधुर्य
(i) य (ii) र्य
(iii) मा (iv) माधु

45. खौफनाक
(i) नाक (ii) खौफ
(iii) क (iv) खौ

46. भौतिक
(i) भू (ii) भौ
(iii) इक (iv) तिक

47. मजबुरी
(i) म (ii) मज
(iii) ई (iv) बुरी

48. सार्थकता
(i) आ (ii) सा
(iii) ता (iv) कता

Eduodia App

49. पवन
(i) अन (ii) पव
(iii) न (iv) अ

50. कार्य
(i) का (ii) कृ
(iii) अ (iv) य

उत्तर

1. (ii) हररोज	11. (ii) उपकार	21. (iii) दुर्	31. (ii) लड़कपन	41. (i) एरा
2. (iii) हमउम्र	12. (iii) पराजय	22. (i) अनु	32. (iii) ऐतिहासिक	42. (iii) अ
3. (ii) अवगुण	13. (iii) लापता	23. (iv) अधि	33. (ii) अनीय	43. (iv) ईय
4. (iii) उनतीस	14. (ii) आदान	24. (ii) कम	34. (iii) भलाई	44. (i) य
5. (iii) अचेत	15. (iii) अपमान	25. (ii) खुश	35. (ii) सर्प	45. (i) नाक
6. (iii) निडर	16. (iii) अभि	26. (ii) नैतिक	36. (iii) आड़ी	46. (iii) इक
7. (ii) नालायक	17. (ii) प्र	27. (iii) मजेदार	37. (ii) इयल	47. (iii) ई
8. (ii) सरपंच	18. (iv) उत्	28. (iv) वाला	38. (iii) अनीय	48. (iii) ता
9. (iii) बेईमान	19. (i) सम	29. (iii) पढ़ाई	39. (ii) आई	49. (i) अन
10. (iii) अनमना	20. (ii) सु	30. (iv) दीनता	40. (iv) आऊ	50. (iv) य

Eduodia App

अनुवाद (प्रश्न)

(मातृभाषा से हिन्दी)

1. ପିଲାମାନେ ପ୍ରତିଦିନ ଦଶଟାବେଳେ ବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ଆସନ୍ତି ।
2. ସେମାନେ ଚାରିଟା ବେଳେ ଫେରନ୍ତି ।
3. ଆମେ ଏକ ସ୍ୱଚ୍ଛଭାରତ ଚାହୁଁ ।
4. ତୁମେ ପଢ଼ିବା ସମୟରେ କାହିଁକି ଖେଳୁଛ ?
5. ରମାକାନ୍ତ ଜଣେ ବୁଦ୍ଧିମାନ ଛାତ୍ର ଅଟେ ।
6. ସେ ସ୍କୁଲରେ ସବୁପାଠ ମନଦେଇ ଶୁଣେ ।
7. ଏହା ଶ୍ରାବଣ ମାସ ।
8. ଲୋକମାନେ ଚୋରକୁ ମାରିଲେ ।
9. ମୁଁ ମନାକରିବା ପରେ ମଧ୍ୟ ସେ ଚାଲିଗଲା ।
10. ମୟୂର ଆମର ଜାତୀୟ ପକ୍ଷୀ ।

अनुवाद (उत्तर)

(मातृभाषा से हिन्दी)

1. बच्चे रोज दस बजे विद्यालय आते हैं ।
2. वे चार बजे लौटते हैं ।
3. हम एक स्वच्छ भारत चाहते हैं ।
4. तुम पढ़ाई के वक्त क्यों खेल रहे हो ?
5. रमाकान्त एक बुद्धिमान छात्र है ।
6. वह स्कूल में सारे पाठ मन लगाकर सुनता है ।
7. यह श्रावण का महीना है ।
8. लोगों ने चोर को मारा ।
9. मेरे मना करने के बावजूद भी वह चला गया ।
10. मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है ।

अनुवाद (प्रश्न)
(हिन्दी से मातृभाषा)

1. आतंकवाद आज देश की बड़ी समस्या है ।
2. देखो, सूर्योदय हो गया ।
3. ठंड़ी हवा बह रही है ।
4. रमेश रोज स्कूल जाता है ।
5. वह घर पर बेकार में समय बर्वाद नहीं करता ।
6. बगीचे में अनेक प्रकार के फूल हैं ।
7. क्या केले पक गये ?
8. संगीता मेरी घनिष्ठ सहेली है ।
9. आसमान में बादल घिर रहे थे ।
10. हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है ।

अनुवाद (उत्तर)
(हिन्दी से मातृभाषा)

1. ଆତଙ୍କବାଦ ଆଜି ଦେଶର ବଡ଼ ସମସ୍ୟା ଅଟେ ।
2. ଦେଖ, ସୂର୍ଯ୍ୟୋଦୟ ହେଲାଣି ।
3. ଥଣ୍ଡା ପବନ ବହୁଅଛି ।
4. ରମେଶ ପ୍ରତିଦିନ ସ୍କୁଲକୁ ଯାଏ ।
5. ସେ ଘରେ ବେକାରରେ ସମୟ ନଷ୍ଟ କରେ ନାହିଁ ।
6. ବଗିଚାରେ ଅନେକ ପ୍ରକାରର ଫୁଲ ଅଛି ।
7. କଦଳୀଗୁଡ଼ିକ ପାଚିଗଲା କି ?
8. ସଙ୍ଗୀତା ମୋର ଘନିଷ୍ଠ ସାଙ୍ଗ ଅଟେ ।
9. ଆକାଶରେ ବାଦଲ ଘୋଟିବାରେ ଲାଗିଥିଲା ।
10. ହିନ୍ଦୀ ଆମର ରାଷ୍ଟ୍ରଭାଷା ଅଟେ ।

अपठित अनुच्छेद

1. भारत की धरती ने बापू को जन्म दिया । किन्तु इस धरती का यह सौभाग्य नहीं हुआ कि जो महापुरुष देश की पराधीनता की बेड़ियाँ काटे और देश की प्रतिष्ठा को संसार में शीर्षस्थान पर ले जाए, वह स्वयं अपने द्वारा प्रतिष्ठित स्वतंत्र राष्ट्र में जीवित रहकर, विश्वबंधुत्व एवं विश्वशांति का अपना स्वप्न पूरा कर सके ! महात्मा गाँधी ने मानवता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी ।

प्रश्न :

1. भारत की धरती ने किसे जन्म दिया ?
2. बापू का कौन सा स्वप्न पूरा नहीं हुआ ?
3. महात्मा गाँधी ने प्राणों की आहुति क्या करते हुए दी ?
4. गाँधीजी ने देश की कौन-सी बेड़ियाँ काटी थीं ?
5. भारत की प्रतिष्ठा को संसार में शीर्षस्थान पर ले जाने की इच्छा किसकी थी ?

2. स्वतंत्रता पूर्व भारत में राजकाज की भाषा अंग्रेजी थी । आजादी के बाद संबिधान - निर्माण करते समय भारत की राजभाषा के निर्धारण की आबश्यकता पड़ी । इसी कारण संबिधान सभा ने एक ऐसी भाषा को राजभाषा बनाने के लिए प्रस्ताव किया जो संपूर्ण भारत में स्वीकृत हो । इस दृष्टि से यह पाया कि स्वतंत्रता - संग्राम में पूरे देश में जन-जन तक स्वातंत्र भावना का संचरण करने तथा स्वतंत्रता आंदोलन में जीवनशक्ति स्फुरित करने में हिन्दी ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी । इस भाषा ने उस नाजुक समय में संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँध रखा था ।

प्रश्न :

1. स्वतंत्रता पूर्व भारत में राजकाज की भाषा क्या थी ?
2. संविधान सभा ने क्या किया ?
3. संविधान निर्माण करते समय किसकी आवश्यकता अनुभव की गई ?
4. हिन्दी ने किस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की ?
5. कौन सी भाषा ने भारत को एक सुत्र में बाँध रखा था ?

3. 'प्रेम' जगत का चिरंतन सत्य है । प्रेम भावना हृदय का सर्वोतम रत्न है । प्रेम वृत्ति ही सर्वोपरि सर्वाधिक शक्तिमान है । प्रेम की यह सूक्ष्म और शाश्वत वृत्ति मनुष्य में ही नहीं अपितु पशु पक्षियों और प्रकृति तक में अपने प्रसार की क्षमता रखती है । प्रेम पाश्चात्य और पौर्वत्य के अनुसार अनेक सूक्ष्म भावनाओं का वाहक है । प्रेम की सीमा इतनी विस्तृत है कि इसकी सीमा निर्धारण नहीं की जा सकती ।

Odisha 1 to 10 All Books App

प्रश्न :

1. चिरंतन सत्य क्या है ?
2. प्रेम भावना हृदय का क्या है ?
3. प्रेम वृत्ति कैसी है ?
4. पाश्चात्य और पौर्वत्य के अनुसार प्रेम क्या है ?
5. किसकी सीमा निर्धारण नहीं की जा सकती ?

4 आधुनिक जीवन में हिंसा का परिवेश अत्यंत भयावह है जिसे आतंकबाद का छद्म पर्याय कह सकते हैं । इसके मूल में गरीबी और संपन्नता के बीच का युगव्यापी संघर्ष का रहस्य विद्यमान है । भारतीय संविधान और समाज में आतंकवादी हिंसा का सामना करने के लिए कोई तकनीक विकसित नहीं हो सका है, केवल पुलिस या सेना के बल पर आतंकवादी प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगाया जा सकता है । इसके लिए मनुष्य के मन में जीने और संघर्ष करने की आशा को पैदा करना आवश्यक है । जीवन के प्रति आकर्षण उत्पन्न करना होगा और कमजोर वर्ग को सम्मान एवं प्रतिष्ठा देनी होगी, तभी आतंकवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकता है ।

प्रश्न :

1. हिंसा का परिवेश कैसा होता है ?
2. आतंकवाद का मूल कारण क्या है ?
3. भारतीय संविधान और समाज में किस प्रकार का तकनीक विकसित नहीं हो सका है ?
4. किसके बल पर आतंकवादी प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगाया जा सकता ?
5. आतंकवादी प्रवृत्ति पर हम कैसे रोक लगा पायेंगे ?

5. आर्थिक साधन मतभेद का कारण - गाँधी जी साध्य के साथ-साथ साधन को भी अच्छा होना आवश्यक मानते थे । अत: वे अनीति से अर्थलाभ को अनुचित ठहराते थे । लेकिन आज के उद्योगपति के मनानुसार जिस प्रकार प्रेम और युद्ध में सब कुछ जायज होता है उसी प्रकार उद्योग में भी सब कुछ जायज है । तात्पर्य यह है कि उद्योगपति/पूँजीपति उद्योग या व्यापार में सर्वत्र नैतिकता के बंधन को स्वीकार नहीं करते । इसी कारण वहाँ श्रम का शोषण, टैक्सचोरी, मुनाफाखोरी, मिलावट, दलाली आदि को वर्जित नहीं माना जाता । इसी कारण आधुनिक अर्थव्यवस्था में नैतिकता और सामाजिक न्याय की कमी दिखाई देती है ।

प्रश्न :

1. गाँधी जी के विचार में आर्थिक साधन मतभेद का क्या कारण है ?
2. आज के उद्योगपतियों के क्या विचार हैं ?
3. किसे वर्जित नहीं माना जाता है ?
4. पूँजीपति किसके बंधन को स्वीकार नहीं करते ?
5. आज की अर्थव्यवथा में किसकी कमी दिखाई पड़ती है ?

उत्तर

अपठित अनुच्छेद - 01

1. भारत की धरती ने बापू को जन्म दिया ।
2. बापू का विश्वबंधुत्व और विश्वशांति का स्वप्न पूरा नहीं हुआ ।
3. महात्मा गाँधी ने प्राणों की आहुति मानवता की रक्षा करते हुए दी ।
4. गाँधी जी ने देश की पराधीनता की बेड़ियाँ काटी थीं ।
5. भारत की प्रतिष्ठा को संसार में शीर्षस्थान पर ले जाने की इच्छा महापुरुषों की थी ।

अपठित अनुच्छेद - 02

1. स्वतंत्रता पूर्व भारत में राजकाज की भाषा अंग्रेजी थी ।
2. संविधान सभा ने राजभाषा बनाने के लिए प्रस्ताव किया जो संपूर्ण भारत में स्वीकृत हो ।
3. संविधान निर्माण करते समय भारत की राजभाषा के निर्धारण की आवश्यकता पड़ी ।
4. हिन्दी ने स्वतंत्रता - संग्राम में पूरे देश में जन-जन तक स्वातंत्र भावना का संचारण करने तथा स्वतंत्रता आंदोलन में जीवन शक्ति स्फुरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी ।
5. हिन्दी भाषा ने भारत को एक सूत्र में बाँध रखा था ।

अपठित अनुच्छेद - 03

1. 'प्रेम' जगत का चिरंतन सत्य है ।
2. प्रेम भावना हृदय का सर्वोतम रत्न है ।
3. प्रेमवृत्ति सर्वोपरि सर्वाधिक शक्तिमान है ?
4. पाश्चात्य और पौर्वत्य के अनुसार प्रेम अनेक सूक्ष्म भावनाओं का वाहक है ।

Eduodia App

5. 'प्रेम' की सीमा निर्धारण नहीं की जा सकती ।

अपठित अनुच्छेद - 04

1. हिंसा का परिवेश अत्यंत भयावह होता है ।
2. आतंकवाद का मूल कारण है, गरीबी और संपन्नता के बीच का युगव्यापी संघर्ष ।
3. भारतीय संविधान और समाज में आतंकवादी हिंसा का सामना करने के लिए कोई तकनीक बिकसित नहीं हो सका है ।
4. पुलिस या सेना के बल पर आतंकबादी प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगाया जा सकता ।
5. जीवन के प्रति आकर्षण उत्पन्न करके और कमजोर वर्ग को सम्मान और प्रतिष्ठा दे कर हम आतंकवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगा पायेंगे ।

अपठित अनुच्छेद - 05

1. गाँधी जी के विचार में आर्थिक साधन मनभेद का कारण साध्य के साथ-साथ साधन को भी अच्छा होना जरुरी है ।
2. आज के उद्योगपतियों के विचार है कि जिस प्रकार प्रेम और युद्ध में सब कुछ जायज होता है उसी प्रकार उद्येग में भी सब कुछ जायज है ।
3. श्रम का शोषण, टैक्सचोरी, मुनाफाखोरी, मिलावट, दलाली आदि को वर्जित नहीं माना जाता ।
4. पूँजीपति व्यापार में सर्वत्र नैतिकता के बंधन को स्वीकार नहीं करते ।
5. आज की अर्तव्यवस्था में नैतिकता और सामाजिक न्याय की कमी दिखाई देती है ।

अशुद्ध वाक्य

प्रश्न :

1. श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं ।
2. एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में चर रहे हैं ।
3. हमारे शिक्षक प्रश्न करता हैं ।
4. मैने एक वर्ष तक उनकी प्रतीक्षा देखी ।
5. हम तो अवश्य ही जायेंगे ।
6. मैं आपका दर्शन करने आया हूँ ।
7. मेरे लिए ठण्डी बर्फ और गर्म आग लाओ ।
8. तब शायद यह काम जरुर हो जायेगा ।
9. मै गाने की कसरत कर रहा हूँ ।
10. राम का भाई आ रही है ।
11. सालों पहले का बात है ।
12. शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होती है ।
13. भारत मेरी बचपन का हिंड़ोला है ।
14. रामकृष्ण परमहंस विवेकानंद का गुरु थे ।
15. हमारा देश का नाम भारत है ।
16. नई और तकनीकी शिक्षा की इंतजाम हुई ।
17. कलिंग के शैर्य का यह अमर कथा है ।
18. माधुर्य भाषा की एक गुण है ।
19. हमारे देश में अनेक नदी बहता है ।
20. परिश्रम करने से सफलता मिलता है ।

उत्तर (शुद्ध वाक्य)

1. श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं ।
2. एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में चर रही हैं ।
3. हमारे शिक्षक प्रश्न करते हैं ।
4. मैंने एक वर्ष तक उनकी प्रतीक्षा की ।
5. हम तो अवश्य जायेंगे ।
6. मैं आपके दर्शन करने आया हूँ ।
7. मेरे लिए बर्फ और आग लाओ ।
8. तब यह काम जरूर हो जाएगा ।
9. मै गाने का अभ्यास या रियाज कर रहा हूँ ।
10. राम का भाई आ रहा है ।
11. सालों पहले की बात है ।
12. शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है ।
13. भारत मेरे बचपन का हिंडोला है ।
14. रामकृष्ण परमहंस विवेकानंद के गुरु थे ।
15. हमारे देश का नाम भारत है ।
16. नई और तकनीकी शिक्षा का इंतजाम हुआ ।
17. कलिंग के शौर्य की यह अमर कथा है ।
18. माधुर्य भाषा का एक गुण है ।
19. हमारे देश में अनेक नदियाँ बहती हैं ।
20. परिश्रम करने से सफलता मिलती है ।

Eduodia App

वाक्य गठन

निम्न शब्दों को लेकर सही वाक्य बनाओ ।

1. सन्तोष
2. आसमान
3. मौसम
4. कोशिश
5. जबर्दस्त
6. घमण्ड़
7. वशीकरण
8. आत्मीयता
9. वचन
10. भाषण
11. आवश्यक
12. रोबदाब
13. अजीव
14. देहाती
15. नीड़
16. हृदय
17. मनुष्य
18. तलवार
19. प्रसन्न
20. जिज्ञासा

वाक्य गठन (उत्तर)

1. सन्तोष - सन्तोष से ही सुख प्राप्त होता है ।
2. आसमान - आसमान में चाँद चमकता है ।
3. मौसम - अब सर्दी का मौसम चल रहा है ।
4. कोशिश - सफलता प्राप्त करने के लिए हमेशा कोशिश जारी रखनी चाहिए ।
5. जबर्दस्त - शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है ।
6. घमण्ड - घमण्ड ही विनाश का कारण है ।
7. वशीकरण - मीठी बोली वशीकरण मन्त्र जैसी होती है ।
8. आत्मीयता - निजी बातचीत में आत्मीयता होनी चाहिए ।
9. वचन - मीठे वचन से चारों ओर सुख फैल सकता है ।
10. भाषण - मधुर भाषण का प्रभाव दिल पर पड़ता है ।
11. आवश्यकता - आवश्यकता आविष्कार की जननी है ।
12. रोबदाब - सारे मुहल्ले में उनका रोबदाब था ।
13. अजीब - यह दुनिया बड़ी अजीब है ।
14. देहाती - देहाती लोग सरल होते हैं ।
15. नीड़ - शाम को चिड़ियाँ नीड़ को लौटती है ।
16. हृदय - हृदय हमेशा निर्मल होना चाहिए ।
17. मनुष्य - मनुष्य सबसे बुद्धिमान प्राणी है ।
18. तलवार - तलवार से हृदय को जीता नहीं जा सकता है ।
19. प्रसन्न - उस समय वह बड़ा प्रसन्न था ।
20. जिज्ञासा - मनुष्य की अदम्य जिज्ञासा नया नया इतिहास रचती है ।

Eduodia App

लिंग और वचन (प्रश्न)

रेखांकित शब्दों का लिंग वदलकर वाक्य को फिर से लिखिए ।

1. बाघ गरज रहा है ।
2. गाय घास खाती है ।
3. छात्र मैदान में कसरत कर रहा है ।
4. कविता कवि के हृदय का उदगार है ।
5. धोबी कपड़ा धो रहा है ।
6. हाथी धीरे धीरे आता है ।
7. जंगल में मोर नाच रहा है ।
8. राजा ने प्रजा को आशीर्वाद दिया ।
9. शेरनी ने अपने बच्चे को शिकार करना सिखाया ।
10. कोयल कूक रही है ।
11. माली माला पिरोता है ।
12. दादी कहानी सुनाती है ।
13. लडके ने केला खाया ।
14. शिक्षक ने पढ़ाया ।
15. लेखक कहानी लिखेगा ।
16. पंडित खाना खा रहे हैं ।
17. भगवान की आराधना करो ।
18. साधु उपदेश देते हैं ।
19. साहब आज दौरे पर जाएँगी ।
20. विद्वान पुरुष की पूजा सर्वत्र होती है ।

रेखांकित शब्दों का वचन वदलकर वाक्य को फिर से लिखिए ।

21. कोयल कूकती है ।
22. कमरा खाली है ।
23. वह मेरा घर है ।
24. एक देवता की पूजा करो ।
25. उसने लड्डू खाया ।
26. वह घर जाएगा ।
27. लड़की को बुलाओ ।
28. इस मकान में एक आँगन है ।
29. पक्षी आसमान में उड़ता है ।
30. चिड़िया छत पर बैठी है ।
31. यह जादूगर का जादू है ।
32. उसकी आँखे लाल है ।
33. हाथी आ रहा है ।
34. राम ने राक्षसी को मारा ।
35. संतरा सड़ गया ।
36. अब यहाँ की स्थिति बदल गई है ।
37. उसने फल खाया ।
38. यह मेरी कलम है ।
39. मुझे तेरी याद आती है ।
40. उसने फूल तोड़ा ।

लिंग और वचन (उत्तर)

1. बाघिन गरज रही है ।
2. बैल घास खाता है ।
3. छात्रा मैदान में कसरत कर रही है ।
4. कविता कवयित्री के हृदय का उदगार है ।
5. धोबिन कपड़ा धो रही है ।
6. हथिनी धीरे धीरे आती है ।
7. जंगल में मोरनी नाच रही है ।
8. रानी ने प्रजा को आशीर्वाद दिया ।
9. शेर ने अपने बच्चे को शिकार करना सिखाया ।
10. नर कोयल कूक रहा है ।
11. मालिन माला पिरोती है ।
12. दादा कहानी सुनाते हैं ।
13. लड़की ने केला खाया ।
14. शिक्षिका ने पढ़ाया ।
15. लेखिका कहानी लिखेगी ।
16. पंडिताइन खाना खा रही है ।
17. भगवती की आराधना करो ।
18. साध्वी उपदेश देती हैं ।
19. मेम आज दौरे पर जाएँगी ।
20. विदुषी स्त्री की पूजा सर्वत्र हेती है ।
21. कोयलें कूकती हैं ।
22. कमरे खाली हैं ।
23. वे मेरे घर हैं ।
24. अनेक देवताओं की पूजा करो ।
25. उसने लडडू खाये ।
26. वे घर जाएँगे ।
27. लड़कियों को बुलाओ ।
28. इस मकान में अनेक आगँन हैं ।
29. पक्षी आसमान में उड़ते हैं ।
30. चिड़ियाँ छत पर बैठी है ।
31. ये जादूगर के जादू हैं ।
32. उसकी आँखें लाल हैं ।
33. हाथी आ रहे हैं ।
34. राम ने राक्षसियों को मारा ।
35. संतरे सड़ गये ।
36. अब यहाँ की स्थितियाँ बदल गई हैं ।
37. उसने फल खाये ।
38. ये मेरी कलमें हैं ।
39. मुझे तेरी यादें आती हैं ।
40. उसने फूल तोड़े ।

❑❑❑

Eduodia App

संस्कृतम्

(ସଂସ୍କୃତମ୍)

Edudia App

(THIRD LANGUAGE SANSKRIT)

ସୂଚୀପତ୍ରମ୍

କ୍ରମାଙ୍କଃ	ପ୍ରସଙ୍ଗଃ	ପୃଷ୍ଠା
❑	Syllabus for 2020 - 21	୩ - ୩
❑	Pattern of Question with Distribution of Marks	୪ - ୪
ଗଦ୍ୟବିଭାଗଃ		
୧.	ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ	୫ - ୮
୨.	ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ	୯ - ୧୨
୩.	ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍	୧୩ - ୧୬
ପଦ୍ୟବିଭାଗଃ		
୧.	ସୀତାୟାଃ ବନଗମନମ୍	୧୭ - ୨୧
ଅନୁଚ୍ଛେଦବିଭାଗଃ		୨୧ - ୨୪
୧.	ଅସାଧ୍ୟସାଧନମ୍	
୨.	ସନ୍ନିମିତ୍ତେ ବରଂ ତ୍ୟାଗଃ	
୩.	ବୁଦ୍ଧିର୍ଯସ୍ୟ ବଳଂ ତସ୍ୟ	
୪.	ଅହିଂସାଚରଣମ୍	
୫.	ଅସ୍ମାକଂ ରାଷ୍ଟ୍ରିୟଧ୍ୱଜଃ	
୬.	ହୀରାକୁଦବନ୍ଧଃ	
୭.	ପରବୁଦ୍ଧିର୍ଭୟଙ୍କରୀ	
ବ୍ୟାକରଣବିଭାଗଃ		
୧.	ସ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରତ୍ୟୟଃ	୨୫ - ୨୭
୨.	ସମାସଃ – ତତ୍‌ପୁରୁଷଃ ବହୁବ୍ରୀହିଃ, କର୍ମଧାରୟଃ	୨୭ - ୩୩
୩.	କୃଦନ୍ତଃ	୩୩ - ୩୬
୪.	ସନ୍ଧିବିଧାନଃ / ସନ୍ଧିବିଚ୍ଛେଦଃ	୩୭ - ୪୦
୫.	କାରକବିଭକ୍ତିଃ	୪୧ - ୪୩
୬.	ଏକପଦୀକରଣମ୍	୪୪ - ୪୬
୭.	ସଂସ୍କୃତାନୁବାଦଃ	୪୭ - ୪୮
୮.	ବାକ୍ୟରଚନମ୍	୪୮ - ୪୮

❑

Eduodia App

Odisha 1 to 10 All Books App

Class- X

3rd LANGUAGE SANSKRIT (TLS)

ONLY FOR THE ACADEMIC SESSION (2020-21)

EXISTING TOPICS

PRESCRIBED BOOK(S)

१.संस्कृतसाहित्यमन्जरी (Published by:- B.S.E,Odisha , Edition -2013)

ଗଦ୍ୟମ୍ :-

୧.ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ

୨. ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ

୩. ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍

ପଦ୍ୟମ୍ :-

୧.ସୀତାୟାଃ ବନଗମନମ୍

ଅନୁଚ୍ଛେଦଃ :-

୧.ଅସାଧ୍ୟସାଧନମ୍

୨.ସନ୍ନିମିତ୍ତେ ବରଂ ତ୍ୟାଗଃ

୩.ବୁଦ୍ଧିର୍ଯସ୍ୟ ବଳଂ ତସ୍ୟ

୪.ଅହିଂସାଚରଣମ୍

୫.ଅସ୍ମାକଂ ରାଷ୍ଟ୍ରିୟଧ୍ୱଜଃ

୬. ହୀରାକୁଦବନ୍ଧଃ

୭. ପରବୁଦ୍ଧିର୍ଭୟଙ୍କରୀ

୨.ସଂସ୍କୃତବ୍ୟାକରଣପ୍ରକାଶଃ (Published by:- B.S.E,Odisha , Edition -2013)

୧.ସ୍ତ୍ରୀପ୍ରତ୍ୟୟଃ

(i).ତତ୍ପୁରୁଷଃ (ପ୍ରାଦି ବ୍ୟତୀତ)

(ii).କର୍ମଧାରୟଃ (ଉପମିତ, ଉପମାନ, ରୂପକ ବ୍ୟତୀତ)

(iii).ବହୁବ୍ରୀହିଃ (ସମାନାଧିକରଣ, ବ୍ୟଧିକରଣ , ସହାର୍ଥକ)

୩.କୃଦନ୍ତଃ-(ଶତୃ, ଶାନଚ୍, ତବ୍ୟ, ଅନୀୟ, କ୍ତ, କ୍ତବତୁ,

କ୍ତ୍ୱା, ଲ୍ୟପ୍, ତୁମୁନ୍, କ୍ତ୍ୟୁଟ୍, ଘଞ୍)

Eduodia App

Odisha 1 to 10 All Books App

PATTERN OF QUESTION WITH DISTRIBUTION OF MARKS FOR ANNUAL HSC EXAMINATION , 2021

THIRD LANGUAGE SANSKRIT (TLS)

Time : 2 Hours **Full Mark : 80**

	Type of Questions	No. of Question × Mark
	OBJECTIVE PAPER	
1.	50 Multiple Choice Questions(MCQ)) (One Mark each) [Questions will be set from Prose , Poetry and Grammer]	50 X 1 = 50
	SUBJECTIVE PAPER	
	Three Subjective Type Questions (10 Marks each)	03 X 10 = 30
1.	Question No.01 (Alternative questions will be set from Prose & Poetry)	02 X 05 = 10
2.	Question No.02 (Alternative questions will be set from Anuchheda)	05 X 02 = 10
3.	Question No.03 Translation OR Sentence formation	05 X 02 = 10

Eduodia App

Odisha 1 to 10 All Books App

ଗଦ୍ୟବିଭାଗଃ

ସୁଶିଷ୍ୟ: ଉପମନ୍ୟୁ:

ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ

ବହୁ ବିକଳ୍ପ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର
(୧ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ)

1. महाभारतं केन विरचितम् ?
   (A) वाल्मीकिना (B) पतञ्जलिना
   (C) महर्षिव्यासेन (D) कालिदासेन
2. उपमन्यु: क: ?
   (A) द्रोणस्य शिष्य: (B) मनोर्शिष्य:
   (C) पतञ्जले: शिष्य: (D) धौम्यस्य शिष्य:
3. सुशिष्य: उपमन्यु: इति कथा कस्मात् आनीता ?
   (A) रामायणात् (B) रघुवंशात्
   (C) महाभारतात् (D) श्रीमद् भागवतात्
4. उपमन्यो: गुरोर्नाम किम् ?
   (A) धौम्य: (B) द्रोण:
   (C) पर्शुराम: (D) पतञ्जलि:
5. उपाध्याय: गो-रक्षणाय कं प्रेषयति स्म ?
   (A) आरुणिम् (B) उपमन्युम्
   (C) सुतनुम् (D) एकलव्यम्
6. उपाध्याय: उपमन्युं कुत्र प्रेषयति स्म ?
   (A) वनम् (B) क्षेत्रम्
   (C) गोरक्षणाय (D) विपणिम्
7. उपमन्यु: केन वृत्तिं करोति स्म ?
   (A) कृषिकर्मणा (B) भैक्ष्येण
   (C) पाठन क्रियया (D) व्यवसायेन
8. सायम् उपमन्यु: कुत्र स्थित्वा नमस्करोति स्म ?
   (A) मन्दिरम् अभित: (B) देवस्य समीपे
   (C) उपाध्यायस्य अग्रत: (D) श्रीजगन्नाथस्य समीपे
9. गुरुस्तं हृष्टपुष्टं दृष्ट्वा किमुवाच ?
   (A) वत्स ! केन वृत्तिं करोषि ?
   (B) वत्स ! कुशलं ते ?
   (C) वत्स ! कल्याणमस्तु।
   (D) वत्स ! आयुष्मान् भव।
10. भैक्ष्येण वृत्तिं करोमि इति केनोक्तम् ?
    (A) गुरुणा (B) बन्धुना
    (C) उपमन्युना (D) आरुणिना
11. नैतत् न्याय्यम् इति क: प्रत्यवदत् ?
    (A) गुरु: (B) शिष्य:
    (C) आपणिक: (D) चालक:
12. उपमन्यु: गुरवे किं न्यवेदयत् ?
    (A) सर्वं भैक्ष्यम् (B) फलम्
    (C) दुग्धम् (D) भक्तिम्
13. अपरभैक्ष्येण केषां वृत्त्युपरोधं करोषि इति गुरु: प्रत्यवदत् ?
    (A) ब्राह्मणानाम् (B) भैक्ष्योपजीवीनाम्
    (C) क्षत्रियाणाम् (D) बन्धूनाम्
14. क्षुधार्त्त: उपमन्यु: कानि अभक्षयत् ?
    (A) वटपत्राणि (B) अर्कपत्राणि
    (C) आम्रपत्राणि (D) निम्बपत्राणि
15. उपमन्यु: कथं नयनाभ्याम् अन्ध: अभवत् ?
    (A) उपवासस्य हेतो: (B) निम्वपत्रभक्षणेन
    (C) विल्वपत्रभक्षणेन (D) अर्कपत्रभक्षणेन
16. उपमन्यु: गच्छन् कुत्र अपतत् ?
    (A) गर्त्ते (B) पुष्करिण्याम्
    (C) कूपे (D) नद्याम्
17. कै: सार्द्धं गुरु: अरण्यं गत्वा उपमन्युम् आहूतवान् ?
    (A) शिष्यै: (B) सैन्यै:
    (C) ग्रामवासिभि: (D) जनै:
18. कौ अश्विनीकुमारौ ?
    (A) देवभिषजौ (B) जनभिषजौ
    (C) ग्रामभिषजौ (D) पशुभिजजौ
19. अश्विनीकुमारौ उपमन्युं किं भक्षयितुं प्राहतु: ?
    (A) पायसम् (B) पय:
    (C) अपूपम् (D) मधु

EduodiaApp

20. कस्मै अनिवेद्य अपूपं न भक्षयिष्यामि इति उपमन्युः प्राह ?
(A) पित्रे (B) मात्रे
(C) भ्रात्रे (D) गुरवे

21. लब्धचक्षुः उपमन्युः किम् अकरोत् ?
(A) स्वगृहं अगच्छत्
(B) उपाध्यायं निकषा गत्वा सर्वमवदत्
(C) आश्रमम् अगच्छत्
(D) कृषिक्षेत्रम् अगच्छत्

22. विषयानुसारेण कया किं न सिध्यति ?
(A) गुरुभक्त्या (B) पितृभक्त्या
(C) मातृभक्त्या (D) भ्रातृभक्त्या

23. अस्मिन्_____ पतितोऽहम्
(A) कूपे (B) गर्त्ते
(C) तडागे (D) समुद्रे

24. सः नियतं _____ नागच्छति ।
(A) लुब्धः (B) प्रसन्नः
(C) कुपितः (D) क्षुब्धः

25. तैः भक्षितैः उपमन्युः _____ संजातः।
(A) स्वस्थः (B) अस्वस्थः
(C) दृष्टिहीनः (D) प्रसन्नः

26. धौम्यस्य ऋषेः शिष्यः _____।
(A) शतमन्युः (B) उपमन्युः
(C) कृतमन्युः (D) अभिमन्युः

27. देवभिषजौ त्वां _____ करिष्यतः।
(A) आयुष्मन्तम् (B) यशस्वन्तम्
(C) शक्तिमन्तम् (D) चक्षुष्मन्तम्

28. क्षुधार्त्तः उपमन्युः _____ अभक्षयत्।
(A) आम्रपत्राणि (B) तुलसीपत्राणि
(C) विल्वपत्राणि (D) अर्कपत्राणि

29. _____ आज्ञा अविचारणीया।
(A) पितॄणाम् (B) मातॄणाम्
(C) गुरूणाम् (D) बन्धूनाम्

30. उपाध्यायः उपमन्युं _____ प्रेषयति स्म।
(A) गोरक्षणाय (B) वनाय
(C) भिक्षायाचनाय (D) कृषिकर्मणे

31. एतेन अन्येषां भैक्ष्योपजीविनां _____ करोषि।
(A) अन्यायम् (B) वृत्त्युपरोधम्
(C) अपकारम् (D) अपकर्षम्

32. उपमन्युः प्रत्यवादीत्_____ वृत्तिं करोमि।
(A) कृषिकर्मणा (B) दुग्धपानेन
(C) अन्नभोजनेन (D) भैक्ष्येण

33. अतः साधूक्तम्_____ किं न सिध्यति ।
(A) पितृभक्त्या (B) गुरुभक्त्या
(C) देवभक्त्या (D) मातृभक्त्या

34. महाभारतम् इति _____ इदं कथावस्तु आनीतम्।
(A) ऐतिहासिकग्रन्थात् (B) आर्षग्रन्थात्
(C) धर्मग्रन्थात् (D) नीतिग्रन्थात्

35. _____ सार्द्धं उपाध्यायः वनम् अगच्छत्।
(A) साधुभिः (B) छात्रैः
(C) शिष्यैः (D) शिशुभिः

36. उपमन्युः _____ प्रत्यवादीत्।
(A) मातरम् (B) भ्रातरम्
(C) आत्मनम् (D) गुरुम्

37. गुरवे अनिवेद्य _____ न भक्षयिष्यामि।
(A) पायसम् (B) पयः
(C) अपूपम् (D) मधु

38. महाभारतं _____ विरचितवान्।
(A) कालिदासः (B) व्यासदेवः
(C) वाल्मीकिः (D) वाणभट्टः

39. _____ सम्बन्धः अद्यापि अनुसरणीयः।
(A) पितापुत्रयोः (B) गुरुशिष्ययोः
(C) भ्राताभगिन्योः (D) मित्रयोः

40. _____ अग्रतः स्थित्वा उपमन्युः नमश्चकार।
(A) उपाध्यायस्य (B) ईश्वरस्य
(C) पर्वतस्य (D) भूनाथस्य

41. अश्विनीकुमारौ कया अतीव प्रीतौ ?
(A) गुरुभक्तिः (B) गुरुभक्त्या
(C) गुरुभक्तेः (D) गुरुभक्तिम्

Eduodia App

42. कः कूपे अपतत् ?
(A) धौम्यः (B) गौरवः
(C) अभिमन्युः (D) उपमन्युः

43. कस्य ऋषेः शिष्यः उपमन्युः ?
(A) वशिष्ठस्य (B) विश्वामित्रस्य
(C) धौम्यस्य (D) पराशरस्य

44. उपाध्यायः इति पदस्य कः अर्थः ?
(A) आपणिकः (B) छात्रः
(C) मुख्यमन्त्री (D) गुरुः

45. अन्धम् उपमन्युं गुरुः कस्य प्रार्थनां कर्त्तुम् उपदिष्टवान् ?
(A) मित्रस्य (B) अश्विनीकुमारद्वयस्य
(C) शिक्षकस्य (D) विधायकस्य

46. उपाध्यायस्य वचनं श्रुत्वा उपमन्युः किं प्रत्युवाच ?
(A) अस्मिन् गर्त्ते पतितोऽहम् (B) अस्मिन् तडागे पतितोऽहम्
(C) अस्मिन् वाप्यां पतितोऽहम् (D) अस्मिन् कूपे पतितोऽहम्

47. कः उपमन्योः सर्वं भैक्ष्यं गृहीतवान् ?
(A) उपाध्यायः (B) गोपालः
(C) रामः (D) श्यामः

48. उपमन्युः किमुक्त्वा गुरवे सर्बं भैक्ष्यं न्यवेदयत् ?
(A) यथा (B) अन्यथा
(C) सर्वथा (D) तथा इति

49. गुरवे अनिवेद्य किं न भोक्तव्यम् ?
(A) फलम् (B) शाकम्
(C) भैक्ष्यम् (D) पायसम्

50. गुरुः कदा उपमन्योः अन्वेषणं कृतवान् ?
(A) सूर्ये अस्तं गते (B) प्रभाते
(C) मक्ष्याह्ने (D) रात्तौ

ଉତ୍ତରାଣି

1. (C)	2. (D)	3. (C)	4. (A)	5. (B)	6. (C)	7. (B)	8. (C)	9. (A)	10. (C)
11. (A)	12. (A)	13. (B)	14. (B)	15. (D)	16. (C)	17. (A)	18. (A)	19. (C)	20. (D)
21. (B)	22. (A)	23. (A)	24. (C)	25. (C)	26. (B)	27. (D)	28. (D)	29. (C)	30. (A)
31. (B)	32. (D)	33. (B)	34. (B)	35. (C)	36. (D)	37. (C)	38. (B)	39. (B)	40. (A)
41. (B)	42. (D)	43. (C)	44. (D)	45. (B)	46. (D)	47. (A)	48. (D)	49. (C)	50. (A)

Eduodia App

ଦୀର୍ଘ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୫ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) निजभाषया प्रायशः वाक्यत्रयेण उत्तरं लिखत।

1. सुशिष्यः उपमन्युकथा कस्मात् आनीता ? अस्मिन् विषये का नीतिः प्रदर्शिता ?

ଉ. ପଠିତ 'ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ' ବିଷୟଟି ବ୍ୟାସଦେବଙ୍କ ବିରଚିତ ମହାଭାରତ ନାମକ ଗ୍ରନ୍ଥରୁ ଆନୀତ। ପ୍ରାଚୀନ କାଳରୁ ପ୍ରଚଳିତ ଗୁରୁ ଓ ଶିଷ୍ୟଙ୍କ ସମ୍ପର୍କ ଆଜି ମଧ୍ୟ ଅନୁସରଣ ଯୋଗ୍ୟ। 'ଗୁରୁମାନଙ୍କର ଆଜ୍ଞା ବିଚାର ନ କରି ପାଳନ କରିବା ଉଚିତ ।' ଏହି ନୀତି ଉକ୍ତ ବିଷୟରେ ଦର୍ଶାଇ ଦିଆଯାଇଛି ।

2. उपमन्युः गुरोः आश्रमे किं करोति स्म ?

ଉ. ଗୁରୁ ଧୌମ୍ୟ ମହର୍ଷିଙ୍କର ଶିଷ୍ୟ ଥିଲେ ଉପମନ୍ୟୁ। ସେ ପ୍ରତିଦିନ ଗୁରୁଙ୍କ ଆଦେଶରେ ଗାଈମାନଙ୍କୁ ଦିନରେ ଜଗୁଥିଲେ ଏବଂ ଦିବସାନ୍ତେ ଗୁରୁଙ୍କ ଆଗରେ ରହି ପ୍ରଣାମ କରୁଥିଲେ। ଏହା ଥିଲା ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କର ଗୁରୁଙ୍କ ଆଶ୍ରମରେ ପ୍ରତିଦିନର କାର୍ଯ୍ୟ।

3. उपमन्युः कथं आहारवृत्तिं अकरोत् ?

ଉ. ଧୌମ୍ୟ ମହର୍ଷିଙ୍କର ପରମ ଶିଷ୍ୟ ଉପମନ୍ୟୁ। ଗୁରୁଙ୍କ ଆଦେଶାନୁସାରେ ଦିନରେ ଗାଈମାନଙ୍କୁ ଜଗୁଥିଲେ ଏବଂ ସମୟ ସୁବିଧା ଦେଖି ଭିକ୍ଷାକରି ଆହାର ବୃତ୍ତି କରୁଥିଲେ। କାରଣ ବ୍ରହ୍ମଚାରୀ ନିଜର ଉଦର ପୋଷଣ ନିମନ୍ତେ ଭିକ୍ଷାବୃତ୍ତି କରିବା ସେସମୟର ବ୍ୟବସ୍ଥା ଥିଲା ।

4. उपमन्युः कथं गुरवे सर्वं भैक्ष्यं न्यवेदयत् ?

ଉ. ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କୁ ହୃଷ୍ଟପୁଷ୍ଟ ଦେଖି ଗୁରୁ ପଚାରିଲେ – 'ପୁତ୍ର ! ତୁମେ କିପରି ଆହାର ବ୍ୟବସ୍ଥା କରୁଛ ?' ଉପମନ୍ୟୁ ସବିନୟ ଉତ୍ତର

ଦେଲେ – ମୁଁ ଗାଈ ଜଗିବା ସହିତ ଭିକ୍ଷା କରି ଆହାର ବ୍ୟବସ୍ଥା କରୁଛି। ଗୁରୁ ସେଥିରୁ ନିଷିଦ୍ଧ କରି କହିଲେ – ଗୁରୁଙ୍କୁ ନ ଜଣାଇ ତୁମେ ଭିକ୍ଷାନ୍ନ ଭକ୍ଷଣ କରିବା ଅନୁଚିତ। ତା' ପରେ ଉପମନ୍ୟୁ ଯାହା ଭିକ୍ଷା କରୁଥିଲେ, ସମସ୍ତ ଭିକ୍ଷା ଗୁରୁଙ୍କୁ ଅର୍ପଣ କରୁଥିଲେ।

5. ''नैतत् न्याय्यम्'' इति गुरोः कथनस्य कः अभिप्रायः ?

ଉ. ଗୁରୁ ଧୌମ୍ୟଙ୍କର ଆଦେଶରେ ଉପମନ୍ୟୁ ସମସ୍ତ ଭିକ୍ଷା ଗୁରୁଙ୍କୁ ଅର୍ପଣ କରୁଥିଲେ। ତଥାପି ହୃଷ୍ଟପୁଷ୍ଟ ଦେଖି ଗୁରୁ ପଚାରିବାରୁ ଉପମନ୍ୟୁ କହିଲେ – ପ୍ରଥମଥର ଭିକ୍ଷା ଆପଣଙ୍କୁ ଅର୍ପଣ କରି ପୁନର୍ବାର ଭିକ୍ଷାଟନ କରୁଛି। ସେଥିରେ ପେଟ ପୋଷୁଛି। ଗୁରୁ କହିଲେ – ଏହା ଯୁକ୍ତିସଙ୍ଗତ ନୁହେଁ, ଏହାଦ୍ୱାରା ଅନ୍ୟ ଭିକ୍ଷୁକମାନଙ୍କ ଜୀବିକାରେ ତୁମେ ବାଧା ସୃଷ୍ଟି କରୁଛ। ଏମିତି କରିବା ଅନୁଚିତ।

6. उपमन्युः कथं दृष्टिहीनः सन् कूपे अपतत् ?

ଉ. ଗୁରୁ ଧୌମ୍ୟ ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କୁ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାର ଆହାର ବୃତ୍ତିରୁ ନିଷିଦ୍ଧ କଲେ। ଶେଷରେ ଉପାୟହୀନ ଉପମନ୍ୟୁ କ୍ଷୁଧା ସମ୍ବରଣ କରିନପାରି ଅରଖପତ୍ରଗୁଡ଼ିଏ ଖାଇଦେଲେ। ଫଳରେ ସେ ଦୃଷ୍ଟିହୀନ ହୋଇ ବଣରେ ବୁଲୁଥିବା ବେଳେ କୌଣସି ଏକ କୂଅରେ ପଡ଼ିଗଲେ।

7. कथं गुरुः उपमन्योः अन्वेषणं कृतवान् ?

ଉ. ସୂର୍ଯ୍ୟ ଅସ୍ତ ହୋଇଯିବା ପରେ ମଧ୍ୟ ଉପମନ୍ୟୁ ଆଶ୍ରମକୁ ନ ଫେରିବାରୁ ଗୁରୁ ଧୌମ୍ୟ ବିଚଳିତ ହୋଇପଡ଼ିଲେ। ଅନ୍ୟ ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କୁ କହିଲେ – ମୁଁ ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କୁ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାର ଆହାର ବୃତ୍ତିରୁ ବାରଣ କରିବାରୁ ସେ ନିଶ୍ଚୟ ରାଗରେ ଫେରିନାହିଁ। ତେଣୁ ଚାଲ ତାକୁ ଖୋଜିବା, ଏହା କହି ଗୁରୁ ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କୁ ଖୋଜିବାପାଇଁ ଅନ୍ୟ ଶିଷ୍ୟମାନଙ୍କ ସହିତ ଅରଣ୍ୟକୁ ଯାଇ ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କୁ ଡାକିଲେ।

8. केन प्रकारेण अन्धः उपमन्युः चक्षुर्द्वयं प्राप्तवान् ?

ଉ. ଗୁରୁଙ୍କ ଉପଦେଶ ଅନୁସାରେ ଉପମନ୍ୟୁ ଦେବବୈଦ୍ୟ ଅଶ୍ୱିନୀକୁମାର ଦ୍ୱୟଙ୍କୁ ସ୍ମରଣ କଲେ। ତାଙ୍କ ସ୍ତୁତିରେ ପ୍ରୀତ ହୋଇ ଅଶ୍ୱିନୀକୁମାରଦ୍ୱୟ ଆସି ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କୁ ଗୋଟିଏ ପିଠା ଖାଇବାକୁ ଦେଲେ। କିନ୍ତୁ ଗୁରୁଭକ୍ତ ଉପମନ୍ୟୁ ଗୁରୁଙ୍କ ବିନା ଅନୁମତିରେ ପିଠା ଖାଇପାରିବେ ନାହିଁ ବୋଲି କହିଲେ। ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କର ଏପରି ସ୍ୱର୍ଗୀୟ ଗୁରୁଭକ୍ତିରେ ଅତ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରୀତ ହୋଇ ଅଶ୍ୱିନୀକୁମାରଦ୍ୱୟ ତାଙ୍କୁ ଚକ୍ଷୁଷ୍ମାନ୍ କରିଦେଲେ।

9. प्रसन्नौ अश्विनीकुमारौ उपमन्युं किं प्राहतुः ?

ଉ. ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କ ସ୍ତୁତିରେ ଅଶ୍ୱିନୀକୁମାର ଦୁହେଁ ପ୍ରସନ୍ନ ହୋଇ ତାଙ୍କୁ ପ୍ରଥମେ ପିଠାଟି ଖାଇବାକୁ କହିଲେ। ଗୁରୁଙ୍କୁ ନ ଜଣାଇ ପିଠା ଖାଇବେ ନାହିଁ ବୋଲି ଉପମନ୍ୟୁ କହିବାରୁ ସେ ଦୁହେଁ କହିଲେ – 'ଆମେ ତୁମ ଗୁରୁଭକ୍ତିରେ ଅତ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରୀତ। ଚକ୍ଷୁଷ୍ମାନ୍ ହୁଅ। ତୁମର କଲ୍ୟାଣ ହେବ ଏବଂ ଖ୍ୟାତି ଅର୍ଜ୍ଜନ କର।'

10. प्रीतिमान् उपाध्यायः उपमन्युं किम् अवदत् ?

ଉ. ଉପମନ୍ୟୁଙ୍କ ଗୁରୁଭକ୍ତିରେ ପ୍ରୀତ ହୋଇ ଉପାଧ୍ୟାୟ କହିଲେ – 'ପୁତ୍ର ! ଅଶ୍ୱିନୀକୁମାରଦ୍ୱୟ ଯେମିତି କହିଛନ୍ତି ସେହିପରି ତୁମର ମଙ୍ଗଳ ହେବ। ସମସ୍ତ ବେଦ ଓ ଧର୍ମଶାସ୍ତ୍ରରେ ତୁମେ ପାଣ୍ଡିତ୍ୟଲାଭ କରିବ। ତୁମେ ସର୍ବଶାସ୍ତ୍ରଜ୍ଞ ହୋଇ ଅକ୍ଷୟ ଯଶର ଅଧିକାରୀ ହେବ।

ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୨ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) संक्षेपेण निजभाषया उत्तरं लिखत।

1. उपमन्युकथायां का नीतिः प्रदर्शिता ?

ଉ. 'ଗୁରୁମାନଙ୍କର ଆଦେଶକୁ ବିନା ବିଚାରରେ ଗ୍ରହଣ କରିବା ଉଚିତ' ଏହି ନୀତି ଏହି ବିଷୟରେ ଦେଖିବାକୁ ମିଳେ।

2. उपमन्युः केन वृत्तिं करोति स्म ?

ଉ. ସୁଶିଷ୍ୟ ଉପମନ୍ୟୁ ଭିକ୍ଷାଲବ୍ଧ ଦ୍ରବ୍ୟଦ୍ୱାରା ଜୀବିକା ନିର୍ବାହ କରୁଥିଲେ।

3. उपमन्युः कौ स्तुतवान् ?

ଉ. ସୁଶିଷ୍ୟ ଉପମନ୍ୟୁ ଗୁରୁ ଧୌମ୍ୟଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶରେ ସ୍ୱର୍ଗବୈଦ୍ୟ ଅଶ୍ୱିନୀକୁମାରଦ୍ୱୟଙ୍କୁ ପ୍ରାର୍ଥନା କରିଥିଲେ।

4. उपमन्युः कथं दृष्टिहीनः सञ्जातः ?

ଉ. ସୁଶିଷ୍ୟ ଉପମନ୍ୟୁ କ୍ଷୁଧାରେ ଆତୁର ହୋଇ ଅରଖ ପତ୍ରଗୁଡ଼ିକ ଖାଇ ଦୃଷ୍ଟିଶକ୍ତି ହରାଇଥିଲେ।

5. किं साधूक्तम् ?

ଉ. ଗୁରୁଭକ୍ତି ଦ୍ୱାରା କ'ଣ ବା ସିଦ୍ଧି ନ ହୁଏ ?

Odisha 1 to 10 All Books App

स्वामी विवेकानन्दः

ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ

ବହୁ ବିକଳ୍ପ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର
(୧ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ)

1. कः ज्योतिपुरुषः ?
   (A) रामकृष्णः (B) वैदनाथः
   (C) विवेकानन्दः (D) विश्वनाथः
2. के दिव्यपुरुषाः ?
   (A) मानवाः (B) महामानवाः
   (C) पुण्यमानवाः (D) पुण्यकर्मणः
3. जीवनपोतं वाहयतः जनान् कूलमानेतुं कः दिशः निर्दिशति ?
   (A) देवदत्तः (B) कालिदासः
   (C) सदानन्दः (D) विवेकानन्दः
4. कस्मिन् ख्रीष्टाब्दे विवेकानन्दस्य जन्म अभवत् ?
   (A) 1863 (B) 1857
   (C) 1893 (D) 1869
5. कः विवेकानन्दस्य पिता ?
   (A) रामदत्तः (B) वोपदेवः
   (C) विश्वनाथदत्तः (D) परमहंसः
6. विवेकानन्दस्य माता का ?
   (A) कल्याणीदेवी (B) अम्बादेवी
   (C) गायत्रीदेवी (D) भुवनेश्वरी देवी
7. विवेकानन्दः कस्मिन् नगरे जातः ?
   (A) कोलकाता (B) मुम्बाई
   (C) वारणासी (D) सम्वलपुर
8. विवेकानन्दस्य माता तं स्नेहेन किम् आहूतवती ?
   (A) निलु (B) सिलु
   (C) विलु (D) कुलु
9. स्वामी विवेकानन्दः कीदृशः ?
   (A) लोकप्रसिद्धः (B) विश्वप्रसिद्धः
   (C) कोलकाताप्रसिद्धः (D) उत्कलप्रसिद्धः
10. 'पुत्र ! आजीवनं पवित्रो भव।' इति का उक्तवती ?
    (A) भ्राता (B) सखा
    (C) पिता (D) माता
11. आत्मसम्मानं ——।
    (A) भव (B) रक्ष
    (C) पश्य (D) वद
12. अन्यस्य — मा कुरु।
    (A) उपकारम् (B) सम्मानहानिम्
    (C) कल्याणम् (D) सेवाम्
13. कस्याः उपदेशः स स्वजीवने आचरितवान् ?
    (A) पितुः (B) गुरोः
    (C) मातुः (D) मित्रस्य
14. विवेकानन्दः कीदृशः पुरुषः ?
    (A) ज्योतिः पुरुषः (B) राजपुरुषः
    (C) ज्ञानीपुरुषः (D) देवपुरुषः
15. कः चूनां कृतेऽद्यापि उत्साहोद्दीपनालोकं किकिरति ?
    (A) वशिष्ठः (B) विश्वामित्रः
    (C) विवेकानन्दः (D) रामचन्द्रः
16. महामानवाः कुतः पृथिवीम् अवतरन्ति ?
    (A) प्रासादात् (B) गृहात्
    (C) वायुमण्डलात् (D) अमरधाम्नः
17. महापुरुषाः स्वल्पजीवनकाले किं साधयन्ति ?
    (A) महत् कार्यम् (B) धर्मकार्यम्
    (C) कृषिकार्यम् (D) राजकार्यम्
18. विवेकानन्दः कान् कूलमानेतुं दिशः निर्दिशति ?
    (A) बालान् (B) प्रदेशान्
    (C) जनान् (D) सेवकान्

Eduodia App

19. केषां कृते विवेकानन्दः उद्दीपनालोकं विकिरति ?
(A) बालकानाम् (B) वृद्धानाम्
(C) लोकानाम् (D) यूनाम्

20. योगजन्मनः तस्य अमृतवाणी धरापृष्ठम् अद्यावधि — गङ्गेव चिरं पवित्री करोति।
(A) चिरस्रोता (B) खरस्रोता
(C) बहुस्रोता (D) अतिस्रोता

21. वेलुरग्रामः कुत्र वर्त्तते ?
(A) मुम्बायाम् (B) द्वारकायाम्
(C) कोलकातायाम् (D) वारणस्याम्

22. विवेकानन्दस्य बाल्यनाम किम् आसीत् ?
(A) वद्रिनाथः (B) द्वारिकानाथः
(C) विश्वनाथः (D) नरेन्द्रनाथः

23. ईश्वरानुसन्धाने व्याकुलः विवेकानन्दः कं निकषा गतवान् ?
(A) रामकृष्णपरमहंसम् (B) अभिरामपरमहंसम्
(C) राधानाथपरमहंसम् (D) सुधानन्दपरमहंसम्

24. बाल्यात् कः ईश्वरजिज्ञासुः आसीत् ?
(A) अभिरामः (B) गोपीनाथः
(C) गुरुदत्तः (D) विवेकानन्दः

25. कस्य शिष्यः विवेकानन्दः ?
(A) हरिहरस्य (B) विश्वनाथस्य
(C) रामकृष्णस्य (D) राममोहनस्य

26. अनेत उत्तरेण रामकृष्णपरमहंसे तस्य — जातः ।
(A) पूर्णः अविश्वासः (B) पूर्णः विश्वासः
(C) पूर्णः विरक्तः (D) पूर्णः अनुरागः

27. अथ — गुरुरूपेण स्वीकृतवान् ।
(A) त्वमेव (B) भवानेव
(C) तामेव (D) तमेव

28. योग्यगुरोः योग्यशिष्यस्य च संयोगः कीदृशः आसीत् ?
(A) पूर्वनिर्दिष्टः (B) सर्वकारनिर्दिष्टः
(C) दैवनिर्दिष्टः (D) सद्यनिर्दिष्टः

29. विश्वस्य आध्यात्मिकक्षेत्रे महती का प्रतिष्ठिता ?
(A) धारा (B) परम्परा
(C) सरणी (D) ज्ञानम्

30. विश्वकल्याणार्थं किं प्रतीक्षितः ?
(A) शुभमुहूर्तः (B) विवक्षितः
(C) सुरक्षितः (D) अशुभमुहूर्तः

31. आध्यात्मिकज्ञानवृद्धये विवेकानन्दः किम् अधीतवान् ?
(A) आस्तिकदर्शनम् (B) नास्तिकदर्शनम्
(C) प्राच्यपाश्चात्यदर्शनम् (D) प्राच्यदर्शनम्

32. विवेकानन्दस्य स्मृतिशक्तिः कीदृशी आसीत् ?
(A) सत्वरा (B) प्रखरा
(C) निष्ठुरा (D) मधुरा

33. कस्मिन् वर्षे विश्वधर्मसम्मेलनं चिकागो नगरे अभवत् ?
(A) 1863 (B) 1857
(C) 1893 (D) 1869

34. विश्वधर्मसम्मेलनं कुत्र अभवत् ?
(A) आमेरिकायाम् (B) कोलकातायाम्
(C) वाराणास्याम् (D) द्वारिकायाम्

35. विश्वधर्मसम्मेलने विवेकानन्दः किं संबोधितवान् ?
(A) विश्वस्य भ्रातरः भगिन्यश्च
(B) आमेरिकादेशस्था भ्रातरः भगिन्यश्च।
(C) विदेशस्थाः भ्रातरः भगिन्यः च।
(D) भ्रातरः भगिन्यश्च।

36. कस्य स्मृतिशक्तिः प्रखरा आसीत् ?
(A) माधवस्य (B) मेधाविनः
(C) विवेकानन्दस्य (D) जीवस्य

37. भवान् भगवन्तं — अस्ति ?
(A) पृष्टवान् (B) दृष्टवान्
(C) ज्ञातवान् (D) श्रुतवान्

38. केषां कृते विवेकानन्दस्य हृदयं विगलितमासीत् ?
(A) रोगिणाम् (B) मानवानाम्
(C) प्राणिनाम् (D) दरिद्राणाम्

Eduodia App

39. कस्य सर्वविधकल्याणार्थं विवेकानन्दः यत्नपरः आसीत् ?
(A) दरिद्राणाम् (B) वनवासिनाम्
(C) लोकसमुदायस्य (D) हरिजनानाम्

40. विवेकानन्दस्य जीवनचरितं किमर्थम् आदर्शस्थानीयम् ?
(A) उत्तममानवनिर्माणार्थम् (B) सन्न्यासी निर्मणार्थम्
(C) ज्ञानीगुरुनिर्माणार्थम् (D) राजनेतानिर्माणार्थम्

41. प्रसङ्गानुसारेण का रत्नगर्भा ?
(A) यशोदादेवी (B) सावित्रीदेवी
(C) भुवनेश्वरीदेवी (D) अहल्यादेवी

42. अयं शुभमुहूर्त्तः विश्वकल्याणार्थं चिरादेव —।
(A) सुरक्षितः (B) अप्रतीक्षितः
(C) विपक्षितः (D) प्रतीक्षितः

43. कस्मिन् विषये भाषणं प्रदाय विवेकानन्दः सकलान् चमत्कृतवान् ?
(A) अस्माकं कुटुम्बकम् (B) युष्माकं कुटुम्बकम्
(C) वसुधैव कुटुम्बकम् (D) ब्रह्माण्डैवकुटुम्बकम्

44. दरिद्राणां साहाय्यार्थं — उद्बोधयति स्म ?
(A) लोकान् (B) वृद्धान्
(C) शिशून् (D) बालान्

45. सन्न्यासी अपि स्वजनन्याः दुःखानि निवारयितुं— अचेष्टत।
(A) अकस्मात् (B) स्वः
(C) परहृयः (D) सततम्

46. महामानवाः अमरधाम्नः कुत्र अवतरन्ति ?
(A) स्वर्गम् (B) पृथिवीम्
(C) पातालम् (D) अन्तरिक्षम्

47. प्रसङ्गानुसारेण कः उत्तमो मानवो भवति ?
(A) यः पितरं पूजयति (B) यः गुरुं पूजयति
(C) यः देवं पूजयति (D) यः मातरं पूजयति

48. कोलकातायाः कस्मिन् ग्रामे विवेकानन्दः मठम् अस्थापयत् ?
(A) नान्दरग्रामे (B) वेलुरग्रामे
(C) नदीयाग्रामे (D) लुणाहारग्रामे

49. प्रायशः कस्य पुत्राः न खलु दीर्घजीविनः ?
(A) मानवस्य (B) ईश्वरस्य
(C) दानवस्य (D) रक्षकस्य

50. कस्मिन् वर्षे विवेकानन्दः इहलीलां समापितवान् ?
(A) १९०२ (B) १८६३
(C) १८९३ (D) १९०४

Eduodia App

ଉତ୍ତରାଣି

1. (C)	2. (B)	3. (D)	4. (A)	5. (C)	6. (D)	7. (A)	8. (C)	9. (B)	10. (D)
11. (B)	12. (B)	13. (C)	14. (A)	15. (C)	16. (D)	17. (A)	18. (C)	19. (D)	20. (A)
21. (C)	22. (D)	23. (A)	24. (D)	25. (C)	26. (B)	27. (D)	28. (C)	29. (B)	30. (A)
31. (C)	32. (B)	33. (C)	34. (A)	35. (B)	36. (C)	37. (B)	38. (D)	39. (C)	40. (A)
41. (C)	42. (D)	43. (C)	44. (A)	45. (D)	46. (B)	47. (D)	48. (B)	49. (B)	50. (A)

ଦୀର୍ଘ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୫ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) निजभाषया प्रायशः वाक्यत्रयेण उत्तरं लिखत।

1. विवेकानन्दः कदा कुत्र च अजायत ?

ଉ. ଜ୍ୟୋତିଃପୁରୁଷ ବିବେକାନନ୍ଦ ୧୮୬୩ ମସିହା ଜାନୁଆରୀ ୧୨ ତାରିଖରେ କୋଲକାତା ସହରରେ ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ସେ ଜନ୍ମ ନେଇଥିବା ପରିବାର ଏକ କୁଳୀନ ପରିବାର। ସେ ପିତା ବିଶ୍ୱନାଥ ଦତ୍ତ ଓ ମାତା ଭୁବନେଶ୍ୱରୀ ଦେବୀଙ୍କ କୋଳମଣ୍ଡନ କରିଥିଲେ।

2. महामानवाः किं कुर्वन्ति ?

ଉ. ମହାମାନବମାନେ ଦିବ୍ୟପୁରୁଷ ଅଟନ୍ତି। ସେମାନେ ସ୍ୱର୍ଗଧାମରୁ ପୃଥିବୀକୁ ଅବତରଣ କରିଥାନ୍ତି। ମାନବଜାତି, ଧର୍ମ ଓ ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱର କଲ୍ୟାଣପାଇଁ ସ୍ୱଳ୍ପ ଜୀବନକାଳ ମଧ୍ୟରେ ସେମାନେ ମହତ୍‌କାର୍ଯ୍ୟ ସଂପାଦନକରି ପୁନଶ୍ଚ ସ୍ୱର୍ଗଧାମକୁ ଫେରିଯା'ନ୍ତି।

3. विश्वकल्याणार्थं कीदृशः शुभमुहूर्त्तः प्रतीक्षितः ?

ଉ. ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ଶ୍ରୀ ରାମକୃଷ୍ଣ ପରମହଂସଙ୍କୁ ଗୁରୁ ରୂପରେ ଗ୍ରହଣ କଲେ । ରାମକୃଷ୍ଣ ମଧ୍ୟ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କୁ ଶିଷ୍ୟ ଭାବରେ ସ୍ୱୀକାର କଲେ । ଯୋଗ୍ୟଗୁରୁ ଓ ଯୋଗ୍ୟଶିଷ୍ୟଙ୍କର ମିଳନ ଦେବନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଥିଲା । ବିଶ୍ୱର ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଏକ ମହାନ୍ ପରମ୍ପରା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ହେଲା । ଏହା ସତ୍ୟ ଯେ, ଏହି ଶୁଭବେଳାକୁ ଯେପରି ସମସ୍ତେ ପ୍ରତୀକ୍ଷା କରିଥିଲେ ।

4. कथं विवेकानन्दः स्मृतिपटले सर्वं निधातुं शेक्नोति स्म ?

ଉ. ଆଦର୍ଶପୁରୁଷ ବିବେକାନନ୍ଦ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜ୍ଞାନବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ପ୍ରାଚ୍ୟ ପାଶ୍ଚାତ୍ୟ ଦର୍ଶନଗୁଡ଼ିକୁ ଅଧ୍ୟୟନ କରିଥିଲେ । ବିବେକାନନ୍ଦ ଅତ୍ୟନ୍ତ ମେଧାବୀ ଥିଲେ । ତାଙ୍କର ସ୍ମୃତିଶକ୍ତି ଅତିପ୍ରଖର ଥିଲା । ଥରେ ମାତ୍ର ପଠନ ବା ଶ୍ରବଣଦ୍ୱାରା ତାଙ୍କ ସ୍ମୃତିପଟ୍ଟରେ ସବୁକିଛି ସବୁଦିନ ପାଇଁ ରହିଯାଉଥିଲା ।

5. विवेकानन्दः कथं विश्वविश्रुतः अभवत् ?

ଉ. କାଳଜୟୀ ମହାନ୍ ଦାର୍ଶନିକ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ୧୮୯୩ ମସିହା ସେପ୍ଟେମ୍ବର ୧୧ ତାରିଖରେ ଆମେରିକାର ଚିକାଗୋ ବିଶ୍ୱଧର୍ମ-ସମ୍ମିଳନୀରେ ଯୋଗଦେଇ ଆମେରିକାର ଅଧିବାସୀଙ୍କୁ ଭାଇ ଓ ଭଉଣୀ ସମ୍ବୋଧନ କରିବା ପରେ ସଭାସ୍ଥଳ କରତାଳି ଦ୍ୱାରା ପ୍ରକମ୍ପିତ ହୋଇଥିଲା । ସେ 'ବସୁଧୈବ କୁଟୁମ୍ବକମ୍' ଅର୍ଥାତ୍ ଏହି ପୃଥିବୀ ଏକ ପରିବାର, ଏହି ବିଷୟଆଧାରରେ ଭାଷଣ ପ୍ରଦାନ କରି ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଚମତ୍କୃତ କରିଦେଇଥିଲେ । କେବଳ ସନାତନ ଧର୍ମ ବିଷୟରେ ନୁହେଁ ଅପିତୁ ମାନବଧର୍ମର ପ୍ରସାର ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ସମୁଚିତ ଭାଷଣ ଦେଇ ସେ ବିଶ୍ୱବିଖ୍ୟାତ ହୋଇଥିଲେ ।

6. अद्यापि ज्ञानालोकैः के विश्वम् उद्भासयन्ति ?

ଉ. ପ୍ରାୟତଃ ଈଶ୍ୱରଙ୍କର ସନ୍ତାନମାନେ ଦୀର୍ଘଜୀବୀ ନୁହଁନ୍ତି । ସୁତରାଂ ସେମାନେ ଅଳ୍ପଜୀବନକାଳ ମଧ୍ୟରେ ସଂସାରର ଅନେକ ଉନ୍ନତି ସାଧନ କରନ୍ତି । ଯୋଗଜନ୍ମା କାଳଜୟୀ ସେହି ମହାପୁରୁଷମାନେ ଆଜିମଧ୍ୟ ବିଶ୍ୱକୁ ଜ୍ଞାନରୂପକ ଆଲୋକରେ ଉଦ୍‌ଭାସିତ କରୁଛନ୍ତି ।

7. 'रामकृष्णमिशन्' माध्यमेन किं भवति ?

ଉ. ଦିବ୍ୟପୁରୁଷ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କ ପ୍ରଚେଷ୍ଟାରେ କୋଲକାତାର ବେଲୁର୍ ନଗରରେ ଗୁରୁରାମକୃଷ୍ଣ ପରମହଂସଙ୍କ ନାମରେ ମଠ ସ୍ଥାପିତ ହୋଇଛି । ସେଠାରେ ସନାତନ ଧର୍ମର ମୌଳିକତତ୍ତ୍ୱର ପ୍ରଚାର ସହିତ ଦରିଦ୍ରମାନଙ୍କର ମଧ୍ୟ ସେବା କରାଯାଉଛି । 'ରାମକୃଷ୍ଣ ମିଶନ୍' ମାଧ୍ୟମରେ ଯୁବକମାନଙ୍କୁ ଅନୁପ୍ରାଣିତ କରାଯାଇ ସଂପ୍ରତି ବିଶ୍ୱର ଅନେକ ସ୍ଥାନରେ ସେବାକାର୍ଯ୍ୟ କରାଯାଉଛି ।

8. माता विवेकानन्दं किम् उक्तवती ?

ଉ. ସ୍ୱଭାବସରଳା ମାତା ଭୁବନେଶ୍ୱରୀ ଦେବୀ ନିଜ ପୁତ୍ର ଆଦରର 'ବିଲୁ'କୁ ଉପଦେଶ ଦେଇ କହୁଥିଲେ – 'ରେ ପୁତ୍ର ! ଜୀବନ ଥିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପବିତ୍ର ରୁହ । ନିଜ ଆତ୍ମସମ୍ମାନ ରକ୍ଷାକର, ଅନ୍ୟର ସମ୍ମାନହାନି କରନାହିଁ ।' ବିବେକାନନ୍ଦ ମଧ୍ୟ ନିଜ ଜୀବନରେ ମା'ଙ୍କର ଉପଦେଶକୁ ପାଳନ କରିଥିଲେ ।

9. सफलं जीवनं किम् ?

ଉ. ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ସନ୍ନ୍ୟାସୀ ହୋଇ ମଧ୍ୟ ନିଜ ମାଆଙ୍କର ଦୁଃଖ ଦୂର କରିବାକୁ ସବୁବେଳେ ଚେଷ୍ଟା କରୁଥିଲେ । ତାଙ୍କ ମତରେ, ଯିଏ ମା'ଙ୍କୁ ଠିକ୍ ଭାବରେ ପୂଜା କରେ, ସେ ନିଶ୍ଚିତ ଭଲ ମନୁଷ୍ୟ ହେବ । ପ୍ରତିକୂଳ ଅବସ୍ଥାରେ ନିଜର ପ୍ରକାଶ ଓ ବିକାଶ ଦୁଇଟିର ନାମ ହିଁ ସଫଳ ଜୀବନ ।

10. विवेकानन्दस्य जीवनचरितं कथम् आदर्शस्थानीयम् ?

ଉ. ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜ୍ଞାନଗୁରୁ, ମହାନ୍ ଦାର୍ଶନିକ ତଥା ସମାଜ ସଂସ୍କାରକ ଥିଲେ । ସମଗ୍ର ମାନବଜାତିର ସର୍ବବିଧ କଲ୍ୟାଣ ସାଧନ କରିବା ପାଇଁ ସେ ସର୍ବଦା ଯତ୍ନଶୀଳ ଥିଲେ । ତେଣୁ ତାଙ୍କର ଜୀବନ ଚରିତ ଉତ୍ତମମାନବ ଗଠନ କରିବା ପାଇଁ ଆଦର୍ଶସ୍ଥାନୀୟ ହେବା ଉଚିତ ।

संक्षिप्त प्रश्नोत्तर

(୨ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) संक्षेपेण निजभाषया उत्तरं लिखत ।

1. के दिव्यपुरुषाः ?

ଉ. ମହାମାନବମାନେ ଦିବ୍ୟପୁରୁଷ ଅଟନ୍ତି ।

2. के पृथिवीम् अवतरन्ति ?

ଉ. ମହାପୁରୁଷମାନେ ସ୍ୱର୍ଗଧାମରୁ ପୃଥିବୀପୃଷ୍ଠକୁ ଅବତରଣ କରନ୍ତି ।

3. कयोः संयोगः दैवनिर्दिष्टः ?

ଉ. ଯୋଗ୍ୟଗୁରୁ ରାମକୃଷ୍ଣ ପରମହଂସଙ୍କ ସହିତ ଯୋଗ୍ୟ ଶିଷ୍ୟ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କର ସୁସଂଯୋଗ ବିଧିନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଥିଲା ।

4. विवेकानन्दः बाल्यात् कीदृशः आसीत् ?

ଉ. ପିଲାଦିନରୁ ବିବେକାନନ୍ଦ ଜ୍ଞାନପିପାସୁ, ଈଶ୍ୱରବିଶ୍ୱାସୀ ଏବଂ ଈଶ୍ୱର ଜିଜ୍ଞାସୁ ଥିଲେ ।

5. विवेकानन्दः रामकृष्णपरमहंसं किं पृष्टवान् ?

ଉ. ବିବେକାନନ୍ଦ ରାମକୃଷ୍ଣପରମହଂସଙ୍କୁ ପଚାରିଲେ – 'ହେ ମହାଶୟ ! ଆପଣ ଭଗବାନଙ୍କୁ ଦେଖିଛନ୍ତି' ? ।

Odisha 1 to 10 All Books App

शिशुवात्सल्यम्

ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍

ବହୁ ବିକଳ୍ପ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର
(୧ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ)

1. कविकुललालाटमुकुटमणिः कः ?
   (A) जयदेवः (B) कालिदासः
   (C) सारलादासः (D) जयकान्तः
2. अभिज्ञानशाकुन्तलं नाटकं _____।
   (A) गम्यम् (B) साम्यम्
   (C) रम्यम् (D) सुन्दरम्
3. मृत्तिकामयूरं का आनीतवती ?
   (A) प्रथमा तापसी (B) द्वितीया तापसी
   (C) माता (D) शिष्यः
4. जातकर्मसमये केन अपराजिता नामौषधिः दत्ता ?
   (A) महाराजेन (B) मात्रा
   (C) मारीचेन (D) पित्रा
5. नामसादृश्येन वञ्चितो _____।
   (A) भ्रातृवत्सलः (B) पितृवत्सलः
   (C) मातृवत्सलः (D) स्वसृवत्सलः
6. मृत्तिकामयूरः _____ तिष्ठति।
   (A) उटजे (B) भवने
   (C) प्रकोष्ठे (D) प्रासादे
7. रक्षाकरण्डकस्य नाम किम् आसीत् ?
   (A) सुनीता (B) सुजाता
   (C) सीता (D) अपराजिता
8. _____ अविनीतः आसीत् ।
   (A) सरोजः (B) सर्वदमनः
   (C) मानसः (D) वरद
9. परदारव्यवहारः कीदृशः ?
   (A) अभद्रः (B) असभ्यः
   (C) सभ्यः (D) अनार्यः
10. सर्वदमनस्य _____ वर्धते।
    (A) संरम्भः (B) गौरवः
    (C) यशः (D) आयुः
11. सर्वदमनः कस्मिन् वंशे जातः ?
    (A) कुरुवंशे (B) पुरुवंशे
    (C) सूर्यवंशे (D) पण्डुवंशे
12. शिशुवात्सल्यम् इति रूपकम् अभिज्ञानशाकुन्तलस्य कस्मिन् अङ्के वर्त्तते ?
    (A) प्रथमाङ्के (B) तृतीयाङ्के
    (C) चतुर्थाङ्के (D) सप्तमाङ्के
13. शिशुवात्सल्यम् इति रूपके शिशुः कः ?
    (A) हठः (B) रामः
    (C) सर्वदमनः (D) श्यामः
14. सर्वदमनः इति बालकस्य नाम केन कृतम् ?
    (A) साधुजनेन (B) महाराजेन
    (C) ऋषिजनेन (D) हरिजनेन
15. शिशुः कीदृशानि सत्त्वानि पीडयति ?
    (A) अपत्यनिर्विशेषाणि (B) शिशुसदृशानि
    (C) अतिथिसदृशानि (D) देवसदृशानि
16. शिशुवात्सल्यम् इति रूपके महाकविः कालिदासः कस्य माधुर्यं वर्णयति ?
    (A) लवस्य (B) हठस्य
    (C) कृशस्य (D) भीमस्य
17. मारीचेन बालाय किं प्रदत्तम् ?
    (A) क्रीडनकम् (B) रक्षाकरण्डकम्
    (C) पतङ्गम् (D) मिष्टकम्
18. शिशुवात्सल्यम् इति रूपके महाकविः हृदि किं जनयितुं चेष्टमानः सार्थकः अभूत् ?
    (A) आनन्दम् (B) दुःखम्
    (C) सुखम् (D) वात्सल्यम्

Eduodia App

19. बाल: काभ्यां सह मञ्चं प्रविशति ?
(A) पितृभ्याम् (B) तपस्विनीभ्याम्
(C) पितृभ्याम् (D) भ्रातृभ्याम्

20. कस्य माता शकुन्तला ?
(A) सर्वदमनस्य (B) कुशस्य
(C) एकलव्यस्य (D) सत्यकामस्य

21. मुञ्च माम्_____ सकाशं गमिष्यामि।
(A) महाराजस्य (B) बालमृगस्य
(C) अम्बाया: (D) सिंहशावकस्य

22. शिशुवात्सल्यम् इति रूपके पित्रा सह कस्य मिलनं महाकवि: वर्णयति ?
(A) पत्ने: (B) शिशो:
(C) पुत्रस्य (D) पितामहस्य

23. बालाय _____ रोचते ?
(A) भद्रमयूर: (B) मृत्तिकाभेक:
(C) मृत्तिकाश्व: (D) मृत्तिकामत्स्य:

24. दुष्यन्तस्य पत्नी का आसीत् ?
(A) सीता (B) शकुन्तला
(C) गीता (D) अनसूया

25. बालस्य मणिबन्धे किम् आसीत् ?
(A) रक्षाबन्धनम् (B) रक्षासूत्रम्
(C) रक्षाकरण्डकम् (D) प्रेमबन्धनम्

26. बाल: कस्य दन्तान् गणयति स्म ?
(A) बालअश्वस्य (B) बालमार्जारस्य
(C) बालसिंहस्य (D) बालमृगस्य

27. का बालं लङ्घयिष्यति ?
(A) केशरिणी (B) माता
(C) भगिनी (D) मृगी

28. बलीय: खलु भीतोऽस्मि इत्युक्त्वा बाल: किं दर्शयति ?
(A) करम् (B) पदम्
(C) उदरम् (D) अधरम्

29. कथं केशरिणी बालं लङ्घयिष्यति ?
(A) यदि तस्या: पुत्रकं न मुञ्चति
(B) यदि तस्या: पतिं न मुञ्चति
(C) यदि तस्या: कन्यां न मुञ्चति
(D) यदि तस्या: भ्रातरं न मुञ्चति

30. क: बाङ्मात्रेण विरमयितुं न शक्य: ?
(A) कुल: (B) बाल:
(C) ताल: (D) काल:

31. बालात् कं मोचयितुं प्रथमा तापसी उक्तवती ?
(A) बालगजेन्द्रम् (B) बालखगेन्द्रम्
(C) बालमृगम् (D) बालमृगेन्द्रम्

32. बाल: बालमृगेन्द्रं मुञ्चति चेत् तापसी किं दास्यति ?
(A) चाकलेहम् (B) पिष्टकम्
(C) चुम्बकम् (D) क्रीडनकम्

33. बाल: किं नेतुं हस्तं प्रसारयति ?
(A) शुकम् (B) श्वानम्
(C) पुष्पम् (D) मयूरम्

34. प्रथमतापस्या: नाम किम् आसीत् ?
(A) सुव्रता (B) श्वेता
(C) स्नेहा (D) ममता

35. कदा रक्षाकरण्डकं सर्पो भूत्वा दशति ?
(A) उटजे स्थितां यदि कश्चित् नयति
(B) उटजे स्थितां यदि कश्चित् आनयति
(C) भूमिपतितां यदि कश्चित् पश्यति
(D) भूमिपातितां यदि कश्चित् स्पृशति

36. भूमिपतिता अपराजिता-औषधि: कं सर्पो भूत्वा न दशति ?
(A) आचार्यं आत्मानं च विहाय
(B) त्वां मां च विहाय
(C) मातापितरौ आत्मानं च विहाय
(D) भ्रातरौ आत्मानं च विहाय

37. मृत्तिकामयूर: कीदृश: आसीत् ?
(A) सून्दर: (B) आकर्षक:
(C) वर्णचित्रित: (D) कदाकार:

Eduodia App

38. मृत्तिकामयूरं कस्मै दातुं द्वितीया उक्तवती ?
(A) बालकाय (B) वृद्धाय
(C) भिक्षुकाय (D) कृषकाय

39. _____ इति उक्त्वा प्रथमा निष्क्रान्ता ?
(A) अस्तु (B) आम्
(C) एवम् (D) तथा

40. तापसी राजानं किं सम्बोधयति ?
(A) श्रीमन् (B) महाशय
(C) भद्रमुख (D) अयि

41. बाल: कां विलोक्य हसति ?
(A) मित्रम् (B) पितरम्
(C) मातरम् (D) तापसीम्

42. राजा कस्मै स्पृहयति ?
(A) अविनीताय (B) दुर्ललिताय
(C) तस्मै (D) पुष्पाय

43. तापसी पार्श्वमवलोक्य किं वदति ?
(A) कोऽत्र ऋषिकुमाराणाम् (B) कोऽत्र राजकुमाराणाम्
(C) कोऽत्र कुमारकुमारीणाम् (D) कोऽत्र साधुकुमाराणाम्

44. राजा सस्मितम् उपगम्य बालं किं सम्बोधयति ?
(A) भो राजपुत्र ! (B) भो महर्षिपुत्र !
(C) भो गुरुपुत्र ! (D) भो मुनिपुत्र !

45. अप्सर: सम्बन्धेन एतस्य _____ अत्र प्रसूता।
(A) कामिनी (B) जननी
(C) जामिनी (D) तरुणी

46. न पुन: आत्मगत्या मानुषाणाम् इदं _____ प्राप्तव्यम्।
(A) स्थानम् (B) यानम्
(C) धनं (D) बाहनम्

47. क: धर्मदारपरित्यागी आसीत् ?
(A) प्रजा (B) राजा
(C) कवि: (D) नायक:

48. अनार्य्य: परदारव्यवहार: इति क: उक्तवान् ?
(A) राजा (B) मुनि:
(C) प्रजा (D) छात्र:

49. रक्षाकरण्डकं कथं परिभ्रष्टम् ?
(A) गमनात् (B) अटनात्
(C) सिंहशावकविमर्दनात् (D) क्रीड़नात्

50. शकुन्तलावण्यम् इति पदस्य क: अर्थ: ?
(A) शकुन्तलाया: सौन्दर्यम् (B) कुन्तलाया: सौन्दर्यम्
(C) केशस्य सौन्दर्यम् (D) पक्षिण: सौन्दर्यम्

Odisha App

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (C)	3. (A)	4. (C)	5. (C)	6. (A)	7. (D)	8. (B)	9. (D)	10. (A)
11. (B)	12. (D)	13. (C)	14. (C)	15. (A)	16. (B)	17. (B)	18. (D)	19. (B)	20. (A)
21. (C)	22. (C)	23. (A)	24. (B)	25. (C)	26. (C)	27. (A)	28. (D)	29. (A)	30. (B)
31. (D)	32. (D)	33. (D)	34. (A)	35. (D)	36. (C)	37. (C)	38. (A)	39. (D)	40. (C)
41. (D)	42. (B)	43. (A)	44. (B)	45. (B)	46. (A)	47. (B)	48. (A)	49. (C)	50. (D)

ଦୀର୍ଘ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୫ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) निजभाषया प्रायश: वाक्यत्रयेण उत्तरं लिखत।

1. प्रथमा तापसी बालकस्य सर्वदमन-नामकरणविषये किं कथितवती ?

ଉ. ଯେତେ ଚେଷ୍ଟା କଲେ ମଧ୍ୟ ତପସ୍ୱିନୀଦ୍ୱୟ ବାଳକକୁ ସିଂହ ଶିଶୁର ଦାନ୍ତ ଗଣିବା କାର୍ଯ୍ୟରୁ ବିରତ କରିପାରିଲେ ନାହିଁ। ଏହି ସମୟରେ ପ୍ରଥମା ତାପସୀ କହିଥିଲେ, 'ଦୁଷ୍ଟ ! ଋଷିମାନେ ଆଶ୍ରମରେ ଥିବା ସମସ୍ତ ପ୍ରାଣୀଙ୍କୁ ପୁତ୍ର ପରି ଲାଳନପାଳନ କରୁଛନ୍ତି। ଏପରି ସ୍ଥଳେ ତୁମେ ସିଂହ ଶିଶୁକୁ କାହିଁକି କଷ୍ଟ ଦେଉଅଛ ? ଶେଷରେ ପ୍ରଥମା ତପସ୍ୱିନୀ ଋଷିଜନ ତୁମ ନାମ ସର୍ବଦମନ ଦେଇ ଠିକ୍ କରିଛନ୍ତି ବୋଲି କହିଛନ୍ତି।

2. कथं तापसी बालस्य पितुर्नाम वक्तुं नैच्छत् ?

ଉ. ଯେଉଁ ସମୟରେ ରାଜା ଜାଣିଲେ ଯେ, ବାଳକଟି ତାଙ୍କ ପୁରୁ ବଂଶଜ, ସେହି ସମୟରେ ସେ ବାଳକଟିର ପିତାଙ୍କ ନାମ ଜାଣିବାକୁ ଇଚ୍ଛା ପ୍ରକାଶ କଲେ। କିନ୍ତୁ ତାପସୀ କହିଥିଲେ, ଅପ୍ସରାଙ୍କ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଏହି ପିଲାଟିର ମାଆ ଦେବଗୁରୁଙ୍କ ତପୋବନରେ ଏହି ଶିଶୁଙ୍କୁ ଜନ୍ମ ଦେଇଥିଲେ। ଧର୍ମପତ୍ନୀ ପରିତ୍ୟାଗ କରିଥିବା ସେହି ରାଜାଙ୍କର ନାମ ତୁଣ୍ଡରେ ଗ୍ରହଣ କରିବେ ନାହିଁ ବୋଲି ତାପସୀ କହିଛନ୍ତି।

3. वर्द्धते ते संरम्भः इति कदा का उक्तवती ?

ଉ. ବାରମ୍ବାର ବାରଣ ସତ୍ତ୍ୱେ ବାଳକଟି ସିଂହ ଶିଶୁର ପାଟି ମେଲା କରି ଦାନ୍ତ ଗଣିବାକୁ ପ୍ରୟାସ କରୁଥିଲା। ଏହା ଦେଖି ପ୍ରଥମା ତାପସୀ କହିଛନ୍ତି, 'ରେ ଦୁଷ୍ଟ ! ତୁ ସନ୍ତାନତୁଲ୍ୟ ଜନ୍ତୁମାନଙ୍କୁ କଷ୍ଟ ଦେଉଅଛୁ। ହାୟ ! ତୋର ସାହସ ବଢ଼ିଗଲାଣି ।' ଦ୍ୱିତୀୟା ତାପସୀ ବାଳକକୁ ଖେଳନା ମୟୂର ପ୍ରଦାନ କରି ସେପରି ଅକାର୍ଯ୍ୟରୁ ନିବୃତ୍ତ କରିବାକୁ ଇଚ୍ଛା ପ୍ରକାଶ କଲେ। ସେତେବେଳେ ବାଳକଟି କହିଥିଲା, 'ଯେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତୁମେମାନେ ମୋତେ ମାଟିର ମୟୂର ଆଣିଦେଇନାହଁ, ସେ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ମୁଁ ଏହି ସିଂହ ଶିଶୁ ସହିତ ଖେଳିବି ।'

4. रक्षाकरण्डकस्य प्रसङ्गः कदा आगतः ?

ଉ. ମଣିବନ୍ଧରୁ ରକ୍ଷାକବଚଟି ତଳେ ପଡ଼ିଯାଇଥିବାରୁ ତାପସୀଦ୍ୱୟ ବ୍ୟସ୍ତ ହୋଇ ଖୋଜିବାକୁ ଲାଗିଲେ। ରାଜା କବଚଟି ଦେଖି ତଳୁ ଆଣିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରନ୍ତେ ତାପସୀ ଦ୍ୱୟ ତାଙ୍କୁ ବାରଣ କରୁ କରୁ ସେ ତାକୁ ଉଠାଇନେଲେ। ବାରଣ କରିବାର କାରଣ ପଚାରିବାରୁ କହିଲେ ଯେ 'ଏହି ବାଳକର ମାତା, ପିତା ଏବଂ ନିଜ ବ୍ୟତୀତ ଯଦି ଅନ୍ୟ କେହି କବଚଟିକୁ ଧରେ, ତେବେ ସେହି କବଚ ସର୍ପରୂପ ଧାରଣ କରି ସେହି ବ୍ୟକ୍ତିକୁ ଦଂଶନ କରେ। ଏହି ଅପରାଜିତା ଔଷଧିଯୁକ୍ତ କବଚ ପିଲାଟିର ଜାତକର୍ମ ସମୟରେ ଭଗବାନ୍ ମାରୀଚ ତାଙ୍କୁ ଉପହାର ରୂପେ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ।

5. नायं मुनिकुमारः इति का कदा उक्तवती ?

ଉ. ରାଜା ଦୁଷ୍ୟନ୍ତ ବାଳକଟିକୁ ସିଂହଶିଶୁଠାରୁ ଦୂର କରିବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା କଲେ। ନିକଟକୁ ଯାଇ ମହର୍ଷିପୁତ୍ର ବୋଲି ସମ୍ବୋଧନ କଲେ। କିନ୍ତୁ ତାଙ୍କୁ ବାରଣ କରି ତାପସୀ ଜଣକ କହିଲେ – ଇଏ ଋଷିକୁମାର ନୁହଁନ୍ତି।

6. बालस्य मातुः स्मरणं कदा अभूत् ?

ଉ. ତାପସୀ ବାଳକ କବଳରୁ ସିଂହ ଶିଶୁକୁ ମୁକ୍ତ କରିବା ପାଇଁ ମାଟିର ମୟୂରଟିଏ ଆଣି ବାଳକ ସର୍ବଦମନକୁ ଦେଲେ ଏବଂ କହିଲେ, 'ବତ୍ସ ! ଶକୁନ୍ତଲାବଣ୍ୟଂ ପଶ୍ୟ ।' ଅର୍ଥାତ୍ ପକ୍ଷୀର ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟ ଦେଖ। 'ଶକୁନ୍ତ' ଏହି ନାମ ସାଦୃଶ୍ୟ ହେତୁ ମାତୃସ୍ନେହୀ ପିଲାଟି ମୋ ମାଆ କେଉଁଠି ?' ବୋଲି ଚତୁର୍ଦ୍ଦିଗକୁ ଚାହିଁ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଅଛି। କାରଣ ଶିଶୁଟିର ମାତାଙ୍କ ନାମ ଶକୁନ୍ତଳା।

7. कदा वर्णचित्रितमयूरस्य प्रसङ्गः आगतः ?

ଉ. ବାଳକଟି ସିଂହ ଶିଶୁର ଦାନ୍ତ ଗଣିବା ପାଇଁ ତା'ର ପାଟି ମେଲା କରିବାକୁ ବାଧ୍ୟ କଲା। ଯେତେ ଚେଷ୍ଟା କଲେ ମଧ୍ୟ ତାପସୀ ଦ୍ୱୟ ତାକୁ ସେ କାର୍ଯ୍ୟରୁ ନିବୃତ୍ତ କରାଇପାରିଲେ ନାହିଁ। ବାଳକର ମନକୁ ଏହି ଅକାର୍ଯ୍ୟରୁ ନିବୃତ୍ତ କରିବା ପାଇଁ ଦ୍ୱିତୀୟା ତାପସୀ ନିଜ କୁଡ଼ିଆରେ ଥିବା ବିବିଧରଙ୍ଗଯୁକ୍ତ ମାଟି ମୟୂରକୁ ସୁବ୍ରତାନାମ୍ନୀ ପ୍ରଥମା ତାପସୀକୁ ଆଣିବାକୁ କହିଅଛନ୍ତି।

8. मया सह मातरम् अभिनन्दिष्यति इति राजा कदा उक्तवान् ?

ଉ. ରକ୍ଷାକବଚଟି ଧରିବା ପରେ ତା'ର କୌଣସି ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ନ ଦେଖି ରାଜା ଶିଶୁଟିକୁ କୋଳେଇ ନେଲେ। ତପସ୍ୱିନୀଦ୍ୱୟ ଏହି ଘଟଣାକୁ ଦେଖି ଶକୁନ୍ତଳାଙ୍କୁ କହିବାକୁ ଗଲେ। କୋଳାଗ୍ରତ ବାଳକଟି ରାଜାଙ୍କଠାରୁ ଦୂରେଇଯିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରନ୍ତେ, ରାଜା କହିଲେ – 'ମୋ ସହିତ ମାଆଙ୍କୁ ଅଭିନନ୍ଦନ ଜଣାଇବ ।'

9. स्पृहयामि खलु दुर्ललिताय अस्मै इति कदा कः प्रोवाच ?

ଉ. ପିଲାଟି ତାପସୀ ଦୁଇଜଣଙ୍କର କଥା ନ ମାନୁଥିବା ଦେଖି ଏବଂ ବୀରତ୍ୱର ସହ ସିଂହଶିଶୁ ପାଟିରେ ଦାନ୍ତ ଗଣୁଥିବାର ଦେଖି ରାଜା କହିଲେ, 'ଏହି ଚଗଲାମି କରୁଥିବା ଶିଶୁଟି ମୋତେ ବହୁତ ପସନ୍ଦ ଲାଗୁଛି ।' ଠିକ୍ ଏହି ସମୟରେ ତାପସୀ ରାଜାଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ ମାଗି କହିଲେ, 'ମହାଭାଗ ! ଦୟା କରି ଆପଣ ଏଠାକୁ ଆସନ୍ତୁ ଏବଂ ଏହି ଅବୁଝା ଶିଶୁଟିକୁ ସିଂହଶିଶୁଠାରୁ ଦୂରାଇ ଆଣନ୍ତୁ।

10. 'शिशुवात्सल्यम्' इति रूपके नाट्यकारः किं कर्तुं चेष्टमानः सार्थकोऽभूत् ?

ଉ. ଅନନ୍ୟ ପ୍ରତିଭାଯୁକ୍ତ କବିକୁଳଲଲାଟମୁକୁଟମଣି ମହାକବି କାଳିଦାସଙ୍କର ରଚିତ ନାଟକ 'ଅଭିଜ୍ଞାନ ଶାକୁନ୍ତଳମ୍'ର ସପ୍ତମାଙ୍କସ୍ଥିତ ଗୋଟିଏ ଦୃଶ୍ୟ ଏହି ରୂପକ ଅର୍ଥାତ୍ 'ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍'। ମହାକବି ଏହି ରୂପକରେ ପିଲାଟିର ଜିଦିଖୋର୍ ଭାବର ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟ ତଥା ପିତାଙ୍କ ସହ ପୁତ୍ରର ମିଳନ ବର୍ଣ୍ଣନା କରି ହୃଦୟରେ ବାତ୍ସଲ୍ୟ ଜନ୍ମାଇବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରି ସାର୍ଥକ ହୋଇଅଛନ୍ତି।

Odisha 1 to 10 All Books App

ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୨ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) संक्षेपेण निजभाषया उत्तरं लिखत।

1. सिंहशिशुं धृत्वा बालः किम् अवदत्?

ଉ. ସିଂହଶିଶୁକୁ ଧରି ବାଳକଟି 'ଆଁ କର' ତୋ ଦାନ୍ତ ଗଣିବି ବୋଲି କହୁଥିଲା।

2. तापसी राजानं दृष्ट्वा किं कर्तुम् अवदत् ?

ଉ. ତାପସୀ ରାଜାଙ୍କୁ ଦେଖି ସିଂହଶାବକଠାରୁ ବାଳକଟିକୁ ଅଲଗା କରିବାକୁ କହିଲେ।

3. कथं तापस्यौ विस्मिते अभवताम् ?

ଉ. ରାଜା ଭୂଇଁରୁ ରକ୍ଷାକବଚଟି ସାଉଁଟି ଧରିବାରୁ ତାପସୀଦ୍ୱୟ ବିସ୍ମୟ ପ୍ରକାଶ କଲେ।

4. मृत्तिकामयूरः कुत्र आसीत् ?

ଉ. ମୃତ୍ତିକା ନିର୍ମିତ ମୟୂର ଦ୍ୱିତୀୟା ତାପସୀଙ୍କ କୁଟୀରରେ ଥିଲା।

5. रक्षाकरण्डकं केन कदा सर्वदमनाय दत्तम् ?

ଉ. ରକ୍ଷାକବଚ ଭଗବାନ୍ ମାରୀଚ ସର୍ବଦମନର ଜାତକର୍ମ ସଂସ୍କାର ସମୟରେ ଦେଇଥିଲେ।

ପଦ୍ୟବିଭାଗଃ

सीतायाः वनगमनम्

ସୀତାୟାଃ ବନଗମନମ୍

ବହୁ ବିକଳ୍ପ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର
(୧ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ)

1. कः आदिकविः ?
   (A) वाल्मीकिः (B) व्यासः
   (C) मनुः (D) वशिष्ठः

2. कस्य कथा नितरां रम्या ?
   (A) महाभारतस्य (B) रामायणस्य
   (C) पुराणस्य (D) साहित्यस्य

3. कः आदर्शपुरुषः ?
   (A) पर्शुरामः (B) रामः
   (C) बलरामः (D) आत्मारामः

4. सीता केन सह वनम् अगच्छत् ?
   (A) सरोजेन (B) रामेण
   (C) गुहकेन (D) भरतेन

5. रामः _____ स्ववेश्म प्रविवेश।
   (A) सुन्दरम् (B) रमणीयम्
   (C) सुविभूषितम् (D) विभुषितम्

6. 'राघवः' इति पदस्य कोऽर्थः ?
   (A) रघुनन्दनः (B) यदुनन्दनः
   (C) शम्भूनन्दनः (D) सूर्यनन्दनः

7. 'तत्रभवान्' इति पदस्य कोऽर्थः ?
   (A) तस्मिन् स्थाने त्वम् (B) तस्मिन् स्थाने भवान्
   (C) पूज्यपादः (D) स्नेहास्पदम्

8. का धर्मज्ञा ?
   (A) सरस्वती (B) सीता
   (C) पद्मावती (D) लक्ष्मीवाई

9. _____ सत्यप्रतिज्ञेन।
   (A) राजा (B) राजन्
   (C) राज्ञा (D) रामेण

10. दशरथः कस्यै महावरौ प्राददात् ?
    (A) सीतायै (B) कैकेय्यै
    (C) पुत्रे (D) जानक्यै

11. रामेण दण्डके कतिवर्षाणि वस्तव्यानि ?
    (A) दश (B) द्वादश
    (C) चतुर्दश (D) पञ्चदश

Eduodia App

12. कस्य विप्रियं न कर्त्तव्यम् ?
(A) रामस्य (B) दशरथस्य
(C) भरतस्य (D) कस्यापि

13. का प्रियार्हा ?
(A) कौशल्या (B) वैदेही
(C) सुमित्रा (D) कैकेयी

14. अरण्ये कुत्र सुप्यते ?
(A) शिलातले (B) वृक्षतले
(C) पर्णशय्यासु (D) पर्वततले

15. नारी कस्य भाग्यं प्राप्नोति ?
(A) पितुः (B) मातुः
(C) भर्तुः (D) प्रियजनस्य

16. ततो दुःखतरं _____ ?
(A) भूतलम् (B) उद्यानम्
(C) वनम् (D) उपवनम्

17. केषाम् आज्ञया सीतया वनं गन्तव्यम् ?
(A) तेषाम् (B) गुरुजनानाम्
(C) परिवारजनानाम् (D) सर्वेषाम्

18. सीतायाः ऋते रामाय किं न रोचते ?
(A) ग्रामः (B) प्रासादः
(C) स्वर्गः (D) भोगः

19. कः काकुत्स्थः ?
(A) रामः (B) कृष्णः
(C) पर्शुरामः (D) कश्यपः

20. प्रसक्ताश्रुमुखी _____ इदं वचनमब्रवीत् ।
(A) शनैः (B) उच्चैः
(C) मन्दम् (D) धीरम्

21. कथं रामः अवाङ्मुखः अभवत् ?
(A) शोकेन (B) ह्रिया
(C) दुःखेन (D) अनुतापेन

22. कः सत्यप्रतिज्ञः आसीत् ?
(A) चित्ररथः (B) दशरथः
(C) जयद्रथः (D) सरथः

23. कुत्र दोषाः हि बहवः ?
(A) मार्गे (B) पर्वते
(C) वने (D) पुरे

24. भर्तुः _____ विशिष्यते।
(A) पादच्छाया (B) हस्तच्छाया
(C) छाया (D) माया

25. कदा भूतले पर्णशय्यासु सुप्यते ?
(A) दिवसे (B) प्रभाते
(C) रात्रिषु (D) मध्याह्ने

26. रामः वने किं चिन्तयन् सीतां वनं नेतुं नैच्छत् ?
(A) दुःखानि (B) नानामृगगणाकीर्णम्
(C) भयम् (D) सुखम्

27. वैदेही _____ एव संक्रुद्धा।
(A) दुःखात् (B) प्रणयात्
(C) सुखात् (D) श्रमात्

28. चतुर्दशवर्षाणि कुत्र वस्तव्यम् ?
(A) अयोध्यायाम् (B) गृहे
(C) दण्डके (D) ग्रामे

29. सीता कीदृशं वनं गमिष्यति ?
(A) जनवर्जितम् (B) मृगवर्जितम्
(C) शार्दुलवर्जितम् (D) पुरुषवर्जितम्

30. रामः कुत्र गमिष्यति ?
(A) आश्रमम् (B) महावनम्
(C) अयोध्याम् (D) लङ्कापुरीम्

31. पित्रा भरतः कुत्र नियोजितः ?
(A) युवराज्ये (B) यौवराज्ये
(C) राजसिंहासने (D) अयोध्यायाम्

32. वने _____ हि बहवः।
(A) दोषाः (B) दोसाः
(C) दोशाः (D) पेसाः

33. कः कैकेया सत्यपाशेन वद्धः ?
(A) रामः (B) भरतः
(C) दशरथः (D) शरतः

Eduodia App

34. दशरथ: कं वनं प्रेषितवान् ?
(A) भरतं (B) शरतं
(C) लक्ष्मणं (D) रामं

35. अवाङ्मुख: राम: कुत्र प्रविवेश ?
(A) कुटीरम् (B) प्रकोष्ठम्
(C) स्ववेश्म (D) आश्रमम्

36. राम: _____ आसीत् ?
(A) दु:खित: (B) सुखी
(C) कुपित: (D) शोकसन्तप्त:

37. का प्रियवादिनी ?
(A) कौशल्या (B) कैकेयी
(C) वैदेही (D) सुमित्रा

38. का भामिनी ?
(A) सीता (B) सुमित्रा
(C) कैकेयी (D) कौशल्या

39. 'सीताया: वनगमनम्' इति कविता कस्मात् आनीता ?
(A) भारतात् (B) रामायणात्
(C) गीताया: (D) पुरुवंशम्

40. रामायणं क: रचितवान् ?
(A) कणाद: (B) जयदेव:
(C) यदुनाथ: (D) वाल्मीकि:

41. सुष्ठु किं कथ्यते ?
(A) रम्या रामायणी कथा (B) रम्या महाभारत कथा
(C) रम्या माधवस्य कथा (D) रम्या सुरभारती

42. रघुनन्दन: कीदृशीं सीताम् अवदत् ?
(A) कुपिताम् (B) विलपन्तीम्
(C) शयानाम् (D) आसीनाम्

43. क: शोकसन्तप्त: आसीत् ?
(A) नकुल: (B) सहदेव:
(C) राम: (D) दशरथ:

44. रामस्य मुखवर्ण: कीदृश: ?
(A) प्रहर्ष: (B) गौरवर्ण:
(C) श्यामवर्ण: (D) अपूर्व:

45. वनं कीदृशम् ?
(A) सुन्दरम् (B) नानामृगगणाकीर्णम्
(C) सुरक्षितम् (D) अन्धकारम्

46. सीता वने कीदृक् स्थास्यति ?
(A) यथैव नगरे (B) यथैव श्वशुरालये
(C) यथैव भवने पितु: (D) यथैव प्रासादे

47. वनवासकाले सीता किं चिन्तयिष्यति ?
(A) त्रीलोकान् (B) पितृसेवाम्
(C) राजभागम् (D) पतिव्रताम्

48. वने यथाप्राणेन किं कर्त्तव्यम् ?
(A) नृत्यम् (B) भाषणम्
(C) उपवास: (D) पूजाभ्

49. वनवासिन: वस्त्रं किम् ?
(A) वल्कलवस्त्रम् (B) कपासवस्त्रम्
(C) राजकीयवस्त्रम् (D) पट्टवस्त्रम्

50. कस्मात् सीता विषम् अग्निं जलं वा आस्थास्ये ?
(A) प्रेमकारणात् (B) सुखकारणात्
(C) दु:खकारणात् (D) मृत्युकारणात्

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (B)	3. (B)	4. (B)	5. (C)	6. (A)	7. (C)	8. (B)	9. (C)	10. (B)
11. (C)	12. (C)	13. (B)	14. (C)	15. (C)	16. (C)	17. (B)	18. (C)	19. (A)	20. (C)
21. (B)	22. (B)	23. (C)	24. (A)	25. (C)	26. (A)	27. (B)	28. (C)	29. (D)	30. (B)
31. (B)	32. (A)	33. (C)	34. (D)	35. (C)	36. (D)	37. (C)	38. (A)	39. (B)	40. (D)
41. (A)	42. (B)	43. (C)	44. (D)	45. (B)	46. (C)	47. (D)	48. (C)	49. (A)	50. (D)

Eduodia App

ଦୀର୍ଘ ଉତ୍ତରମୂଳକ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୫ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) ନିଜଭାଷୟା ପ୍ରାୟଶ: ବାକ୍ୟତ୍ରୟେଣ ଉତ୍ତରଂ ଲିଖତ।

1. वेपमाना सीता कीदृशं पतिम् अपश्यत् ?

ଉ. ଆନନ୍ଦମୁଖରିତ ଆତ୍ମୀୟସ୍ୱଜନଙ୍କଦ୍ୱାରା ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ସୁସଜ୍ଜିତ ଗୃହମଧ୍ୟକୁ ପ୍ରଭୁ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ଲଜ୍ଜା ଅବନତ ବଦନରେ ପ୍ରବେଶ କଲେ। ଏହା ଦେଖି ସୀତାଙ୍କର ଆପାଦମସ୍ତକ କମ୍ପି ଉଠିଥିଲା। ଶୋକ ତଥା ଚିନ୍ତିତ ଅବସ୍ଥାରେ ଇନ୍ଦ୍ରିୟଗୁଡ଼ିକ ବିପର୍ଯ୍ୟସ୍ତ ହେଉଥିବା ରଘୁନନ୍ଦନଙ୍କୁ ଦେଖି ମାତା ସୀତା ଅଜଣା ଆଶଙ୍କାରେ ଥରିବାକୁ ଲାଗିଲେ।

2. कथं राघव: शोकं सोढुम् असमर्थ: आसीत् ?

ଉ. ଆତ୍ମୀୟ ବ୍ୟକ୍ତିକୁ ଦେଖିଲେ ସ୍ୱତଃ ମନର ଅନ୍ତର୍ନିହିତ ଦୁଃଖ ପ୍ରକଟିତ ହୁଏ। ରଘୁକୁଳ ତିଳକ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ବନବାସଜନିତ ଦୁଃଖ ହେତୁ ଲଜ୍ଜାରେ ସ୍ୱଗୃହକୁ ପ୍ରବେଶ କଲେ। ତା'ପରେ ସୀତାଙ୍କୁ ଦେଖି ତାଙ୍କ ମନରେ ଥିବା ଦୁଃଖକୁ ସହ୍ୟ କରିନପାରି ପ୍ରକାଶ କରିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ।

3. विलपन्तीं सीतां रघुनन्दन: किं प्रोवाच ?

ଉ. ପ୍ରଭୁ ରାମଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କର ବିବର୍ଣ୍ଣ ବଦନକୁ ଦେଖି ବିଳାପ କରୁଥିବା ସୀତାଙ୍କୁ ବୁଝାଇବାକୁ ଯାଇ ପୁରୁଷୋତ୍ତମ ରାମ କହିଲେ – ହେ ପ୍ରାଣପ୍ରିୟେ ସୀତେ ! ମୋର ସତ୍ୟ ପ୍ରତିଜ୍ଞା ପୂଜ୍ୟ ପିତା ଦଶରଥ ମୋତେ ଚଉଦବର୍ଷ ବନକୁ ପଠାଉଛନ୍ତି। ପିତୃସତ୍ୟ ପାଳନ କରିବା ପୁତ୍ରର ଉତ୍ତମ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ଅଟେ।

4. कस्य विप्रियं न कर्त्तव्यमिति रामेण उक्तम् ?

ଉ. ସତ୍ୟନିଷ୍ଠ ପିତା ଦଶରଥଙ୍କର ସତ୍ୟରକ୍ଷା କରି ରାମଚନ୍ଦ୍ର ବନକୁ ଯିବେ। ପିତାଙ୍କଦ୍ୱାରା ଅଯୋଧ୍ୟା ସିଂହାସନରେ ଭରତଙ୍କର ଯୁବରାଜ ପଦରେ ରାଜ୍ୟାଭିଷେକ ହେବ। ସେ ହେବେ ସୂର୍ଯ୍ୟବଂଶର ତଥା ଏ ରାଜ୍ୟର ରାଜା। ତେଣୁ ତାଙ୍କପ୍ରତି କ୍ରୋଧ, ହିଂସା ବା ଅସୂୟା ଭାବ ପ୍ରକାଶ ନ କରିବାକୁ ଏବଂ ତାଙ୍କର ଅମଙ୍ଗଳ ତଥା ଅପ୍ରିୟ ହେଲା ଭଳି କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟ ନ କରିବାକୁ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ସୀତାଙ୍କୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ।

5. रामेण सीता कथम् उपदिष्टा ?

ଉ. ଦଶରଥ ନନ୍ଦନ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ବନବାସ ପୂର୍ବରୁ ସତୀ ସୀତାଙ୍କୁ ଉପଦେଶ ଦେଇ କହିଥିଲେ ଯେ, ହେ ସୀତେ ! ମୁଁ ଚଉଦବର୍ଷ ବନକୁ ଯିବି। ତୁମେ ଏହି ରାଜପ୍ରାସାଦରେ ବାସ କରିବ। ଯେପରି କୌଣସି ବ୍ୟକ୍ତିର ଅପ୍ରିୟ ହେଲାପରି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବ ନାହିଁ ଓ ଅମଙ୍ଗଳ ଚିନ୍ତା କରିବ ନାହିଁ। ସେହିପରି କାର୍ଯ୍ୟ ତୁମେ କରିବା ଉଚିତ।

6. कीदृशं वनं गन्तुं सीता समर्था इति अवदत् ?

ଉ. ରାମଚନ୍ଦ୍ର ବନବାସ ସମୟରେ ନାନାବିଧ ସମସ୍ୟା ସାଙ୍ଗକୁ ବ୍ୟାଘ୍ରାଦି ହିଂସ୍ରଜନ୍ତୁମାନଙ୍କର ଭୟ ରହିଛି ବୋଲି କହି ସୀତାଙ୍କୁ ବନକୁ ଯିବାକୁ ବାରଣ କଲେ। କିନ୍ତୁ ସତୀ ସୀତା କହିଲେ, ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ସାନ୍ନିଧ ନିକଟରେ ସବୁ ଦୁଃଖ ମୋର ସୁଖରେ ପରିଣତ ହୋଇଯିବ। ତେଣୁ ମୁଁ ଦୁର୍ଗମ ଅନ୍ଧକାରାଚ୍ଛନ୍ନ ଜନମାନବଶୂନ୍ୟ ଭୀତି ସଂକୁଳ ବନକୁ ଯିବାପାଇଁ ସମର୍ଥା ଅଟେ।

7. कथं दु:खतरं वनम् ?

ଉ. ବନବାସ ଜୀବନ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଦୁଃଖଦାୟକ ବୋଲି ରାମଚନ୍ଦ୍ର ସୀତାଙ୍କୁ କହିଛନ୍ତି। ବନରେ ବୁଲି ବୁଲି ଶ୍ରମଲାଘବ ପାଇଁ ଆପେ ଆପେ ଝଡ଼ିପଡ଼ିଥିବା ଶୁଖିଲା ପତ୍ରଶଯ୍ୟାରେ ମାଟି ଉପରେ ଶୋଇବାକୁ ହେବ। ଅନେକ ସମୟରେ ଉପବାସରେ ରହିବାକୁ ହେବ ଓ ତୈଳାଭାବରୁ ଜଟାଧାରଣ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ, ଗଛର ବଳ୍କଳ ପିନ୍ଧିବାକୁ ପଡ଼ିବ ଏବଂ ପ୍ରବଳବାୟୁ ତଥା ଅନ୍ଧକାରରେ ଭୟଭୀତ ହୋଇ ଜୀବନ ଅତିବାହିତ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ସୀତା ରାଜବଧୂ ହୋଇଥିବା କାରଣରୁ ତାଙ୍କ ପକ୍ଷରେ ବନବାସ ଦୁଃଖଦାୟକ ବୋଲି ରାମ କହିଥିଲେ।

8. सीताया: मृत्युकारणं कथं किं वा भविष्यति ?

ଉ. ପତିପ୍ରାଣା ସୀତାଙ୍କ ପକ୍ଷରେ ପତିଙ୍କ ବିରହ ଅସହ୍ୟ ଥିଲା। ତେଣୁ ସେ ରାମଙ୍କ ସହିତ ବନକୁ ଯିବାକୁ ଅକାଟ୍ୟ ଯୁକ୍ତି କରିବା ସହିତ ବିନମ୍ର ନିବେଦନ କରିଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ତାଙ୍କର ଅନୁରୋଧ ଶ୍ରୀରାମ ଗ୍ରହଣ ନ କରିବାରୁ ସେ କହିଥିଲେ, ହେ ସ୍ୱାମୀ ! ତୁମେ ଯଦି ମୋତେ ବନକୁ ନ ନିଅ ତେବେ ବାଧ ହୋଇ ଜୀବନତ୍ୟାଗ ପାଇଁ ବିଷପାନ କରିବି ବା ଅଗ୍ନିରେ ଝାସ ଦେବି ଅଥବା ଜଳରେ ବୁଡ଼ିବି। ସୀତା ଏହିପରି ମୃତ୍ୟୁର କାରଣ ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ।

9. वनगमनाय किं कर्तुं राम: सीताम् उपदिष्टवान् ?

ଉ. ଧର୍ମପତ୍ନୀ ସତୀ ସୀତାଙ୍କ ପତିଭକ୍ତିରେ ସନ୍ତୁଷ୍ଟ ହୋଇ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ସଂଜ୍ଞାହୀନା ହୋଇପଡୁଥିବା ସୀତାଙ୍କୁ ବାହୁଯୁଗଳରେ କୋଳେଇ

Odisha 1 to 10 All Books App

ନେଇଥିଲେ ଏବଂ ଗୁରୁଜନମାନଙ୍କର ଆଜ୍ଞାଲାଭ କରି ବନବାସର ପୂର୍ବ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଆରମ୍ଭ କରିବାକୁ ପତ୍ନୀଙ୍କୁ ଆଦେଶ ଦେଇଥିଲେ। ପୁଣି ସୀତାଙ୍କ ବିନା ତାଙ୍କୁ ସ୍ୱର୍ଗସୁଖ ମଧ୍ୟ ଭଲ ଲାଗେ ନାହିଁ ବୋଲି ମତବ୍ୟକ୍ତ କଲେ।

10. के स्वं स्वं भाग्यमुपासते ?

ଉ. ମରଣଶୀଳ ଏହି ସଂସାରରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତି ନିଜର ଭାଗ୍ୟଫଳ ଭୋଗ କରିଥାଏ। ପିତା-ମାତା-ଭ୍ରାତା-ପୁତ୍ର ଏବଂ ପୁତ୍ରବଧୂ ସମସ୍ତେ ନିଜ ନିଜର ଭାଗ୍ୟଫଳକୁ ଭୋଗ କରିଥାଆନ୍ତି। ଅନ୍ୟର ଭାଗ୍ୟଫଳର ଅଧିକାରୀ ଏମାନେ ହୋଇ ନଥାନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ଏକ ମାତ୍ର ସ୍ତ୍ରୀ ହିଁ କେବଳ ନିଜ ସ୍ୱାମୀଙ୍କର ଭାଗ୍ୟଫଳ ଅନୁସାରେ ସୁଖ ଓ ଦୁଃଖର ସମଭାଗିନୀ ହୋଇଥାଏ।

ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର

(୨ ନମ୍ବର ସମ୍ବଳିତ) संक्षेपेण निजभाषया उत्तरं लिखत।

1. कथं रामः अवाङ्मुखः अभवत् ?

ଉ. ପ୍ରଭୁ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ପିତୃସତ୍ୟ ପାଳନ ପାଇଁ ବନକୁ ଯାଉଥିବାରୁ ଲଜ୍ଜାରେ କାହାକୁ କିଛି ନ କହି ନତମସ୍ତକ ହୋଇଯାଇଥିଲେ।

2. दशरथः कस्यै किं दत्तवान् ?

ଉ. ସତ୍ୟପ୍ରତିଜ୍ଞ ଦଶରଥ ନିଜର ପୂର୍ବ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଅନୁଯାୟୀ ରାଣୀ କୈକେୟୀଙ୍କୁ ଦୁଇଟି ବର ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ।

3. कथं सीता वैदेही इति उच्यते ?

ଉ. ସୀତା ବିଦେହ ରାଜ୍ୟର ରାଜକନ୍ୟା ହୋଇଥିବାରୁ ତାଙ୍କୁ ବୈଦେହୀ କୁହାଯାଏ।

4. नारी कस्य भाग्यं प्राप्नोति ?

ଉ. ହିନ୍ଦୁ ସଂସ୍କୃତି ଅନୁଯାୟୀ ନାରୀ ହିଁ କେବଳ ପୁରୁଷର ଭାଗ୍ୟଫଳକୁ ଭୋଗ କରି ସୁଖଦୁଃଖରେ ସହଭାଗିନୀ ହୋଇଥାଏ।

5. वनवासकाले कुत्र सुप्यते ?

ଉ. ବନବାସ ସମୟରେ ବୃକ୍ଷରୁ ଝଡ଼ିପଡ଼ିଥିବା ଶୁଖିଲା ପତ୍ରଶଯ୍ୟାରେ ଭୂମି ଉପରେ ଶୟନ କରିବାକୁ ପଡ଼ିଥାଏ।

Edudia App

अनुच्छेदविभागः

୫ଟି ଉତ୍ତର ଲେଖିବାକୁ ହେବ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶୁଦ୍ଧ ତଥା ଯଥାର୍ଥ ଉତ୍ତର ପାଇଁ ୨ ନମ୍ବର ଲେଖାଏଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ।

१. असाध्यसाधनम्

प्रश्नः

1. पित्रा वोपदेवः कुत्र प्रेषितः ?
2. वोपदेवः किं पठितुम् आरब्धवान् ?
3. सहपाठिनः वोपदेवं कथम् उपहसितवन्तः ?
4. गुरुः वोपदेवं किम् उक्तवान् ?
5. वोपदेवः विस्मितः किं चिन्तितवान् ?
6. वोपदेवः स्त्रीजनं किमपृच्छत् ?
7. पाषाणे कथं गर्त्तानि जातानि ?
8. स्त्रीजनं वोपदेवः किं सम्बोधितवान् ?
9. वोपदेवः केन रूपेण प्रतिष्ठाम् अलभत ?
10. कार्याणि कथं सिध्यन्ति ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ପିତା ବୋପଦେବଙ୍କୁ ଗୁରୁଗୃହକୁ ପଠାଇଥିଲେ।
2. ବୋପଦେବ ବ୍ୟାକରଣ ପଢ଼ିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କଲେ।
3. ବୋପଦେବଙ୍କୁ ପାଠରେ ଅମନଯୋଗୀ ଦେଖି ସହପାଠୀମାନେ ଉପହାସ କରୁଥିଲେ।
4. ଗୁରୁ ବୋପଦେବଙ୍କୁ କହିଲେ – ପୁତ୍ର ! ତୁମପାଇଁ ମୋର ସକଳ ଚେଷ୍ଟା ବୃଥା ହୋଇଛି। ଯଦି ଚାହୁଁଛ ଅନ୍ୟ ବିଦ୍ୟାଳୟକୁ କିମ୍ବା ନିଜ ଘରକୁ ଫେରିଯାଅ।
5. ବୋପଦେବ ବିସ୍ମିତ ହୋଇ ଚିନ୍ତା କଲେ – ଅନ୍ୟତ୍ର ଯାତ୍ରା କରି ଲାଭ କ'ଣ ? ମୂର୍ଖ ହେଲେ ବାପା ମାଆ କେହି ଭଲ ପାଇବେ ନାହିଁ। ମୋ ଜୀବନକୁ ଧିକ୍ !
6. ବୋପଦେବ ସ୍ତ୍ରୀ ଲୋକଜଣକୁ ପଚାରିଲେ – ମାଆ ! ମାଠିଆ ରଖିବାକୁ ଏହି ଗାତସବୁ କ'ଣ ନିର୍ମାଣ କରାଯାଉଅଛି ?
7. ମାଟି ପାତ୍ରର ଭାରରେ ପଥରରେ ଗାତ ହୋଇଅଛି।

8. ସ୍ତ୍ରୀଲୋକଟିକୁ ବୋପଦେବ ମାଆ ବୋଲି ସମ୍ବୋଧନ କଲେ।
9. ବୋପଦେବ ବ୍ୟାକରଣ ପଠନ କରି ପ୍ରବୀଣ ପଣ୍ଡିତ ରୂପେ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଲାଭ କଲେ।
10. ଉଦ୍ୟମଦ୍ୱାରା କାର୍ଯ୍ୟ ସାଧନ କରାଯାଏ, କେବଳ ଭାବନା ଦ୍ୱାରା ନୁହେଁ।

୨. सन्निमित्ते वरं त्याग:

ପ୍ରଶ୍ନ :

1. क: अल्पेन कालेन सकला: विद्या: अधीतवान् ?
2. बोधिसत्त्व: कदा वानप्रस्थम् अकरोत् ?
3. वने भ्रमन् बोधिसत्त्व: किम् अपश्यत् ?
4. महात्मा बोधिसत्त्व: कुत्र गत: ?
5. कथं व्याघ्री व्याकुला अभवत् ?
6. व्याघ्री कथं तृप्ता जाता ?
7. व्याघ्र्या: असहायतां दृष्ट्वा बोधिसत्त्व: किं चिन्तितवान् ?
8. बुद्ध: परार्थे कतिवारं प्राणान् त्यक्तवान् ?
9. अत्र अनित्यं किमिति उक्तमस्ति ?
10. धनानि जीवितं च किं निमित्तं उत्सृजेत् ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ବୋଧିସତ୍ତ୍ୱ ଅଳ୍ପ ସମୟରେ ସମସ୍ତ ବିଦ୍ୟା ଅଧ୍ୟୟନ କରିଥିଲେ।
2. ଅଧ୍ୟୟନ ସରିବା ପରେ ସଂସାର ସୁଖ ଛାଡ଼ି ବୋଧିସତ୍ତ୍ୱ ବାନପ୍ରସ୍ଥ ଆଶ୍ରମ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ।
3. ବଣରେ ବୁଲୁଥିବା ବେଳେ ବୋଧିସତ୍ତ୍ୱ ପର୍ବତ ଗୁମ୍ଫାରେ ଗୋଟିଏ ସଦ୍ୟପ୍ରସୂତା ବାଘୁଣୀକୁ ଦେଖିଲେ।
4. ମହାତ୍ମା ବୋଧିସତ୍ତ୍ୱ ବାଘୁଣୀପାଖକୁ ଯାଇଥିଲେ।
5. ବାଘୁଣୀ ଭୋକ ହେତୁ ବ୍ୟାକୁଳ ହେଉଥିଲା।
6. ବାଘୁଣୀଟି ବୋଧିସତ୍ତ୍ୱଙ୍କୁ ଭକ୍ଷଣ କରି ତୃପ୍ତ ହେଲା।
7. ବାଘୁଣୀର ଅସହାୟତା ଦେଖି ବୋଧିସତ୍ତ୍ୱ ଚିନ୍ତା କଲେ ଯେ, ହାୟ, ପ୍ରାଣୀର ଦୁଃଖ। ଏଠାରେ କିଏ ବା ଖାଦ୍ୟ ଦେବ ? ଖାଦ୍ୟ ବିନା ବାଘୁଣୀ ପ୍ରାଣ ହରାଇବ। ମୋର ଏହି ଅନିତ୍ୟ ଶରୀର ଅକାରଣ ହେବ। ଏଣୁ ମୋର ଶରୀର ଦାନ କରି ବାଘୁଣୀର ଜୀବନ ରକ୍ଷା କରିବି।
8. ବୁଦ୍ଧ ଅନ୍ୟପାଇଁ ଶହେଥର ପ୍ରାଣତ୍ୟାଗ କରିଥିଲେ।
9. ଏଠାରେ ଅନିତ୍ୟ ଅର୍ଥାତ୍ କ୍ଷଣଭଙ୍ଗୁର ବୋଲି ଶରୀରକୁ କୁହାଯାଇଛି।
10. ଧନ ଓ ଜୀବନ ପରପାଇଁ / ସତ୍ କାର୍ଯ୍ୟରେ ତ୍ୟାଗ କରିବା ଉଚିତ।

३. बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

ପ୍ରଶ୍ନ :

1. कच्छपस्य के के बान्धवा: आसन् ?
2. कच्छप: स्थलमार्गेण कुत्र अगच्छत् ?
3. व्याध: कच्छपं कुत्र संस्थाप्य गृहं गन्तुम् उद्यत: ?
4. मूषिकादय: बान्धवा: कीदृशम् उपायं चिन्तितवन्त: ?
5. जलाशयस्य समीपे क: मृतवत् अपतत् ?
6. कदा व्याध: अदूरे पतितं मृगम् अपश्यत् ?
7. व्याध: कथं तृषार्त्त: अभवत् ?
8. कौ सत्वरं पलायितौ ?
9. व्याध: कीदृश: सन् गृहं प्रस्थित: ?
10. व्याध: कथं विफल: अभवत् ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ମୂଷା, କାଉ ଓ ହରିଣ କଇଁଛର ବନ୍ଧୁ ଥିଲେ।
2. କଇଁଛ ସ୍ଥଳପଥରେ ଅନ୍ୟ ଜଳାଶୟକୁ ଯାଇଥିଲା।
3. ଶିକାରୀ କଇଁଛକୁ କାନ୍ଧରେ ରଖି ଘରକୁ ଯିବାକୁ ଉଦ୍ୟତ ହେଲା।
4. ମୂଷିକ ପ୍ରଭୃତି ବନ୍ଧୁମାନେ କଇଁଛକୁ ଶିକାରୀଠାରୁ ମୁକ୍ତ କରିବାକୁ ଉପାୟ ଚିନ୍ତା କଲେ।
5. ପୋଖରୀ ପାଖରେ ହରିଣଟି ମୃତ ପରି ପଡ଼ିରହିଲା।
6. ଶୋଷ ମେଣ୍ଟାଇବାକୁ ଶିକାରୀ ପୋଖରୀରୁ ପାଣିପିଇ ଅଳ୍ପ ଦୂରରେ ପଡ଼ିଥିବା ହରିଣକୁ ଦେଖିଲା।
7. ଶିକାରୀ ଭ୍ରମଣ କାରଣରୁ ତୃଷାର୍ତ୍ତ ହୋଇଥିଲା।
8. ହରିଣ ଓ କାଉ ଦୁଇଜଣ ଶୀଘ୍ର ପଳାୟନ କଲେ।
9. ଶିକାରୀ ନିରାଶ ହୋଇ ଘରକୁ ଫେରିଲା।
10. ନିଶ୍ଚିତ ବସ୍ତୁକୁ ହାତଛଡ଼ା କରି ଅନିଶ୍ଚିତରେ ମନବଳାଇଥିବାରୁ ଶିକାରୀ ସଫଳ ହୋଇପାରିଲା ନାହିଁ।

Eduodia App

୪. अहिंसाचरणम्

प्रश्न :

1. सर्प: कुत्र वसति स्म ?
2. सर्प: कीदृश: आसीत् ?
3. सर्प: समीपमागतान् सर्वान् किं करोति स्म ?
4. कथं जना: गमनागमने भयम् अनुभवन्ति स्म ?
5. कथं सर्प: दंशनं त्यक्तवान् ?
6. सर्प: कीदृश: इव व्यवहरति स्म ?
7. कथं जना: निर्भयं गमनागमनं कुर्वन्ति स्म ?
8. सर्पस्य स्थिति: कथं शोचनीया जाता ?
9. मुनि: कस्या: महत्त्वं बोधितवान् ?
10. किं मा त्यजतु इति मुनि: सर्पम् उक्तवान् ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ସର୍ପଟି ବରଗଛରେ ବାସ କରୁଥିଲା।
2. ସାପଟି ବିଷଧର ଥିଲା।
3. ସାପ ନିକଟକୁ ଆସୁଥିବା ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଦଂଶନ କରୁଥିଲା।
4. ବିଷଧରସାପର ଦଂଶନଭୟରେ ଲୋକମାନେ ଯିବା ଆସିବାରେ ଭୟ ଅନୁଭବ କରୁଥିଲେ।
5. ମୁନିଙ୍କ ଉପଦେଶାତ୍ମକ ବଚନ ପ୍ରଭାବରେ ସାପ ଦଂଶନ ତ୍ୟାଗ କଲା।
6. ସାପର ବ୍ୟବହାର ବିଷହୀନ ପରି ଥିଲା।
7. ସାପ ବିଷହୀନ ପରି ବ୍ୟବହାର କରିବାରୁ ଲୋକମାନେ ନିର୍ଭୟରେ ଗମନାଗମନ କଲେ।
8. ମୁନିଙ୍କ ଉପଦେଶରେ ହିଂସା ଆଚରଣ ଛାଡ଼ି ଦେବାରୁ ସାପର ସ୍ଥିତି ଶୋଚନୀୟ ହେଲା।
9. ମୁନି ଅହିଂସାର ମହତ୍ତ୍ୱ ବୁଝାଇଥିଲେ।
10. ଫୁତ୍‌କାର ଅର୍ଥାତ୍ ଫଁ ଫଁ ତ୍ୟାଗ ନ କରିବାକୁ ମୁନି ସାପକୁ କହିଲେ।

୫. अस्माकं राष्ट्रियध्वज :

प्रश्न :

1. राष्ट्रियध्वज: कस्य प्रतीकम् ?
2. अस्माकं राष्ट्रियध्वजे के रङ्गा: कुत्र विन्यस्ता: ?
3. का तावत् भारतवर्षस्य परिचयं धारयति ?
4. कुङ्कुमराग: कयो: प्रतीकम् ?
5. धवलांशस्य मध्ये किं वर्त्तते ?
6. उन्नते: समृद्धे: च प्रतीकं किम् ?
7. के प्रधाना: राष्ट्रोत्सवा: ?
8. केषु स्थानेषु प्रतिदिनं राष्ट्रिय: ध्वज: उड्डीयते ?
9. राष्ट्रध्वजस्य उड्डयनकाले किम् अवधारणीयम् ?
10. क: देशस्य सार्वभौमताया: प्रतीकम् ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଧ୍ୱଜ ରାଷ୍ଟ୍ରର ପ୍ରତୀକ।
2. ଆମ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଧ୍ୱନିରେ ତିନିଗୋଟି ରଙ୍ଗ ଅଛି। ଉପରି ଭାଗରେ କୁଙ୍କୁମ ରଙ୍ଗ, ମଧ୍ୟଭାଗରେ ଶ୍ୱେତ ରଙ୍ଗ ଓ ନିମ୍ନ ଭାଗରେ ସବୁଜ ରଙ୍ଗ ରହିଛି।
3. ତ୍ରିରଙ୍ଗା ଭାରତବର୍ଷର ପରିଚୟ ଧାରଣ କରିଛି।
4. କୁଙ୍କୁମରଙ୍ଗ ବୀରତ୍ୱ ଏବଂ ତ୍ୟାଗର ପ୍ରତୀକ ଅଟେ।
5. ଧଳାଅଂଶର ମଝିରେ ଚବିଶିଟି ଅର ବିଶିଷ୍ଟ ଅଶୋକଚକ୍ର ରହିଛି।
6. ଉନ୍ନତି ଓ ସମୃଦ୍ଧିର ପ୍ରତୀକ ସବୁଜରଙ୍ଗ ଅଟେ।
7. ସ୍ୱାଧୀନତା ଦିବସ, ସାଧାରଣତନ୍ତ୍ର ଦିବସ ଓ ଗାନ୍ଧୀ ଜୟନ୍ତୀ ତିନୋଟି ମୁଖ୍ୟ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ପର୍ବ।
8. ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନରେ, ଉପରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଭବନରେ, ରାଜ୍ୟପାଳ ଭବନମାନଙ୍କରେ, ମନ୍ତ୍ରାଳୟମାନଙ୍କରେ, ସର୍ବୋଚ୍ଚ ନ୍ୟାୟାଳୟରେ, ସଂସଦ ଭବନରେ, ଉଚ୍ଚନ୍ୟାୟାଳୟରେ, ବିଧାନସଭା ଭବନମାନଙ୍କରେ ପ୍ରତିଦିନ ଜାତୀୟ ପତାକା ଉଡ଼ାଯାଏ।
9. ଜାତୀୟ ପତାକା ଉଡ଼ାଇବା ସମୟରେ ମନେରଖିବା ଉଚିତ ଯେ, କୁଙ୍କୁମରଙ୍ଗ ସର୍ବଦା ଉପରେ ହିଁ ରହିବ।
10. ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଧ୍ୱଜ ଦେଶର ସାର୍ବଭୌମତାର ପ୍ରତୀକ।

Eduodia App

୬. ହୀରାକୁଦବନ୍ଧ:

ପ୍ରଶ୍ନ:

1. ଓଡିଶା ପ୍ରଦେଶସ୍ୟ କା ଦୀର୍ଘତମା ନଦୀ ?
2. ଅମରକଣ୍ଟକପର୍ବତ: କୁତ୍ରାସ୍ତି ?
3. ମହାନଦୀ କେନ ରୂପେଣ ପ୍ରବହନ୍ତୀ ଲୀୟତେ ?
4. ବନ୍ୟୟା କିଂ ଭବତି ?
5. ବନ୍ୟାପ୍ରକୋପସ୍ୟ ନିୟନ୍ତ୍ରଣାୟ କୁତ୍ର ବନ୍ଧ-ନିର୍ମାଣ-ପ୍ରକଳ୍ପ: ବିହିତମାସୀତ୍ ?
6. କ: ବିଶ୍ୱେଶ୍ୱରେୟାମହୋଦୟ: ?
7. ହୀରାକୁଦ - ଜଳଭାଣ୍ଡାରମ୍ କିଂ କରୋତି ?
8. କେନ ହୀରାକୁଦବନ୍ଧସ୍ୟ ଉଦ୍‌ଘାଟନଂ କୃତମ୍ ?
9. କଦା କୁତ୍ର ନୌକାବିହାର: ଉପଭୋଗ୍ୟୋ ଭବତି ?
10. ହୀରାକୁଦଜଳଭାଣ୍ଡାରଂ କଦା କାକଲିନିନାଦିତଂ ଭବତି ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟର ଦୀର୍ଘତମ ନଦୀ ମହାନଦୀ ଅଟେ।
2. ଅମରକଣ୍ଟକ ପର୍ବତ ଛତିଶଗଡ଼ ରାଜ୍ୟରେ ରହିଛି।
3. ମହାନଦୀ ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟର ଉପକୂଳ ଭୂମିମାନଙ୍କରେ ଅନେକ ଧାରାରେ ପ୍ରବାହିତ ହୋଇ ପରିଶେଷରେ ବଙ୍ଗୋପସାଗରରେ ବିଲୀନ ହୋଇଛି।
4. ବନ୍ୟା ଫଳରେ ବିପୁଳ ଧନଜୀବନ କ୍ଷୟ ହୁଏ।
5. ବନ୍ୟା ପ୍ରକୋପର ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ନିମନ୍ତେ ସମ୍ବଲପୁର ନିକଟରେ ଦୁଇ ପର୍ବତର ମଧ୍ୟଭାଗରେ ମହାନଦୀର ବନ୍ଧ ନିର୍ମାଣ ପ୍ରକଳ୍ପ ବିଧାନ କରାଗଲା।
6. ଅନ୍ତରାଷ୍ଟ୍ରିୟ ଖ୍ୟାତିସଂପନ୍ନ ଯନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରବର ବା ଇଞ୍ଜିନିୟର ହେଉଛନ୍ତି ବିଶ୍ୱେଶ୍ୱରେୟା ମହୋଦୟ।
7. ହୀରାକୁଦ ଜଳଭଣ୍ଡାର ବିଦ୍ୟୁତ୍ ଶକ୍ତିର ଉତ୍ପାଦନ କୃଷି ଓ ଶିଳ୍ପର ବିକାଶ ନିମନ୍ତେ ରାଜ୍ୟରେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ନିର୍ବାହ କରେ।
8. ସ୍ୱାଧୀନ ଭାରତର ପ୍ରଥମ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ପଣ୍ଡିତ ଜବାହରଲାଲ ନେହେରୁଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ହୀରାକୁଦ ବନ୍ଧର ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରାଗଲା।
9. ଶୀତଋତୁରେ ହୀରାକୁଦର ବିଶାଳ ଜଳଭଣ୍ଡାରରେ ନୌକାବିହାର ଉପଭୋଗ୍ୟ ହୋଇଥାଏ।
10. ହୀରାକୁଦ ଜଳଭଣ୍ଡାର ଶୀତଋତୁରେ ପକ୍ଷୀମାନଙ୍କ କଳରବରେ ମୁଖରିତ ହୁଏ।

୭. ପରବୁଦ୍ଧିର୍ଭୟଙ୍କରୀ

ପ୍ରଶ୍ନ:

1. ସିଂହସ୍ୟ ନାମ କିମ୍ ?
2. ଶୃଗାଲସ୍ୟ ନାମ କିମ୍ ?
3. ସିଂହ: ନିତ୍ୟଂ କିଂ କରୋତି ?
4. କଥଂ ସିଂହ: ମୃଗୟାର୍ଥଂ ନାଗଚ୍ଛତ୍ ?
5. ପ୍ରତ୍ୟାବର୍ତ୍ତନକାଳେ ଶୃଗାଲ: କଂ ଦୃଷ୍ଟବାନ୍ ?
6. ଗର୍ଦଭଂ ଦୃଷ୍ଟ୍ୱା ଶୃଗାଲ: କିମ୍ ଅଚିନ୍ତୟତ୍ ?
7. ଗର୍ଦଭସ୍ୟ ସମୀପଂ ଗତ୍ୱା ଶୃଗାଲ: କିମବଦତ୍ ?
8. ସିଂହ: କିମର୍ଥଂ କପଟହାସଂ ଦର୍ଶିତବାନ୍ ?
9. କିଂ କୃତ୍ୱା ସିଂହ: ବହିରଗଚ୍ଛତ୍ ?
10. କ୍ଷୁଧୟା ଶୃଗାଲ: କିମ୍ ଅଭକ୍ଷୟତ୍ ?
11. ଯସ୍ୟ ସ୍ୱୟଂ ପ୍ରଜ୍ଞା ନାସ୍ତି ତସ୍ୟ କିଂ ଭବିଷ୍ୟତି ?

ଉତ୍ତରାଣି

1. ସିଂହଟିର ନାମ ସ୍ଥୂଳବୁଦ୍ଧି।
2. ବିଲୁଆଟିର ନାମ ତୀକ୍ଷ୍ଣବୁଦ୍ଧି।
3. ସିଂହ ପ୍ରତିଦିନ ପଶୁମାନଙ୍କୁ ମାରି ନିଜେ ଖାଏ ଓ ବିଲୁଆକୁ ଖାଇବାକୁ ଦିଏ।
4. ଜ୍ୱରରେ ପୀଡ଼ିତ ହୋଇ ସିଂହ ଶିକାର ପାଇଁ ଗଲା ନାହିଁ।
5. ଖାଦ୍ୟାନ୍ୱେଷଣରେ କିଛି ନ ପାଇ ଫେରିବା ବାଟରେ ବିଲୁଆ ନିର୍ବିବେକ ନାମକ ଗଧଟିକୁ ଦେଖିଲା।
6. ଗଧକୁ ଦେଖି ବିଲୁଆ ଚିନ୍ତା କଲା – କିପରି ଗଧ ମନରେ ବିଶ୍ୱାସ ଜନ୍ମାଇ ସିଂହର ଖାଦ୍ୟପାଇଁ ନେବି।
7. ଗଧ ପାଖକୁ ଯାଇ ବିଲୁଆ କହିଲା – ଆମ ପଶୁରାଜଙ୍କର ଜଣେ ସଚିବ ଦରକାର। ତୁମେ ସେହି ପଦ ପାଇଁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଯୋଗ୍ୟ।
8. ନିର୍ବିବେକ ନାମକ ଗଧ ମୂର୍ଖତା ହେତୁ ବିଲୁଆକୁ ବିଶ୍ୱାସ କରି ସିଂହକୁ ପ୍ରଣାମ କରି କହିଲା – 'ହେ ପ୍ରଭୁ ! ଆପଣଙ୍କ ସଚିବ ହେବାକୁ ମୁଁ ଆସିଛି ।' ଏହି ବାକ୍ୟ ଶୁଣି ସିଂହ କପଟହାସ ଦେଖାଇଲା।
9. ସିଂହ ନିଜ ନଖ ଓ ଦାନ୍ତ ଦ୍ୱାରା ଗଧର ବେକ ଚିରି ରକ୍ତ ପିଇ ବାହାରକୁ ପଳାଇଲା।
10. ଭୋକରେ ବିଲୁଆ ମୃତ ଗଧର ମୁଣ୍ଡ ଭକ୍ଷଣ କଲା।
11. ଯାହାର ନିଜର ବୁଦ୍ଧି ନାହିଁ, ପରବୁଦ୍ଧିରେ ନିର୍ବିବେକ ପରି ମୂର୍ଖ ଦୋଷରୁ ମୃତ୍ୟୁ ହୁଏ।

Odisha 1 to 10 All Books App

ବ୍ୟାକରଣବିଭାଗଃ

स्त्रीप्रत्ययः (स्त्री प्रत्ययः)

1. कोकिल पदस्य स्त्रीप्रत्यये रूपम् - _____
   (A) कोकिलम् (B) कोकिला
   (C) कोकिलेन (D) कोकिलम्
2. राज्ञः पत्नी - _____
   (A) राज्ञी (B) राजानी
   (C) साम्राज्ञी (D) राज्यपत्नी
3. यवनानां लिपिः _____
   (A) यवनी (B) यवानी
   (C) यवनानी (D) यवानीम्
4. स्वयं व्याख्यात्री _____
   (A) आचार्या (B) आचार्यानी
   (C) आचार्याम् (D) आचार्यः
5. इन्द्रस्य पत्नी _____
   (A) इन्द्राणीम् (B) इन्द्राणीः
   (C) ऐन्द्रीम् (D) इन्द्राणी
6. लेखक _____
   (A) लेखकाः (B) लेखिकाः
   (C) लेखिका (D) लेखिकाम्
7. मानुष _____
   (A) मनुषी (B) मानुषी
   (C) मानुषीम् (D) मनुषीम्
8. गोपस्य स्त्री _____
   (A) गोपा (B) गोपी
   (C) गोपाः (D) गोपिकाः
9. भव _____
   (A) भवति (B) भावती
   (C) भवता (D) भवानी
10. काक _____
    (A) काकी (B) काका
    (C) काकीम् (D) काकाः
11. शिव _____
    (A) शिवा (B) शिवानि
    (C) शिवायाः (D) शिवानीम्
12. तेजस्विन् _____
    (A) तेजस्वी (B) तेजस्विनीः
    (C) तेजस्विन्यः (D) तेजस्विनी
13. इदम् - _____
    (A) सा (B) इमम्
    (C) एनाम् (D) इयम्
14. गच्छत् - _____
    (A) गच्छताम् (B) गच्छती
    (C) गच्छन्ती (D) गच्छन्तीम्
15. शुक _____
    (A) शुकी (B) शुकः
    (C) शुका (D) शुकीम्
16. यद् _____
    (A) यः (B) यम्
    (C) यान् (D) या
17. द्वितीय इत्यस्य स्त्री _____
    (A) द्वतियी (B) द्वतियि
    (C) द्वत्रिया (D) द्वितीया
18. वैश्यस्य स्त्री _____
    (A) वैश्या (B) वैश्यी
    (C) वैश्यपत्नी (D) वैश्यदायी
19. शूद्र जातीया स्त्री _____
    (A) शूद्रा (B) शूद्री
    (C) शूद्रि (D) शूद्रजाया
20. गोप जातीया स्त्री _____
    (A) गोपी (B) गोपा
    (C) गोपि (D) गोपालिका
21. दुष्टः यवः _____
    (A) यवानी (B) यवनी
    (C) यवनि (D) यवनानी
22. महत् अरण्यम् _____
    (A) अरण्यानि (B) अरण्यानी
    (C) आरण्यानी (D) अरण्यनी

Eduodia App

23. महत् हिमम् _____
(A) हिमानी (B) हिमानि
(C) महाहिमम् (D) हिमनी

24. तिष्ठत् _____
(A) तिष्ठती (B) तिस्ठती
(C) तिष्ठन्ती (D) तिष्ठन्ति

25. उपाध्यायस्य स्त्री _____
(A) उपाध्यायानि (B) उपाध्यायी
(C) उपाध्याया (D) उपाध्यायि

26. चारुशिख _____
(A) चारुशिखी (B) चारुशखा
(C) चारुशिखा (D) चारुशिखिनी

27. कालमुख _____
(A) कालमुखा (B) कालमुखी
(C) कालमुखिनी (D) कालमुखो

28. शिक्षक _____
(A) शिक्षिका (B) शिक्षयित्री
(C) शिक्षयितृ (D) शौक्षिको

29. धार्मिक _____
(A) धार्मिकी (B) धार्मिका
(C) धार्मिका: (D) धार्मिकाणी

30. मनुष्य _____
(A) मानुषी (B) मन्वी
(C) मनुष्यी (D) मनुषी

31. मत्स्य _____
(A) मत्स्या (B) मत्स्यी
(C) मत्सी (D) मत्सि:

32. बुद्धिमत् _____
(A) बुद्धिमती (B) बुद्धिमति:
(C) बुद्धिमन्ती (D) बुद्धीमति

33. विभ्यत् _____
(A) विभ्यन्ती (B) विभ्यती
(C) विभ्यति: (D) विभ्यती:

34. पिबत् _____
(A) पिबती (B) पिबन्ती
(C) पिबति: (D) पिबती:

35. जनयितृ _____
(A) जनयिता (B) जनयत्रि
(C) जनायत्री (D) जनयित्री

36. प्रत्यच् _____
(A) प्रत्यची (B) प्रतिची
(C) प्रतीची (D) प्रत्यची

37. सभापति _____
(A) सभापति: (B) सभापत्नी
(C) सभानि (D) सभाना

38. समान _____
(A) समानी (B) समानि:
(C) समानि (D) समाना

39. चतुर _____
(A) चतुरा (B) चतुरि
(C) चातुरी (D) चतुरि:

40. शूर्पणख _____
(A) शूर्पणखा (B) शूर्पणखा:
(C) शूर्पनखा (D) शूर्पणखी

41. चतुर् _____
(A) चत्दार: (B) चतस्र:
(C) चत्वारि (D) चतुरी

42. त्रि _____
(A) त्रीणि (B) त्रय:
(C) त्रया (D) तिस्र:

43. सेवक _____
(A) सेविका (B) सेवकी
(C) सेवीका (D) सेविकी

44. नप्तृ _____
(A) नप्त्री (B) नप्तायी
(C) नप्तायि (D) नप्ता

Eduodia App

45. गरीयान् ________
(A) गरियानी (B) गरीयीनी
(C) गरीयसी (D) गरियसि

46. इन्द्र ________
(A) ईन्द्री (B) इन्द्राणी
(C) इन्द्राणी: (D) इन्द्रण्या

47. दर्शक ________
(A) दर्शकी (B) दर्शका
(C) दर्शिका (D) दर्शकि:

48. नद ________
(A) नदि (B) नदी
(C) नदानी (D) नदीनि

49. वर्षीयस् ________
(A) वर्षीयसी (B) वर्षियसी
(C) वषियसी (D) वर्षीयान्

50. ब्रह्मन् ________
(A) ब्रह्माणी (B) ब्रह्मणी
(C) ब्राह्मणी (D) ब्रह्मनी

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (A)	3. (C)	4. (A)	5. (D)	6. (C)	7. (B)	8. (B)	9. (D)	10. (A)
11. (A)	12. (D)	13. (D)	14. (C)	15. (C)	16. (D)	17. (D)	18. (B)	19. (A)	20. (B)
21. (A)	22. (B)	23. (A)	24. (C)	25. (B)	26. (C)	27. (D)	28. (A)	29. (A)	30. (D)
31. (C)	32. (A)	33. (B)	34. (B)	35. (D)	36. (C)	37. (A)	38. (D)	39. (A)	40. (A)
41. (B)	42. (D)	43. (A)	44. (A)	45. (C)	46. (B)	47. (C)	48. (B)	49. (A)	50. (A)

Educlia App

समास: (ସମାସଃ) ତତ୍ପୁରୁଷଃ

शुद्धं विग्रहवाक्यं / समस्तपदं / समासनाम चिनुत

1. गोरक्षणाय ________
(A) षष्ठी तत्पुरुष: (B) चतुर्थी तत्पुरुष:
(C) तृतीया तत्पुरुष: (D) द्वितीया तत्पुरुष:

2. दिवसस्य क्षय: तस्मिन् ________
(A) दिवसक्षये (B) दिवसक्षयस्य
(C) दिवसक्षयेन (D) दिवसक्षयं

3. उपाध्यायवचनात् ________
(A) उपाध्यायस्य वचनं तस्मात्
(B) उपाध्यायान् वचनम् तस्मात्
(C) उपाध्यायेन वचनं तस्मात्
(D) उपाध्याय वचनम् तस्मात्

4. न विचारणीया ________
(A) अविचारणीया (B) नाविचारणीया
(C) नाविचारणीय: (D) नोविचारणीया

5. क्षुधया ऋत: ________
(A) क्षुधायद्यत: (B) क्षुधार्त्त:
(C) क्षुधामाम: (D) क्षुधामृत:

6. धर्मस्य शास्त्राणि ________
(A) धर्मशास्त्राणाम् (B) धर्मशास्त्राणि
(C) धर्मम्शास्त्राणि (D) धर्मशास्त्राणी

7. गुरौ भक्ति: तया ________
(A) गुरुभक्ते: (B) गुरुभक्तिम्
(C) गुरुभक्त्या (D) गुरुभक्तिना

8. अनागते ________
(A) निषेधार्थक बहुव्रीहि: (B) नञ् तत्पुरुष:
(C) तत्पुरुष: (D) कर्मधारय:

9. अर्कपत्राणि ________
(A) अर्कवृक्षस्य पत्राणि (B) अर्कस्य पत्राणि
(C) अर्कनाम वृक्षस्य पत्राणि (D) अर्कवृक्षस्थितपत्राणि

10. अनिवेद्य _____
(A) न निवेद्य (B) नास्तिवेद्य नास्मिन्
(C) अननिवेद्य (D) न निवोदय

11. निशामुखे _____
(A) निशाया: मुखेन (B) निशाया: मुखं तस्मिन्
(C) निशाया: मुखम् (D) निशायाम् मुखम् तस्मिन्

12. दृष्टिहीन: _____
(A) दृष्ट्या हीन: (B) दृष्टिना हीन:
(C) दृष्टे: हीन: (D) हीनादृष्टि:

13. विश्वप्रसिद्ध: _____
(A) विश्वे प्रसिद्ध: (B) विश्वेषु प्रसिद्ध:
(C) विश्वस्य प्रसिद्ध: (D) विश्वानां प्रसिद्ध:

14. जीवनपोतम् _____
(A) जीवनं पोतम् (B) जीवनात् पोतम्
(C) जीवनस्य पोतम् (D) जीवनेषु पोतम्

15. धरापृष्ठम् _____
(A) धराया: पृष्ठ: (B) धराया: पृष्ठ: तम्
(C) धराया पृष्ठ: तम् (D) धराणां पृष्ठ: तम्

16. स्वभावसरल: _____
(A) स्वभाव: सरल: (B) स्वभावेन सरल:
(C) स्वभावस्य सरल: (D) स्वभावे सरल:

17. स्वस्य जीवनं तस्मिन् _____
(A) स्व जीवनम् (B) स्वजीवनस्य
(C) स्वजीवने (D) स्वजीवनेषु

18. दैवै: निर्दिष्ट: _____
(A) दैवनिर्दिष्ट: (B) दैवायनिर्दिष्ट:
(C) दैवात्निर्दिष्ट: (D) दैवं निर्दिष्ट:

19. विश्वस्य धर्म: _____
(A) विश्वाधर्म: (B) विश्वधर्म:
(C) विश्वेधर्म: (D) विश्वधर्मा:

20. कराभ्यां दीयमाना: ताला: तै: _____
(A) करताल: (B) करताले:
(C) करतालै: (D) करतालिभि:

21. विश्वे विश्रुत: _____
(A) विश्वश्रुत: (B) विश्वस्रुत:
(C) विश्वविश्रुता: (D) विश्वविश्रुत:

22. दीर्घजीविन: _____
(A) द्वितीया तत्पुरुष: (B) उपपद तत्पुरुष:
(C) नञ् तत्पुरुष: (D) सप्तमी तत्पुरुष:

23. भुवनेश्वरी _____
(A) तृतीया तत्पुरुष: (B) चतुर्थी तत्पुरुष:
(C) पञ्चमी तत्पुरुष (D) षष्ठी तत्पुरुष:

24. रत्नगर्भा _____
(A) उपपद तत्पुरुष: (B) बहुव्रीहि:
(C) कर्मधारय: (D) सप्तमीतत्पुरुष:

25. कालिदास: _____
(A) काले: दास: (B) काल्या: दास:
(C) कालौ दास: (D) काल्याम् दास:

26. अविनीत: _____
(A) नास्ति विनीत: यस्य स: (B) विनास्य अभाव:
(C) न विद्यते विनीत: यस्य (D) न विनीत:

27. वर्णचित्रित: _____
(A) वर्ण: चित्रित: (B) वर्णेण चित्रित:
(C) वर्णै: चित्रित: (D) वर्णाणां चित्रित्

28. ऋषिकुमार: _____
(A) ऋषि कुमार: (B) ऋषये कुमार:
(C) ऋषिणा कुमार: (D) ऋषे: कुमार:

29. हस्तग्रहेण _____
(A) हस्तेन ग्रह: तेन (B) हस्ते ग्रह: तेन
(C) हस्तस्य ग्रह: तेन (D) हस्ताय ग्रह: तेन

30. आत्मगतम् _____
(A) आत्मां गतम् (B) आत्मानं गतम्
(C) आत्मोनं गतम् (D) आत्मान: गतम्

31. मातृवत्सल: _____
(A) मातरि वत्सल: (B) माये वत्सल:
(C) मातु: वत्सल: (D) मात्रे वत्सल:

Eduodia App

32. तपसः वनं तस्मिन् _____
(A) तपोवनम् (B) तपोवनः
(C) तपोवने (D) तपोवनानि

33. आत्मानं गतम् तया _____
(A) आत्मागतिः (B) आत्मगत्या
(C) आत्मगता (D) आत्मगतेः

34. मनसः रथः तम् _____
(A) मनरथः (B) मनोरथः
(C) मनरथम् (D) मनोरथम्

35. भूमिपतिताम् _____
(A) चतुर्थी तत्पुरुषः (B) पञ्चमी तत्पुरुषः
(C) षष्ठी तत्पुरुषः (D) सप्तमी तत्पुरुषः

36. सर्वदमनः _____
(A) उपपद तत्पुरुषः (B) पञ्चमी तत्पुरुषः
(C) षष्ठी तत्पुरुषः (D) सप्तमी तत्पुरुषः

37. मुनिकुमारः _____
(A) कर्मधारयः (B) मध्यपदलोपी कर्मधारयः
(C) नित्य समास (D) षष्ठी तत्पुरुषः

38. धर्मदाराः _____
(A) कर्मधारयः (B) मध्यपदलोपी कर्मधारयः
(C) बहुव्रीहिः (D) चतुर्थी तत्पुरुषः

39. रक्षाकरण्डकम् _____
(A) द्वितीया तत्पुरुषः (B) तृतीया तत्पुरुषः
(C) चतुर्थी तत्पुरुषः (D) षष्ठी तत्पुरुषः

40. सर्वावस्था _____
(A) तृतीया तत्पुरुषः (B) द्वितीया तत्पुरुषः
(C) कर्मधारयः (D) बहुव्रीहिः

41. प्रियवादिनी _____
(A) बहुव्रीहिः (B) उपपद तत्पुरुषः
(C) कर्मधारयः (D) द्वन्द्वसमासः

42. त्वद्वियोगेन _____
(A) पञ्चमी तत्पुरुषः (B) षष्ठी तत्पुरुषः
(C) कर्मधारयः (D) बहुव्रीहिः

43. गुरुजनाज्ञया _____
(A) सप्तमी तत्पुरुषः (B) उपपद तत्पुरुषः
(C) तृतीया तत्पुरुषः (D) षष्ठी तत्पुरुषः

44. स्नेहपुरस्कृताः _____
(A) नित्यसमासः (B) बहुव्रीहिः
(C) तृतीया तत्पुरुषः (D) सप्तमी तत्पुरुषः

45. भुतले _____
(A) सप्तमी तत्पुरुषः (B) अव्ययी भावः
(C) षष्ठी तत्पुरुषः (D) तृतीया तत्पुरुषः

46. प्रहृष्टजनसम्पूर्णं _____
(A) प्रहृष्टजनानां सम्पुर्णाम् (B) प्रहृष्टम् जनसम्पुर्णम्
(C) प्रहृष्टजनैः सम्पूर्णम् (D) प्रहृष्ट जनाः सम्पूर्णम्

47. रघोः नन्दनः _____
(A) रघोनन्दनः (B) रघोनन्दनः
(C) रघुनन्दनः (D) रघूनन्दनः

48. नरवरेषु उत्तमः _____
(A) नरवरेत्तमः (B) नरवरत्तमः
(C) नरवरोत्तमः (D) नरवेरेत्तम्

49. आर्यस्य पुत्रः _____
(A) आर्यपुत्रः (B) आर्यपुत्राः
(C) आर्येपुत्रो (D) आर्येपुत्र

50. सत्यं वदति यः
(A) सत्यवादि (B) सत्यवादी
(C) सद्यवेदो (D) सत्यवित्

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (A)	3. (A)	4. (A)	5. (B)	6. (B)	7. (C)	8. (B)	9. (B)	10. (A)
11. (B)	12. (A)	13. (A)	14. (C)	15. (B)	16. (B)	17. (C)	18. (A)	19. (B)	20. (C)
21. (D)	22. (B)	23. (D)	24. (B)	25. (B)	26. (D)	27. (C)	28. (D)	29. (A)	30. (B)
31. (C)	32. (C)	33. (B)	34. (D)	35. (D)	36. (A)	37. (D)	38. (D)	39. (C)	40. (C)
41. (B)	42. (B)	43. (D)	44. (C)	45. (C)	46. (C)	47. (C)	48. (C)	49. (A)	50. (B)

Eduodia App

बहुव्रीहिः (ବହୁବ୍ରୀହିଃ)

शुद्धं विग्रहवाक्यं / समस्तपदं / समासनाम चिनुत

1. रत्नगर्भा _____
   (A) बहुव्रीहिः (B) कर्मधारयः
   (C) द्वन्द्वः (D) द्विगुः
2. लब्धे चक्षुषी येन सः _____
   (A) लब्धाचक्षुः (B) लब्धचक्षुः
   (C) लब्धूचक्षुः (D) लब्धेचक्षुः
3. सार्थकनामा _____
   (A) सार्थकी नाम यस्य सः (B) सार्थनाम यस्यः सः
   (C) सार्थकं नाम यस्य सः (D) सार्थकानामा यस्य सः
4. चिरं स्रोतः यस्याः _____
   (A) चिरस्रोतः (B) चिरस्रोता
   (C) चिरस्रोतः (D) चिरश्रतः
5. विसज्ञाम् _____
   (A) कर्मधारयः (B) द्वन्द्वः
   (C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः
6. योगजन्मा _____
   (A) योगेन जन्म यस्य सः (B) योगाय जन्म यस्य सः
   (C) योगं जन्म यस्य सः (D) योगात् जन्म यस्य सः
7. शोभनं व्रतं यस्याः सा (सम्बोधने) _____
   (A) सुव्रतो (B) सुव्रते
   (C) सुव्रत (D) सुव्रतो
8. भद्रमुख _____
   (A) भद्रामुखं यस्य सः (B) भद्रं मुखं यस्य सः
   (C) भद्रेमुखं यस्य सः (D) भदो मुखो यस्य सः
9. गोत्रम् एव परिचयः _____
   (A) गोत्रापरिचयाः (B) गोत्रोपरिचयः
   (C) गोत्रपरिचयस्य (D) गोत्रौ परिचयः
10. कृतकार्य्यः _____
    (A) कृतं कार्यं येन सः (B) कृता कार्यं येन सः
    (C) कृतेन कार्यं येन सः (D) कृताय कार्यं येन सः

Eduodia App

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (B)	3. (C)	4. (B)	5. (D)
6. (A)	7. (B)	8. (B)	9. (B)	10. (A)

कर्मधारयः समासः

କର୍ମଧାରୟ ସମାସ

शुद्धं विग्रहवाक्यं / समस्तपदं / समासनाम चिनुत

1. आर्षग्रन्थात्
   (A) आर्षः ग्रन्थः तस्मात् (B) आर्षं ग्रन्थाः तस्मात्
   (C) आर्षः ग्रन्थाः तस्मिन् (D) आर्षः ग्रन्थाः तस्य
2. आर्षग्रन्थात्
   (A) बहुव्रीहिः (B) कर्मधारयः
   (C) षष्ठी तत्पुरुषः (D) तृतीया तत्पुरुषः
3. आर्षः ग्रन्थः तस्मात्
   (A) आर्षगन्थस्य (B) आर्षग्रन्थे
   (C) आर्षग्रन्थात् (D) आर्षग्रन्थम्
4. हृष्टंपुष्टम्
   (A) हृष्टः पृष्टः यस्य सा: (B) हृष्टः चासौ पुष्टश्चेति तम्
   (C) हृष्टं चासौ पृष्टं श्चेति (D) हृष्टं पृष्टं च

5. हृष्टपुष्टम्
(A) बहुव्रीहिः (B) कर्मधारयः
(C) द्वितीया तत्पुरुषः (D) द्वन्दः

6. प्राचीनकालात्
(A) प्राचीनः कालाः
(B) प्राचीनः एक कालः तस्मिन्
(C) प्राचीनः कालः तस्मात्
(D) प्राचीनस्य कालः तस्मात्

7. प्राचीनकालात्
(A) बहुव्रीहिः (B) तत्पुरुषः
(C) द्वन्दः (D) कर्मधारयः

8. सुफलम्
(A) कर्मधारयः (B) बहुव्रीहिः
(C) तत्पुरुष (D) द्वन्दः

9. महामानवाः
(A) महतां मानवाः (B) महान्तः मानवाः
(C) महस्तु मानवाः (D) महानाः मानवाः

10. महामानवाः
(A) बहुव्रीहिः (B) कर्मधारयः
(C) षष्ठी तत्पुरुषः (D) सप्तमी तत्पुरुषः

11. महान्तः मानवाः
(A) महीमानवाः (B) महापुरुषः
(C) महन्तमानवः (D) महामानवाः

12. महापुरुषस्य
(A) महान् पुरुषः यस्य तस्य (B) महान्तं पुरुषः तस्य
(C) महान् पुरुषः तस्य (D) महतः पुरुषः तस्य

13. महापुरुषस्य
(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगु
(C) कर्मधारयः (D) षष्ठी तत्पुरुषः

14. दिव्यपुरुषाः
(A) दिव्यः पुरुषः तं (B) दिव्याः पुरुषाः
(C) दिव्यं पुरुषाः (D) दिव्याः पुरुषः तेन

15. दिव्यपुरुषाः
(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगु
(C) षष्ठी तत्पुरुषः (D) कर्मधारयः

16. पूर्णविश्वासः
(A) पूर्णः विश्वासः (B) पूर्णे विश्वासः यस्य सः
(C) पूर्णं विश्वासी (D) पूर्णस्य विश्वासी

17. योग्यगुरोः
(A) षष्ठी तत्पुरुषः (B) नित्यसमासः
(C) कर्मधारयः (D) बहुव्रीहिः

18. योग्यगुरोः
(A) योग्यं गुरुः तस्मात् (B) योग्यः गुरुः तस्य
(C) योग्यं गुरुः तस्मिन् (D) योग्यः गुरुः

19. योग्यशिष्यस्य
(A) योग्यः शिष्यः तस्य (B) योग्यं शिष्यः तस्मिन्
(C) योग्यं शिष्यः (D) योग्यः शिष्यः तस्मात्

20. योग्यशिष्यस्य
(A) बहुव्रीहिः (B) द्वन्दः
(C) कर्मधारयः (D) तत्पुरुषः

21. योग्यः शिष्यः तस्य
(A) योग्यशिष्यात् (B) योग्यशिष्ये
(C) योग्यशिष्याय (D) योग्यशिष्यस्य

22. शुभमुहूर्त्तः
(A) शुभः मुहूर्त्तः (B) शुभस्य मुहूर्त्तस्य
(C) शुभेन मुहूर्त्तः (D) शुभं एव पुरुषः

23. शुभमुहूर्त्तः
(A) उपपद तत्पुरुषः (B) कर्मधारयः
(C) बहुव्रीहिः (D) द्वन्दः

24. गभीरस्वरः
(A) कर्मधारयः (B) उपपद तत्पुरुष
(C) द्वन्दः (D) वहुव्रीहिः

25. गभीरस्वरः
(A) गंभीरम् स्वरः यस्मिन् (B) गभीरः स्वरः
(C) गंभीरं स्वरं यस्य सः (D) गंभीरे स्वरे

26. चिकागोनगरे
(A) चिकागो नाम्ना नगरं तस्मिन्
(B) चिकागोः नगरं तस्मिन्
(C) चिकागो नगरं यस्मिन् तस्मिन्
(D) चिकागो नगरं तस्मिन्

Eduodia App

27. चिकागो नाम्ना नगरं तस्मिन्
(A) चिकागोनगर: (B) चिकागोनगरे:
(C) चिकागो नगरम् (D) चिकागोनगरे

28. चिकागोनगरे
(A) षष्ठी तत्पुरुष: (B) बहुव्रीहि:
(C) मध्यपदलोपी कर्मधारय: (D) द्वन्द:

29. विभिन्नानि स्थानानि तेषु
(A) विभिन्नस्थानम् (B) विभिन्नस्थानेषु
(C) विभिन्नस्थानात् (D) विभिन्नस्थानाय

30. विभिन्नस्थानेषु
(A) विभिन्नं स्थातं यस्मिन् (B) विभिन्नं स्थानम्
(C) विभिन्नानि स्थानानि तेषु (D) विभिन्नं स्थानानि तस्य

31. विभिन्नस्थानेषु
(A) बहुव्रीहि: (B) तत्पुरुष:
(C) द्वन्द: (D) कर्मधारय:

32. वेलुर नाम ग्राम: तस्मिन्
(A) वेलुरग्राम: (B) वेलुरग्रामे
(C) वेलुरग्रामम् (D) वेलुरग्राम:

33. वेलुरग्रामे
(A) वेलुरनाम ग्राम: तस्मिन्
(B) वेलुर: ग्राम: तस्य
(C) वेलुर: ग्रामे
(D) वेलुर: ग्रामं तस्मिन

34. वेलुरग्रामे
(A) बहुव्रीहि: (B) तत्पुरुष:
(C) मध्यपदलोपी कर्मधारय: (D) द्वन्द:

35. दिव्यधाम
(A) दिव्यस्य धाम: (B) दिव्यं धाम
(C) दिव्येत धाम: (D) दिव्य धाम:

36. दिव्यधाम
(A) कर्मधारय: (B) बहुव्रीहि:
(C) नित्यसमास: (D) अव्ययीभाव:

37. स्वल्पजीवनेन
(A) स्वल्पाय जीवनम् (B) स्वल्पं जीवनं तेन
(C) स्वल्प: जीवन: (D) स्वल्पेन जीवन:

38. स्वल्पजीवनेन
(A) उपपद तत्पुरुष: (B) अव्ययी भाव:
(C) कर्मधारय: (D) बहुव्रीहि:

39. बालमृगेन्द्रम्
(A) बालस्य मृगेन्द्र: तम् (B) बाल: मृगेन्द्र: य: तम्
(C) बाल: मृगेन्द्र: तम् (D) बालात् मृगेन्द्र: तम्

40. बालमृगेन्द्रम्
(A) षष्ठी तत्पुरुष: (B) बहुव्रीहि:
(C) कर्मधारय: (D) पञ्चमी तत्पुरुष:

41. मृत्तिकामयूर:
(A) मृत्तीकया मयूर: (B) मृर्त्तिका एव मयूर:
(C) मृत्तिकाया: मयूर: (D) मृत्तिकया निर्मित: मयूर:

42. मृत्तिकामयूर:
(A) तृतीया तत्पुरुष: (B) मध्यपदलोपी कर्मधारय:
(C) षष्ठी तत्पुरुष: (D) बहुव्रीहि:

43. महर्षि:
(A) महान्तं ऋषि: य: स: (B) महान् ऋषि:
(C) महतां ऋषि: (D) महान्तं ऋषि:

44. आदिकवे:
(A) आदि: कवि: यस्य तस्य (B) आदे: कवि: तस्य
(C) आदि: कवि: तस्य (D) आदिं कवि: तस्य

45. आदिकवे:
(A) बहुव्रीहि: (B) षष्ठी तत्पुरुष:
(C) कर्मधारय: (D) द्वितीया तत्पुरुष:

46. आदर्शपुरुष:
(A) आदर्श: पुरुष: (B) आदर्श: पुरुष: य: स:
(C) आदर्श: पुरुष: एव (D) आदर्शस्य पुरुष:

47. आदर्श: पुरुष:
(A) कर्मधारय: (B) बहुव्रीहि:
(C) नित्य समास: (D) षष्ठी तत्पुरुष:

48. महावरौ
(A) महान् वर: यौ तौ (B) वरयो: महतन्ति
(C) महान्तौ वरौ (D) महान् वरं

EduodiaApp

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (B)	3. (C)	4. (B)	5. (B)	6. (C)	7. (D)	8. (A)	9. (B)	10. (B)
11. (D)	12. (C)	13. (C)	14. (B)	15. (D)	16. (A)	17. (C)	18. (B)	19. (A)	20. (C)
21. (D)	22. (A)	23. (B)	24. (A)	25. (B)	26. (A)	27. (D)	28. (C)	29. (B)	30. (C)
31. (D)	32. (B)	33. (A)	34. (C)	35. (B)	36. (A)	37. (B)	38. (C)	39. (C)	40. (C)
41. (D)	42. (B)	43. (B)	44. (C)	45. (C)	46. (A)	47. (A)	48. (C)		

कृदन्तः (କୃଦନ୍ତଃ)

शुद्धां प्रकृतिं शुद्धं प्रत्ययं च चिनुतः

1. स्तुतवान् _____ + क्तवतु
   (A) स्ता (B) स्तु
   (C) स्था (D) स्थुत
2. आचरितवान् - आ + _____ + क्तवतु
   (A) चार् (B) चूर्
   (C) चर् (D) चिर
3. दृश् + क्तवतु _____
   (A) पश्यवान् (B) दृष्टवान्
   (C) दृष्टवन् (D) दृश्यवान्
4. आगतवान् - आ + गम् + _____
   (A) क्त (B) ल्यप्
   (C) क्तवतु (D) घञ
5. पठितवान् _____ + क्तवतु
   (A) गम् (B) पठ्
   (C) दृश् (D) भू
6. आरोग्य - आ + _____ + ल्यप्
   (A) रोप्य (B) रीप्
   (C) रुज् (D) रप्
7. समासाद्य - सम् + आ + सद् + णिच् + _____
   (A) ल्यप् (B) क्तवतु
   (C) ल्युट् (D) शानच्
8. प्रदाय - प्र + दा + _____
   (A) तुमुन् (B) क्त
   (C) शतृ (D) ल्यप्
9. परिष्वज्य - परि + स्वज् + _____
   (A) ल्युट् (B) क्त
   (C) ल्यप् (D) घञ्
10. गतम् _____ + क्त
    (A) गम् (B) गद्
    (C) गध् (D) गद्
11. भणितः _____ + क्त
    (A) भग् (B) भण्
    (C) भणि (D) भत्
12. प्रसूता - प्र + सू + _____ + टाप्
    (A) क्त (B) क्तवतु
    (C) ल्यप् (D) तुमुन्
13. प्रसक्ता - प्र + _____ + क्त (टाप्)
    (A) सच् (B) सत्
    (C) सक् (D) सद्
14. दन्तौ - दा + _____
    (A) शानच् (B) क्त
    (C) शतृ (D) घञ्
15. चिन्तयन्ती - चिन्त् + _____ + ङीप्
    (A) शतृ (B) क्त
    (C) क्त्वा (D) ल्युट्
16. विलपन्ती - वि + लप् + _____ ङीप्
    (A) तव्य (B) शतृ
    (C) अनीयर् (D) शानच्

Eduodia App

17. तिष्ठन् _____ + शतृ
(A) दृश् (B) स्था
(C) पठ् (D) श्या

18. चेष्टमानः _____ + शानच्
(A) चेष् (B) चेष्ट्
(C) चेष्ट (D) चिष्ट्

19. वेपमाना - वेप् + _____ + टाप्
(A) शानच् (B) कितन्
(C) कतवतु (D) ल्यप्

20. भुञ्जानः _____ + शानच्
(A) भुज (B) भूज्
(C) भुज् (D) भज्

21. सेवमानः - सेव् + _____
(A) क्त (B) क्तवतु
(C) क्त्वा (D) शानच्

22. लभमानः _____ + शानच्
(A) पठ् (B) सेव्
(C) दृश् (D) लभ्

23. स्थित्वा - स्था + _____
(A) क्त (B) क्त्वा
(C) क्तवतु (D) ल्यप्

24. कृत्वा _____ + क्त्वा
(A) भू (B) पठ्
(C) कृ (D) दृश्

25. खादित्वा _____ + क्त्वा
(A) पठ् (B) खाद्
(C) दृश् (D) गम्

36. निवारयितुम् - नि + वृ + णिच् + _____
(A) क्त (B) तुमुन्
(C) क्त्वतु (D) ल्यप्

27. नेतुम् _____ + तुमुन्
(A) ना (B) नी
(C) नीर् (D) नि

28. गन्तुम् _____ + तुमुन्
(A) पठ् (B) दृश्
(C) गम् (D) खाद्

29. ज्ञातुम् _____ + तुमुन्
(A) पठ् (B) ज्ञ
(C) ज्ञा (D) गम्

30. भाषणम् - भाष् + _____
(A) ल्युट् (B) क्त
(C) क्तिन् (D) घञ्

31. पानम् _____ + ल्युट्
(A) खाद् (B) गम्
(C) पा (D) पठ्

32. पठितव्यः - पठ् + _____
(A) तव्य (B) अनीय
(C) यत् (D) ल्युट्

33. गन्तव्यः _____ + तव्य
(A) पठ् (B) गम्
(C) भू (D) खाद्

34. पातव्यः _____ + तव्य
(A) पठ् (B) गम्
(C) पा (D) खाद्

35. संसारः - सम् + सृ + _____
(A) क्तवतु (B) शतृ
(C) घञ् (D) ल्युट्

36. अभिषेकः - अभि + _____ घञ्
(A) शिच् (B) षिच्
(C) सिच् (D) शेक्

37. करणीयः - कृ + _____
(A) अनिय (B) अनीय
(C) अणिय (D) अणीय

38. दातव्यः _____ + तव्य
(A) खाद् (B) पठ्
(C) दा (D) गम्

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (C)	3. (B)	4. (C)	5. (B)	6. (C)	7. (A)	8. (D)	9. (C)	10. (A
11. (B)	12. (A)	13. (D)	14. (B)	15. (A)	16. (B)	17. (B)	18. (B)	19. (A)	20. (C)
21. (D)	22. (D)	23. (B)	24. (C)	25. (B)	26. (B)	27. (B)	28. (C)	29. (C)	30. (A)
31. (C)	32. (A)	33. (B)	34. (C)	35. (C)	36. (C)	37. (B)	38. (C)		

Eduodia App

शुद्धां प्रकृतिं शुद्धं प्रत्ययं च चिनुत:

ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ

1. वृत्तिम् _____ क्तिम्
   (A) वृध् (B) वृत्
   (C) वृष् (D) वृष्
2. रक्षिता _____ क्त्वा
   (A) रम् (B) रक्ष्
   (C) रनम् (D) रुष्
3. कुपित: _____ क्त
   (A) कुप् (B) कृष्
   (C) क्रुध् (D) कृ
4. आगत्य - आ + गम् + _____
   (A) क्त (B) ल्यप्
   (C) क्तवतु (D) तुमुन्
5. सञ्जात: - सम् + _____ + क्त
   (A) युज् (B) ज्ञा
   (C) जन् (D) जि
6. स्तुतवान् - स्तु + _____
   (A) क्त (B) क्त्वा
   (C) घञ् (D) क्तवतु
7. भ्रमन् - भ्रम् + _____
   (A) शतृ (B) क्त
   (C) क्तवतु (D) ल्यप्
8. प्रतिषिद्ध: - प्रति + _____ + ल्यप्
   (A) साध् (B) सिध्
   (C) स्था (D) साधि
9. भोक्तव्यम् _____ + तव्य
   (A) भू (B) भुज्
   (C) भुञ्ज् (D) भा
10. स्थित्वा _____ + क्त्वा
    (A) स्था (B) सिध्
    (C) साध् (D) शुध्

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (B)	3. (A)	4. (B)	5. (C)
6. (D)	7. (A)	8. (B)	9. (B)	10. (A)

ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ

1. आच्छन्न: - आ + छद् + _____
   (A) शतृ (B) ल्युट्
   (C) क्त (D) क्तवतु
2. निधातुम् - नि + _____ + तुमुन्
   (A) हा (B) धा
   (C) हन् (D) ध्यै
3. दत्त्वा _____ + क्त्वा
   (A) हन् (B) धा
   (C) दिश् (D) दा
4. उक्तवती _____ + क्तवतु + ङीप्
   (A) वच् (B) वद्
   (C) उच् (D) क्रम्
5. जीवनम् - जीव् + _____
   (A) शतृ (B) क्त
   (C) ल्युट् (D) अनीय
6. जात: _____ + क्त
   (A) जी (B) जि
   (C) जीत् (D) जन्
7. सम्मान: - सम् + मान् + _____
   (A) अल् (B) घञ्
   (C) ल्युट् (D) क्त
8. प्रतीक्षित: - प्रति + ईक्ष् + _____
   (A) क्तवतु (B) घञ्
   (C) क्त (D) शतृ
9. स्मृति: _____ क्तिन्
   (A) कृ (B) मन्
   (C) हृ (D) स्मृ
10. अनुसृत्य - अनु + _____ + ल्यप्
    (A) स्रु (B) श्रा
    (C) श्रु (D) सृ

ଉତ୍ତରାଣି

1. (C)	2. (B)	3. (D)	4. (A)	5. (C)
6. (D)	7. (B)	8. (C)	9. (D)	10. (D)

Eduodia App

ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍

1. विलोक्य - वि + _____ + ल्यप्
   (A) लोच् (B) लोक्
   (C) लू (D) लो
2. प्राप्तव्यम् - प्र + _____ + तव्य
   (A) पा (B) अर्च
   (C) आस् (D) आप्
3. भीत: - भी + _____
   (A) क्तवतु (B) घञ्
   (C) क्त (D) अल्
4. प्रतिषिद्ध: - प्रति + _____ + क्त
   (A) सिध् (B) शी
   (C) सिघ् (D) स्था
5. सम्पूर्णम् - सम् + पूर् + _____
   (A) तव्य (B) क्त
   (C) शतृ (D) घञ्
6. स्थानम् - स्था + _____
   (A) घञ् (B) क्त
   (C) ल्युट् (D) शतृ
7. भूत्वा _____ क्त्वा
   (A) भू (B) अस्
   (C) क्त (D) अल्
8. कृतम् - कृ + _____
   (A) क्त (B) क्तवतु
   (C) घञ् (D) ल्युट्
9. व्यवहार: - वि + अव + हृ + _____
   (A) क्त (B) शतृ
   (C) ल्युट् (D) घञ्
10. प्रसूता - प्र + _____ + क्त (टाप्)
    (A) सो (B) सू
    (C) सु (D) सि

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (D)	3. (C)	4. (A)	5. (B)
6. (C)	7. (A)	8. (A)	9. (D)	10. (B)

ସୀତାୟାଃ ବନଗମନମ୍

1. सम्पूर्णम् - सम् + _____ क्त
   (A) पुर् (B) पूर्
   (C) पू (D) पी
2. शोक: - शुच् + _____
   (A) शतृ (B) अल्
   (C) घञ् (D) क्त
3. मर्षणम् _____ + ल्युट्
   (A) मर्ष् (B) मर्श्
   (C) मोर्ष् (D) मृष्
4. वस्तव्यम् - वस् + _____
   (A) तव्य (B) शतृ
   (C) ल्युट् (D) शानच्
5. भुञ्जान: - भुज् + _____
   (A) शतृ (B) शानच्
   (C) ल्यप् (D) क्त
6. चिन्तयन्ती - चिन्त् + _____ (ङीप्)
   (A) शानच (B) घञ्
   (C) ल्युट् (D) शतृ
7. खिन्न _____ + क्त
   (A) खिद् (B) खिद:
   (C) खिन् (D) खि
8. उपवास: - उप + _____ + घञ्
   (A) वास् (B) वस्
   (C) विश (D) वश्
9. वचनम् - वच् + _____
   (A) क्त (B) क्तवतु
   (C) ल्युट् (D) शतृ
10. नेतुम् _____ + तुमुन्
    (A) ने (B) नि
    (C) नो (D) नी

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (C)	3. (D)	4. (A)	5. (B)
6. (D)	7. (A)	8. (B)	9. (C)	10. (D)

Eduodia App

ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ

सन्धिविधानं चिनुत।

1. उपाध्याय: + तम्
   (A) उपाध्यायतम् (B) उपाध्यायस्ताम्
   (C) उपाध्यायस्तम् (D) उपाध्ययस्तं
2. वृत्ति + उपरोधम्
   (A) वृत्तिपरोधम् (B) वृत्युपरोधम्
   (C) वृत्तेपरोधम् (D) वृत्योपरोधम्
3. नि + अवारयत्
   (A) नावारयत् (B) न्यावारयत्
   (C) न्यवरयत् (D) न्यवारयत्
4. कदाचित् + अरण्ये
   (A) कदाचितारण्ये (B) कदाचिदारण्ये
   (C) कदाचीतारण्ये (D) कदाचिदरण्ये
5. कुत्र + असि
   (A) कुत्रासि (B) कुत्रइसि
   (C) कुत्रसि (D) कुत्रोइसि
6. पतित: + असि
   (A) पिततसि (B) पतितोऽसि
   (C) पतितासि (D) पतितोसि
7. प्र + आहतु:
   (A) प्राहतु: (B) प्रारहतु:
   (C) प्राहातु: (D) प्रहतु:
8. तथा + एव
   (A) तथेन (B) तथाएव
   (C) तथोव (D) तथैव
9. अद्य + अपि
   (A) अद्यापि (B) अद्यपि
   (C) अद्यरपि (D) अद्यमपि
10. एहि + इति
    (A) एहीति (B) एहि इति
    (C) एहीरिति (D) एहाति

ଉତ୍ତରାଣି

1. (C)	2. (B)	3. (D)	4. (D)	5. (A)
6. (B)	7. (A)	8. (D)	9. (A)	10. (A)

ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ

सन्धिविच्छेदं चिनुत।

1. नमश्चकार
   (A) नम: + चकार (B) नम + चकार
   (C) नमो + चकार (D) नम + श्चकार
2. नैतत्
   (A) न + ऐतत् (B) न: + एतत्
   (C) न + एतत् (D) नै + तत्
3. प्रत्युवाच
   (A) प्रति + उवाच (B) प्रति: + उवाच
   (C) प्रती + उवाच (D) प्र + त्युवाच
4. सर्वमवदत्
   (A) सर्व + मवदत् (B) सर्वम् + अवदत्
   (C) सर्वे + अवदत् (D) सर्वाद् + अवदत्
5. उपमन्युर्नाम
   (A) उपमन्यु: + नाम (B) उपमन्यु + र्नाम
   (C) उपमन्यु + नाम (D) उपमन्यु: + र्नाम
6. इत्युक्त्वा
   (A) इति + उक्त्वा (B) इति: + उक्त्वा
   (C) इति + क्त्वा (D) इत्यु + क्त्वा
7. न्यवेदयत्
   (A) नि: + अवेदयत् (B) न्य + वेदयत्
   (C) नि + अवेदयत् (D) न्य + अवेदयत्
8. तथापि
   (A) तथा + अपि (B) तथ + अपि
   (C) तथा: + अपि (D) तथे + अपि
9. क्षुधार्त्त:
   (A) क्षुधे + आर्त्तम् (B) क्षुध + गृहतम्
   (C) क्षुधा + ऋत: (D) क्षुधा + ऋतम्
10. यानुपायान्
    (A) यान् + पायान् (B) यान् + उपायान्
    (C) यान + ऊपायान (D) यानु + उपायान्

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (C)	3. (A)	4. (B)	5. (A)
6. (A)	7. (C)	8. (A)	9. (C)	10. (B)

Eduodia App

ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ

सन्धिविधानं चिनुत।

1. मातु: + उपदेशम्
   (A) मातृउपेदशम् (B) मात्रोपदेशम
   (C) मातुरुपदेशम् (D) मातोरुपदेशम्
2. उत्तरेण + एव
   (A) उत्तरेणेव (B) उत्तरेणव
   (C) उत्तरोणोव (D) उत्तरेणैव
3. वसुधा + एव
   (A) वसुधैव (B) वसुधीव
   (C) वसुधाएव (D) वसुधैव
4. स: + अपि
   (A) सोऽपि (B) सेपि
   (C) सपि (D) सोओपि
5. विकास: + च
   (A) विकाशश्च (B) विकासश्च
   (C) विकासच (D) विकाशेश्च:
6. ईश्वर + अनुसन्धाने
   (A) ईश्वरतुसन्धाने (B) इश्वरानुसन्धाने
   (C) ईश्वरानुसन्धाने (D) ईश्वरआनुसन्धाने
7. व्याकुल: + असौ
   (A) व्याकुलसौ (B) व्याकुलोऽसौ
   (C) व्याकुलौसौ (D) व्याकुलेसौ
8. सकृत् + एव
   (A) सकृदेव (B) सकृतेत:
   (C) सकृदैव (D) सकृदिव
9. ताम् + अपि
   (A) तामापि (B) तामि
   (C) तामपि (D) तमपि
10. सेवाम् + आरभत
    (A) सेवमरभत (B) सेवामारभत
    (C) सेवामिरभत: (D) सेवमारभत

ଉତ୍ତରାଣି

1. (C)	2. (D)	3. (D)	4. (A)	5. (B)
6. (C)	7. (B)	8. (A)	9. (C)	10. (B)

ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ

सन्धिविच्छेदं चिनुत।

1. पुनरमरधाम
   (A) पुन + रमरधाम (B) पुन: + अमरधाम
   (C) पुना + अमरधाम (D) पुना: + अमरधाम:
2. अद्यावधि
   (A) अद्य + अवधि (B) अद्या + वधि
   (C) अद्या + अवधि (D) अद्य: + अवधि
3. युगाकाशे
   (A) युगा + काशे (B) युगे + आकाशे:
   (C) युग: + आकाशे (D) युग + आकाशे
4. गङ्गेव
   (A) गङ्गा + एव (B) गङ्गा + एव:
   (C) गङ्गा + इव (D) गङ्गा + एव
5. चास्य
   (A) चा + स्य (B) च + अस्य
   (C) च + आस्य (D) च: + आस्य
6. विषयोऽयम्
   (A) विषयो + यम् (B) विषय: + इयम्
   (C) विषय: + अयम् (D) विषय + यायाम्
7. पवित्रोभव
   (A) पवित्र: + भव (B) पवित्र + भव
   (C) पवित्री + भव (D) पवित्रो: + भव
8. सोऽपि
   (A) सो + अपि (B) स: + अपि
   (C) स: + रपि (D) सो + रपि
9. अतीव
   (A) अति + इव (B) अती + इव
   (C) अति: + इव (D) अदि + एव
10. वसुधैव
    (A) वसुधा + इव (B) वसुधा + एव
    (C) वसुधा + ऐव (D) वसुधा + रैव

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (A)	3. (D)	4. (C)	5. (B)
6. (C)	7. (A)	8. (B)	9. (A)	10. (B)

Eduodia App

ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍

सन्धिविधानं चिनुत।

1. रूपकम् + इदम्
   (A) रूपकमेदम् (B) रूपकमिदम्
   (C) रूपकमीदम् (D) रूपकमैदम्
2. भीत: + अस्मि
   (A) भीतोऽस्मि (B) भीतास्मि
   (C) भीतोअस्मि (D) भितोस्मि
3. अनेन + एव
   (A) अनेतेव (B) अनेनैव
   (C) अनैनव (D) अनेनीव
4. माम् + अयम्
   (A) मामायम् (B) मामीयम्
   (C) मामयम् (D) मामायं
5. क: + अत्र
   (A) कोत्र (B) कोऽत्र
   (C) कत्रा (D) केऽत्रा
6. पुन: + आत्मगत्या
   (A) पुनरात्मगत्या (B) पुनात्मगत्या
   (C) पुनरत्मगत्या (D) पुनारात्मगत्या
7. देवगुरो: + तपोवने
   (A) देवगुरोस्तपोवने (B) देवगुरुतपोवने
   (C) देवगुरौऽतपोवने (D) देवगुरोतपोवने:
8. इदम् + अस्य
   (A) इदमस्य (B) इदमास्य
   (C) इदस्य (D) इदमेस्य
9. तत: + तम्
   (A) तत्तम् (B) ततम्
   (C) ततोतम् (D) ततस्तम्
10. कदाचित् + अस्या:
    (A) कदाचिदास्या: (B) कदाचीदास्या
    (C) कदाचितास्या: (D) कदाचिदस्या:

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (A)	3. (B)	4. (C)	5. (B)
6. (A)	7. (A)	8. (A)	9. (D)	10. (D)

ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍

सन्धिविच्छेदं चिनुत।

1. इत्यधरम्
   (A) इत्य + अधरम् (B) इति + अधरम्
   (C) इति: + अधरम् (D) इति + धरम्
2. वाङ्मात्रेण
   (A) वाङ् + मात्रेण (B) वाग् + मात्रेण
   (C) वाक् + मात्रेण (D) वाके + मात्रेण:
3. खल्वयं
   (A) खलु + अयम् (B) खलु + यम्
   (C) खलु: + अयम् (D) खलु + आयम्
4. कोऽस्य
   (A) को + यस्य (B) क: + अस्य
   (C) क: + स्य (D) क + रस्य:
5. कस्तस्य
   (A) क + स्तस्य (B) क: + तस्य
   (C) क: + स्तस्य: (D) क + तस्य
6. सहैव
   (A) सह्ा + एव (B) सह + एव
   (C) सहे + एव (D) सह: + एव
7. मामेव
   (A) माम् + इव (B) माम + इव
   (C) माम + एव (D) माम् + एव
8. मह्यमेष:
   (A) मह्यम् + रेष: (B) मह्य + मेष:
   (C) मह्यं + मेष: (D) मह्यम् + एष:
9. नामौषधि:
   (A) नामा + औषधि (B) नम् + औषधि
   (C) नाम + औषधि: (D) नाम् + औषधि
10. कथमिव
    (A) कथ + मिव (B) कथ + एव
    (C) कथम् + इव (D) कथाम् + इव

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (C)	3. (A)	4. (B)	5. (B)
6. (B)	7. (D)	8. (D)	9. (C)	10. (C)

Eduodia App

ସୀତାୟାଃ ବନଗମନମ୍

सन्धिविधानं चिनुत।

1. किम् + इदम्
(A) किमेदम् (B) किमिदम्
(C) किदम् (D) किमैदम्

2. मुखवर्णः + च
(A) मुखवर्णेश्च (B) मुखवर्णोच
(C) मुखवर्णचः (D) मुखवर्णश्च

3. पुत्रः + तथा
(A) पुत्रतथा (B) पुत्रोस्तथा
(C) पुत्रस्तथा (D) पुत्रःस्तथा

4. नृप + उद्यते
(A) नृपद्यते (B) नृपौद्यते
(C) नृपोद्यते (D) नृपीद्यते

5. वसतः + तान्
(A) वस्ततान् (B) वस्ततान्
(C) वस्तस्थान् (D) वसतस्तान्

6. त्वत् + ऋते
(A) तदृते (B) त्वदृते
(C) त्वदृते (D) त्वतृते

7. विमानैः + वा
(A) विमानैर्वा (B) विमानैवा
(C) र्विमानीर्वाः (D) विमानेर्वा

8. विषम् + अग्निम्
(A) विषमग्निम् (B) विषमेग्नि
(C) विषमाग्निम् (D) विषमिग्नि

9. भवान् + तातः
(A) भवांस्तातः (B) भवास्तातः
(C) भर्वास्थातः (D) भवात्स्थातः

10. महान्ति + अत्र
(A) महान्तित्र (B) महान्त्यत्र
(C) महन्तित्र (D) महान्त्येत्र

ଉତ୍ତରାଣି

1. (B)	2. (D)	3. (C)	4. (C)	5. (D)
6. (B)	7. (A)	8. (A)	9. (A)	10. (B)

ସୀତାୟାଃ ବନଗମନମ୍

सन्धिविच्छेदं चिनुत।

1. तयाद्य
(A) तय + अद्य (B) तया + आद्य
(C) तया + अद्य (D) तयाः + आद्य

2. प्रणयादेव
(A) प्रणयाद् + एव (B) प्रणयात् + एव
(C) प्रणयात् + इव (D) प्रणयाद् + इस

3. यथैव
(A) यथै + व (B) यथा + एव
(C) यथा + इव (D) यथे + एवा

4. प्रहर्षश्च
(A) प्रहर्षः + च (B) प्रहर्षः + श्च
(C) प्रहषः + च (D) प्रर्हषः + श्च

5. नार्य्येका
(A) नारि + एका (B) नार्य्य + एका
(C) नार्य्ये + का (D) नारी + एका

6. पुरुषर्षभ
(A) पुरुषः + ऋषभ (B) पुरुष + ऋषभ
(C) पुरुष + र्षभ (D) पुरुषः + र्षभ

7. नेदानीम्
(A) ने + दानीम् (B) न + एदानीम्
(C) न + इदानीम् (D) ना + इदानीम्

8. रामस्तु
(A) रामः + तु (B) राम + स्तु
(C) रामः + स्तु (D) राम + तु

9. अवाङ्मुखः
(A) अवाग् + मुखः (B) अवाख + मुखः
(C) अवाङ् + मुखः (D) अवाक् + मुखः

10. इतीव
(A) इति + इव (B) इती + व
(C) इतिः + ईव (D) इतिः + इव

ଉତ୍ତରାଣି

1. (C)	2. (B)	3. (B)	4. (A)	5. (D)
6. (B)	7. (C)	8. (A)	9. (D)	10. (A)

Eduodia App

रेखाङ्कितपदस्य कारकविभक्तिगतं शुद्धमुत्तरं चिनुत।

ସୁଶିଷ୍ୟଃ ଉପମନ୍ୟୁଃ

1. उपाध्यायस्तं गोरक्षणाय प्रेषयति स्म।
   (A) तादर्थे चतुर्थी (B) स्पृहार्थे चतुर्थी
   (C) संप्रदाने चतुर्थी (D) तुं लोपे कर्मणि चतुर्थी
2. गुरवे सर्वं भैक्ष्यं न्यवेदयेत्।
   (A) कर्मणि द्वितीया (B) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया
   (C) उक्ते कर्मणि प्रथमा (D) क्रियाविशेषणे द्वितीया
3. वत्स! इममपूपं भक्षय।
   (A) कर्त्तरि प्रथमा (B) अव्ययोगे प्रथमा
   (C) सम्बोधने प्रथमा (D) उक्ते कर्मणि प्रथमा
4. गुरुस्तं सर्वेभ्यः न्यवारयत्।
   (A) जुगुप्सदियोगे पञ्चमी (B) निवृत्त्यर्थे पञ्चमी
   (C) वारणार्थे पञ्चमी (D) ल्यव्लोपे पञ्चमी
5. नयनाभ्याम् अन्धः सन् कूपे पतितोइहम्।
   (A) अङ्गविकारे तृतीया (B) सहार्थे तृतीया
   (C) ऊनार्थे तृतीया (D) प्रकृत्यादिभ्यः तृतीया
6. तस्मात् सः अन्विष्यताम्।
   (A) कर्त्तरि प्रथमा (B) अव्ययोगे प्रथमा
   (C) उक्ते कर्मणि प्रथमा (D) सम्बोधने प्रथमा
7. गुरुभक्त्या किं न सिध्यति।
   (A) अपवर्गे तृतीया (B) प्रकृत्यादिभ्यः तृतीया
   (C) हेतौ तृतीया (D) सहार्थे तृतीया
8. सूर्ये च अस्तं गते गुरुः अन्यान् शिष्यानवदत्।
   (A) भावे सप्तमी (B) अधिकरणे सप्तमी
   (C) निर्द्धारणे सप्तमी (D) अवच्छेदे सप्तमी
9. स उपाध्यायस्य वचनं श्रुत्वा प्रत्युवाच।
   (A) सम्बन्धे षष्ठी (B) कृद्योगे षष्ठी
   (C) हेतुप्रयोगे षष्ठी (D) निर्द्धारणे षष्ठी
10. ततः स गच्छन् एकस्मिन् कूपे अपतत्।
    (A) अधिकरणे सप्तमी (B) अवच्छेदे सप्तमी
    (C) निर्द्धारणे सप्तमी (D) भावे सप्तमी
11. गुरुः तं हृष्टपुष्टं दृष्ट्वा उवाच।
    (A) उक्ते कर्मणि प्रथमा (B) कर्त्तरि प्रथमा
    (C) अव्ययोगे प्रथमा (D) सम्बोधने प्रथमा
12. श्रेयः ते भविष्यति।
    (A) सम्बन्धे षष्ठी (B) आशीर्वादार्थे षष्ठी
    (C) अनादरे षष्ठी (D) निर्द्धारणे षष्ठी
13. वत्स ! इममपूपं भक्षय।
    (A) कर्मणि द्वितीया (B) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया
    (C) अत्यन्तसंयोगे द्वितीया (D) क्रियाविशेषणे द्वितीया
14. मया सर्वतः प्रतिषिद्धः।
    (A) करणे तृतीया (B) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया
    (C) वारणार्थे तृतीया (D) सहार्थे तृतीया
15. तेन वृत्तिं करोमि।
    (A) हेतौ तृतीया (B) करणे तृतीया
    (C) प्रकृत्यादिभ्यः तृतीया (D) सहार्थे तृतीया
16. गुरवे सर्वं भैक्ष्यं न्यवेदयत्।
    (A) निवेदनार्थे चतुर्थी (B) तादर्थे चतुर्थी
    (C) संपद्यमाने चतुर्थी (D) निमित्तार्थे चतुर्थी
17. सर्वाणि धर्मशास्त्राणि ते प्रतिभास्यन्ति।
    (A) कर्त्तरि प्रथमा (B) उक्ते कर्मणि प्रथमा
    (C) सम्बोधने प्रथमा (D) अव्ययोगे प्रथमा
18. उपाध्यायं निकषा आगत्य प्राणमत्
    (A) कर्मणि द्वितीया (B) निकषा योगे द्वितीया
    (C) अत्यन्तसंयोगे द्वितीया (D) क्रियाविशेषणे द्वितीया
19. तत्र उपस्थाय उपमन्युं प्राहतुः
    (A) कर्मणि द्वितीया (B) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया
    (C) क्रियाविशेषणे द्वितीया (D) अत्यन्तसंयोगे द्वितीया
20. भैक्ष्येण वृत्तिं करोमि।
    (A) करणे तृतीया (B) हेतौ तृतीया
    (C) सहार्थे तृतीया (D) ऊनार्थे तृतीया

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (A)	3. (C)	4. (C)	5. (A)	6. (C)	7. (C)	8. (A)	9. (A)	10. (A)
11. (B)	12. (A)	13. (A)	14. (B)	15. (B)	16. (A)	17. (A)	18. (B)	19. (A)	20. (A)

Eduodia App

ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଃ

1. माता तं स्नेहेन <u>विलुइति</u> आहूतवती।
   (A) अव्यययोगे प्रथमा (B) कर्त्तरि प्रथमा
   (C) उक्ते कर्मणि प्रथमा (D) सम्बोधेन प्रथमा
2. स <u>रामकृष्णपरमहंसं</u> निकषा गत्वा पृष्टवान्।
   (A) कर्मणि द्वितीया (B) क्रियाविशेषणे द्वितीया
   (C) निकषापदयोगे द्वितीया (D) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया
3. उत्तरं <u>रामकृष्णेन</u> प्रदत्तम्।
   (A) करणे तृतीया (B) प्रकृत्यादिभ्यः तृतीया
   (C) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया (D) प्रयोजनार्थे तृतीया
4. ते <u>अमरधाम्न</u>: पृथिवीम् अवतरन्ति।
   (A) ल्यब्लोपे पञ्चमी (B) अपादाने पञ्चमी
   (C) हेतौ पञ्चमी (D) वारणार्थे पञ्चमी
5. <u>गुरुणा</u> सोऽपि शिष्यरूपेण स्वीकृतः।
   (A) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया (B) प्रकृत्यादिभ्यः तृतीया
   (C) हेतौ तृतीया (D) प्रयोजनार्थे तृतीया
6. <u>दरिद्राणां</u> सेवामारभत।
   (A) सम्बन्धे षष्ठी (B) कृद्योगे षष्ठी
   (C) निर्द्धारणे षष्ठी (D) हेतुप्रयोगे षष्ठी
7. <u>तं</u> प्रति यथार्थसम्मानः भविष्यति।
   (A) कर्मणि द्वितीया (B) प्रति योगे द्वितीया
   (C) व्याप्त्यर्थे द्वितीया (D) क्रियाविशेषणे द्वितीया
8. सम्प्रति विश्वस्य अनेकत्र <u>सेवा</u> क्रियते।
   (A) कर्त्तरि प्रथमा (B) अव्यवयोगे प्रथमा
   (C) सम्बोधने प्रथमा (D) उक्ते कर्मणि प्रथमा
9. स <u>स्वजनन्याः</u> दुःखानि निवारयितुं सततमचेष्टत।
   (A) कृद्योगे षष्ठी (B) निर्द्धारणे षष्ठी
   (C) हेतुप्रयोगे षष्ठी (D) सम्बन्धे षष्ठी
10. <u>आत्मसम्मानं</u> रक्ष।
   (A) कर्मणि द्वितीया (B) प्रतियोगे द्वितीया
   (C) कर्मप्रवनीययोगे द्वितीया (D) व्याप्त्यर्थे द्वितीया
11. <u>पुत्र !</u> आजीवनं पवित्रो भव।
   (A) अव्यययोगे प्रथमा (B) सम्बोधने प्रथमा
   (C) उक्ते कर्मणि प्रथमा (D) कर्त्तरि प्रथमा
12. <u>भवान्</u> भगवन्तं दृष्टवानस्ति।
   (A) अव्यययोगे प्रथमा (B) कर्त्तरि प्रथमा
   (C) उक्ते कर्मणि प्रथमा (D) सम्बोधने प्रथमा
13. ते अमरधाम्नः <u>पृथिवीम्</u> अवतरन्ति।
   (A) कर्मणि द्वितीया (B) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया
   (C) अत्यन्तसंयोगे द्वितीया (D) क्रियाविशेषणे द्वितीया
14. <u>आजीवनं</u> तामपि स्मरति स्म।
   (A) कर्मणि द्वितीया (B) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया
   (C) क्रियाविशेषणे द्वितीया (D) व्याप्त्यर्थे द्वितीया
15. <u>रामकृष्णमिशनमाध्यमेन</u> उद्बुद्धैः युवकैः सम्प्रति विश्वस्य अनेकत्र सेवा क्रियते।
   (A) करणे तृतीया (B) प्रकृत्यादिभ्यः तृतीया
   (C) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया (D) प्रयोजनार्थे तृतीया
16. मौलिकतत्त्वस्य <u>प्रचारेण</u> सह स दरिद्राणां सेवामारभत।
   (A) करणे तृतीया (B) प्रकृत्यादिश्यः तृतीया
   (C) सहयोगे तृतीया (D) प्रयोजनार्थे तृतीया
17. मानवधर्मस्य <u>प्रसाराय</u> विभिन्नस्थानेषु समुचितभाषणं दत्त्वा स विश्वविश्रुत वभूव।
   (A) संप्रदाने चतुर्थी (B) निमित्तार्थे चतुर्थी
   (C) चतुर्थी (D) निवृत्यर्थे चतुर्थी
18. तस्य गंभीरस्वरः <u>श्रोतृणां</u> हृदयानि स्पृशति स्म।
   (A) हेतुप्रयोगे षष्ठी (B) कृद्योगे षष्ठी
   (C) सम्बन्धे षष्ठी (D) समीपशब्दयोगे षष्ठी
19. <u>योग्यशिष्यस्य</u> च संयोगः दैवनिर्द्दिष्टः ।
   (A) कृद्योगे षष्ठी (B) सम्बन्धे षष्ठी
   (C) हेतुप्रयोगे षष्ठी (D) निर्द्धारणे षष्ठी
20. कोलकाता इति <u>नगरे</u> कुलीने परिवारे विवेकानन्दः जातः
   (A) अधिकरणे सप्तमी (B) भावे सप्तमी
   (C) अवच्छेदे सप्तमी (D) निर्द्धारणे सप्तमी

Eduodia App

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (C)	3. (C)	4. (B)	5. (A)	6. (B)	7. (B)	8. (D)	9. (D)	10. (A)
11. (B)	12. (B)	13. (A)	14. (D)	15. (A)	16. (C)	17. (B)	18. (C)	19. (A)	20. (A)

Odisha 1 to 10 All Books App

ଶିଶୁବାତ୍ସଲ୍ୟମ୍

1. दन्तान् ते गणयिष्यामि
(A) सम्बन्धे षष्ठी (B) अनादरे षष्ठी
(C) हेतुप्रयोगे षष्ठी (D) स्मरणार्थे षष्ठी

2. अनेन एव तावत् क्रीडिष्यामि।
(A) अङ्गविकारे तृतीया (B) हेतौ तृतीया
(C) सहार्थे तृतीया (D) प्रकृत्यादिभ्य: तृतीया

3. स्पृहयामि खलु दुर्ललिताय अस्मै।
(A) निमित्तार्थे चतुर्थी (B) स्पृहधातुयोगे चतुर्थी
(C) संपद्यमाने चतुर्थी (D) निवृत्यर्थे चतुर्थी

4. मानुषाणाम् इदं स्थानं प्राप्तव्यम्।
(A) कृत्यप्रत्ययान्तपदयोगे षष्ठी (B) सम्बन्धे षष्ठी
(C) तुल्यार्थयोगे षष्ठी (D) निर्द्धारणे षष्ठी

5. रोचते मह्यमेष भद्रमयूर:।
(A) तुमुन् लोपे चतुर्थी (B) रुच्यर्थानां प्रीयमाण: इति चतुर्थी
(C) सम्पद्यमाने चतुर्थी (D) निवृत्यर्थे चतुर्थी

6. शकुन्तलायै निवेदयाव:।
(A) दानार्थे चतुर्थी (B) निमित्तार्थे चतुर्थी
(C) निवेदनार्थे चतुर्थी (D) संपद्यमोन चतुर्थी

7. मया सहैव मातरम् अभिनन्दिष्यसि।
(A) सहयोगे तृतीया (B) प्रकृत्यदिभ्य: तृतीया
(C) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया (D) वारणार्थे तृतीया

8. यथा भद्रमुखो भणति।
(A) कर्त्तरि प्रथमा (B) उक्ते कर्मणि प्रथमा
(C) अव्यययोगे प्रथमा (D) सम्बोधने प्रथमा

9. मदीये उटजे वर्णचित्रितो मृत्तिकामयूर: तिष्ठति।
(A) अवच्छेदे सप्तमी (B) अधिकरणे सप्तमी
(C) निर्द्धारणे सप्तमी (D) भावे सप्तमी

10. शकुन्तलावण्यं प्रेक्षस्व।
(A) कर्मणि द्वितीया (B) क्रियाविशेषणे द्वितीया
(C) कर्मप्रवचनीययोगे द्वितीया (D) अत्यन्तसंयोगे द्वितीया

11. अविनीत! किं नोऽपत्यनिर्विशेषाणि _____ पीडयसि ?
(A) अनुशब्दयोगे द्वितीया (B) क्रियाविशेषणे द्वितीया
(C) अभित: शब्दयोगे द्वितीया (D) कर्मणि द्वितीया

12. ऋषिजनेन 'सर्वदमन' इति कृतं ते नामधेयम्।
(A) कर्त्तरि प्रथमा (B) उक्ते कर्मणि प्रथमा
(C) सम्बोधने प्रथमा (D) अव्ययोगे प्रथमा

13. एषा खलु केशरिणी त्वां लङ्घयिष्यति।
(A) सम्बोधने प्रथमा (B) उक्ते कर्मणि प्रथमा
(C) कर्त्तरि प्रथमा (D) अव्ययोगे प्रथमा

14. वत्स ! एनं बालमृगेन्द्रं मुञ्च।
(A) अनुशब्दयोगे द्वितीया (B) क्रियाविशेषणे द्वितीया
(C) कर्मणि द्वितीया (D) परित: शब्दयोगे द्वितीया

15. शिशुना वाध्यमानं बालमृगेन्द्रम्।
(A) क्रियाविशेषणे द्वितीया (B) अनुशब्दयोगे द्वितीया
(C) कर्मणि द्वितीया (D) अभित: शब्दयोगे द्वितीया

16. अत्र देवगुरो: तपोवने प्रसूता।
(A) निर्द्धारणे सप्तमी (B) कालाधिकरणे सप्तमी
(C) भावे सप्तमी (D) अधिकरणे सप्तमी

17. विलोक्य सोद्वेगम्।
(A) कर्मणि द्वितीया (B) प्रतिशब्दयोगे द्वितीया
(C) क्रियाविशेषणे द्वितीया (D) अभित: शब्दयोगे द्वितीया

18. इदमस्य सिंहशावकविमर्दात् परिभ्रष्टम्।
(A) अपादाने पञ्चमी (B) ल्यव् लोपे पञ्चमी
(C) हेतौ पञ्चमी (D) निवृत्त्यर्थे पञ्चमी

19. भवतीभ्यां कदाचिदस्या: प्रत्यक्षीकृता विक्रिया।
(A) करणे तृतीया (B) हेतौ तृतीया
(C) अङ्गविकारे तृतीया (D) अनुक्ते कर्त्तरि तृतीया

20. मुञ्च माम् अम्बाया: सकाशं गमिष्यामि।
(A) पुरत: शब्दयोगे षष्ठी (B) सम्बन्धे षष्ठी
(C) सकाश शब्दयोगे षष्ठी (D) कृद्योगे षष्ठी

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (C)	3. (B)	4. (A)	5. (B)	6. (C)	7. (A)	8. (A)	9. (B)	10. (A)
11. (D)	12. (D)	13. (C)	14. (C)	15. (C)	16. (D)	17. (C)	18. (C)	19. (D)	20. (C)

Eduodia App

एकपदीकरणम्

शुद्धम् उत्तरं चिनुत

1. क्षत्रियजातीया स्त्री
   (A) क्षत्रिया (B) क्षत्रियी
   (C) क्षत्रायी (D) क्षात्रिया
2. क्षत्रियस्य स्त्री
   (A) क्षात्रियी (B) क्षत्रियी
   (C) क्षत्रिया (D) क्षत्रायी
3. वैश्यजातीया स्त्री
   (A) वैश्यी (B) वैशी
   (C) वैश्या (D) वैशेयी
4. वैश्यस्य स्त्री
   (A) वैश्या (B) वैशी
   (C) वैशेयी (D) वैश्यी
5. शूद्रजातीया स्त्री
   (A) शूद्रा (B) शूद्री
   (C) शूद्राणी (D) शुद्रानी
6. शुद्रस्य स्त्री
   (A) शुद्राणी (B) शूद्री
   (C) शूद्रा (D) शूद्रीः
7. गोपजातीया स्त्री
   (A) गोपी (B) गोपायी
   (C) गोपा (D) गोपानी
8. गोपस्य स्त्री
   (A) गोपा (B) गोपायी
   (C) गोपाः (D) गोपी
9. ब्राह्मणस्य स्त्री
   (A) ब्राह्मणी (B) ब्रह्माणी
   (C) ब्रंह्माणी (D) ब्राह्मणीः
10. ब्रह्मणः पत्नी
    (A) ब्रह्मणानी (B) ब्रह्माणी
    (C) ब्राह्मणी (D) ब्राह्मणिः
11. दुष्टः यवः
    (A) यवनी (B) यवनानी
    (C) यवानी (D) यवननी
12. यवनस्य स्त्री
    (A) यवानि (B) यवानी
    (C) यवनानी (D) यवनी
13. यवनानां लिपिः
    (A) यवनानी (B) यवनी
    (C) यवानी (D) यवनानि
14. महत् हिमम्
    (A) महाहिमम् (B) हिमानी
    (C) हिमनानी (D) महाहिमा
15. महत् अरण्यम्
    (A) महारण्यम् (B) महारण्यानी
    (C) अरण्यानी (D) अरण्यानि
16. महत् वनम्
    (A) महावनानि (B) महावनानी
    (C) महीवनम् (D) महावनम्
17. स्वयं शिक्षयित्री
    (A) उपाध्याया (B) उपाध्यायी
    (C) उपाध्यायानी (D) उपाध्यायाः
18. उपाध्यायस्य स्त्री
    (A) उपाध्यायनी (B) उपाध्यायी
    (C) उपाध्याया (D) उपाध्यायि
19. स्वयम् अध्यापिका
    (A) आचार्यानी (B) आचार्यानि
    (C) आचार्या (D) आचार्याः
20. आचार्यस्य स्त्री
    (A) आचार्या (B) आचार्यी
    (C) आचार्याः (D) आचार्यानी
21. रक्षिता स्त्री
    (A) पाणिगृहीता (B) पाणिगृहीती
    (C) पाणिग्रहीता (D) पाणिग्रहिताः

Eduodia App

22. विवाहिता स्त्री
(A) पाणिग्रहीता (B) पाणिगृहीती
(C) पाणिग्रहीती (D) पाणीग्रहिता

23. सूर्यस्य देवी स्त्री
(A) सूरी (B) सूर्यस्त्री
(C) सूर्या (D) सूर्याः

24. सूर्यस्य मानवी स्त्री
(A) सूर्या (B) सूर्याणी
(C) सूर्यानी (D) सूरी

25. कृत्रिमा भूमिः
(A) स्थला (B) स्थली
(C) स्थलिनी (D) स्थलानी

26. अकृत्रिमा भूमिः
(A) स्थलाः (B) स्थली
(C) स्थला (D) स्थलिः

27. समानः पतिः यस्याः
(A) सपत्निका (B) सपत्निः
(C) सपत्नी (D) समापतिः

28. एकः पतिः यस्याः
(A) एकपतिः (B) एकापतिः
(C) एकपत्नीः (D) एकपत्नी

29. वीरः पतिः यस्याः
(A) वीरपत्नी (B) वीरपति
(C) वीरपतिः (D) वीरपत्नीः

30. न निवेद्य
(A) अनिवेद्या (B) अनिवेद्य
(C) अनिवेद्यः (D) अनिवेद्याः

31. न विचारणीया
(A) अविचारणीयाः (B) अविचारणीयम्
(C) अविचारणीया (D) अविचारणीयः

32. सत्यं वदति यः
(A) सत्यवादिन् (B) सत्यवादि
(C) सत्यवादिः (D) सत्यवादी

33. लब्धे चक्षुषी येन सः
(A) लब्धचक्षुः (B) लब्धचक्षु
(C) लब्धचक्षुम् (D) लब्धचक्षुषी

34. महान्तः मानवाः
(A) महामानवः (B) महामानवाः
(C) महामानवम् (D) महामानवी

35. गवां रक्षणम्
(A) गोरक्षणः (B) गोरक्षणे
(C) गोरक्षणम् (D) गोरक्षण

36. निशायाः मुखम्
(A) निशामुखे (B) निशामुख
(C) निशामुखः (D) निशामुखम्

37. क्षुधया ऋतः
(A) क्षुधार्त्तः (B) क्षुधार्त्ता
(C) क्षुधार्त्तम् (D) क्षुधार्थम्

38. गुरौ भक्तिः
(A) गुरुभक्त्या (B) गुरुभक्तिः
(C) गुरुभक्तिम् (D) गुरुभक्ति

39. धर्मस्य शास्त्राणि
(A) धर्मशास्त्रम् (B) धर्मशास्त्रः
(C) धर्मशास्त्राणि (D) धर्मशास्त्री

40. उपाध्यायस्य वचनम्
(A) उपाध्यायवचनः (B) उपाध्यायीवचनम्
(C) उपाध्यायवचनी (D) उपाध्यायवचनम्

41. संसारः एव सागरः
(A) संसारसागरः (B) संसारसागरम्
(C) संसारसागरे (D) संसारसागरस्य

42. कल्याणाय इदम्
(A) कल्याणार्थः (B) कल्याणार्थम्
(C) कल्याणार्था (D) कल्याणाय

43. सार्थकं नाम यस्य सः
(A) सार्थकनामः (B) सार्थकनाम
(C) सार्थकनामा (D) सार्थनामा

Eduodisha App

44. स्वभावेन सरल:
(A) स्वभावसरलम् (B) स्वभावसरला
(C) स्वभावसरले (D) स्वभावसरल:

45. स्वस्य जननी
(A) स्वजननी (B) स्वजनन्या:
(C) स्वजननीम् (D) स्वाजननी

46. कालं जयति इति
(A) कालजयिन (B) कालजयी
(C) कालजय: (D) कालजयम्

47. सर्वं दमयते इति
(A) सर्वदम्य: (B) सर्वदमी
(C) सर्वदमन: (D) सर्वदमनेन

48. गमनं कुर्वन्
(A) गछति (B) गच्छत्
(C) गच्छन्ति (D) गच्छन्

49. लभते या
(A) लभमाना (B) लभमाने
(C) लभमान: (D) लभमानम्

50. प्रदानात् अनन्तरम्
(A) प्रदानाय (B) प्रदाय
(C) प्रदानात् (D) प्रदाने

51. दानं कृत्वा
(A) दानाय (B) दानार्थम्
(C) दत्त्वा (D) दानार्थाम्

52. श्रवणात् अनन्तरम्
(A) शृत्वा (B) श्रावणार्थम्
(C) श्रावणाय (D) श्रुत्वा

53. अवलोकनात् अनन्तरम्
(A) अवलोक्य (B) अवलोकाय
(C) अवलोकनार्थम् (D) अवलोक्य:

54. पठनं कर्त्तुम्
(A) पठनार्थम् (B) पठितुम्
(C) पाठितुम् (D) पाठनाय

55. द्रष्टुं याग्या
(A) दर्शनीया: (B) दर्शनीय:
(C) द्रष्टव्या (D) दर्शनार्थम्

56. पठितुं योग्य:
(A) पठितव्यम् (B) पठितव्या
(C) पठनार्थम् (D) पठितव्य:

57. दातुं योग्यम्
(A) दातव्यम् (B) दानार्थम्
(C) दातव्य: (D) दानाय

58. पठनं कृतवान्
(A) पठितवत् (B) पठितवान्
(C) पठितम् (D) पठिता

59. श्रवणं कृतवती
(A) श्रुतवत् (B) श्रुतवान्
(C) श्रुतवती (D) श्रवणार्थम्

60. दानं कृतवत्
(A) दत्तवत् (B) दत्तवान्
(C) दत्त: (D) दत्ता

EduodiaApp

ଉତ୍ତରାଣି

1. (A)	2. (B)	3. (C)	4. (D)	5. (A)	6. (B)	7. (C)	8. (D)	9. (A)	10. (B)
11. (C)	12. (D)	13. (A)	14. (B)	15. (C)	16. (D)	17. (A)	18. (B)	19. (C)	20. (D)
21. (A)	22. (B)	23. (C)	24. (D)	25. (A)	26. (B)	27. (C)	28. (D)	29. (A)	30. (B)
31. (C)	32. (D)	33. (A)	34. (B)	35. (C)	36. (D)	37. (A)	38. (B)	39. (C)	40. (D)
41. (A)	42. (B)	43. (C)	44. (D)	45. (A)	46. (B)	47. (C)	48. (D)	49. (A)	50. (B)
51. (C)	52. (D)	53. (A)	54. (B)	55. (C)	56. (D)	57. (A)	58. (B)	59. (C)	60. (A)

संस्कृतेन अनुवाद: (Translation)

ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶୁଦ୍ଧ ତଥା ଯଥାର୍ଥ ଅନୁବାଦ ପାଇଁ ୨ ନମ୍ବର ଲେଖାଏଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ।

ପ୍ରଶ୍ନା:

1. ବାଳିକାଟି ପଡ଼ିଆରେ ଖେଳୁଅଛି ।
2. ଏବର୍ଷ ଗ୍ରୀଷ୍ମଛୁଟି କେବେ ହେବ ?
3. ପଶୁମାନେ ଏଣେତେଣେ ବୁଲୁଥିଲେ ।
4. ଋତୁମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବସନ୍ତ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ।
5. ନଗରୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଦିଲ୍ଲୀ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ।
6. ପ୍ରତିଦିନ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଉଦୟ ହୁଅନ୍ତି ଓ ଅସ୍ତ ଯାଆନ୍ତି ।
7. ଭାରତର ଉତ୍ତରରେ ହିମାଳୟ ରହିଛି ।
8. ବିପଦରେ ହରିଙ୍କୁ ସ୍ମରଣ କର ।
9. ଗୋପବନ୍ଧୁ ଦରିଦ୍ରମାନଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିଥିଲେ ।
10. ମୋର ଧନରେ ପ୍ରୟୋଜନ ଅଛି ।
11. ହିମାଳୟରୁ ଗଙ୍ଗା ବାହାରିଛି ।
12. ସତ୍ୟ କୁହ ଓ ଧର୍ମ ଆଚରଣ କର ।
13. ନଦୀର ଉଭୟ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ଗଛଗୁଡ଼ିକ ଅଛି ।
14. ପବନ ଧୀରେ ଧୀରେ ବହୁଛି ।
15. ପୁରୀରେ ଜଗନ୍ନାଥ ମନ୍ଦିର ଅଛି ।
16. ଫୁଲଟି ଆକୃତିରେ ସୁନ୍ଦର ।
17. ସୂର୍ଯ୍ୟ ଉଇଁଲେ ପଦ୍ମଫୁଲ ଫୁଟେ ।
18. ଆଦିତ୍ୟ ମାସକରେ ବ୍ୟାକରଣ ପଢ଼ିଲା ।
19. ଶ୍ରମ ବିନା ଫଳ ମିଳେନା ।
20. ଆଜିକାଲି ପିଲାମାନଙ୍କର ପାଠରେ ଆଗ୍ରହ ନାହିଁ ।
21. ହରି ବୈକୁଣ୍ଠରେ ରହନ୍ତି ।
22. ମାଆ ଆଗରେ ପିଲାଟି ଖେଳୁଛି ।
23. ଶିଶୁଟି ଦିନରେ ପାଞ୍ଚଥର କ୍ଷୀର ପିଉଛି ।
24. ଶୋଇବା ପୂର୍ବରୁ ଭଗବାନଙ୍କୁ ସ୍ମରଣ କର ।
25. ତୁମେ ମୋ ପାଖକୁ ଆସ ।
26. ବିଦ୍ୟା ବିନା ଜୀବନ ବୃଥା ।
27. ମାଆ ପୁଅକୁ ସ୍ନେହ କରେ ।
28. ଶିବ କୈଳାସରେ ବସିଛନ୍ତି ।
29. ଶିକାରୀଟି ବନରେ ବୁଲୁଛି ।
30. ତୁମର ମଙ୍ଗଳ ହେଉ ।
31. ତୁମ୍ଭେମାନେ ସର୍ବଦା ସ୍ୱଚ୍ଛଜଳ ପିଅ ।
32. ମୁଁ ଚାହୁଁ ଚାହୁଁ କୁଆ ପିଠା ନେଇଗଲା ।
33. ବାପା ମାସରେ ଚାରିଥର ଗାଁକୁ ଯାଆନ୍ତି ।
34. ହେ ପ୍ରଭୁ ! ମୋତେ ବିପଦରୁ ରକ୍ଷା କର ।
35. ଆଜିକାଲି କିଏ କାହାକୁ ବିଶ୍ୱାସ କରୁଛି ?

(Answer)

1. ବାଳିକା / ବାଳା ପ୍ରାନ୍ତରେ କ୍ରୀଡ଼ତି ।
2. ଐଷମଃ ଗ୍ରୀଷ୍ମାବକାଶଃ କଦା ଭବିଷ୍ୟତି ?
3. ପଶବଃ ଇତସ୍ତତଃ ଅଭ୍ରମନ୍ ।
4. ଋତୁଷୁ ବସନ୍ତଃ ଶ୍ରେଷ୍ଠଃ ।
5. ନଗରୀଷୁ ଦିଲ୍ଲୀ ଶ୍ରେଷ୍ଠା ।
6. ପ୍ରତ୍ୟହଂ ସୂର୍ଯ୍ୟଃ ଉଦେତି ଅସ୍ତଂ ଯାତି ଚ ।
7. ଭାରତସ୍ୟ ଉତ୍ତରାତ୍ / ଉତ୍ତରେଣ ହିମାଳୟଃ ବର୍ତ୍ତତେ ।
8. ବିପଦି ହରେଃ / ହରିଂ ସ୍ମର ।
9. ଗୋପବନ୍ଧୁଃ ଦରିଦ୍ରାଣାଂ ସାହାଯ୍ୟଂ କୃତବାନ୍ ।
10. ମମ ଧନେନ ପ୍ରୟୋଜନମ୍ ଅସ୍ତି ।
11. ହିମାଳୟାତ୍ ଗଙ୍ଗା ପ୍ରଭବତି ।
12. ସତ୍ୟଂ ବଦ ଧର୍ମଂ ଚର ଚ ।
13. ନଦୀମ୍ ଉଭୟତଃ ବୃକ୍ଷାଃ ସନ୍ତି ।
14. ପବନଃ ମନ୍ଦଂ ମନ୍ଦଂ ବହତି / ବାତି / ପବନଃ ସଧୀରଂ ବହତି ।
15. ପୁର୍ଯ୍ୟାଂ ଜଗନ୍ନାଥମନ୍ଦିରମ୍ ଅସ୍ତି ।
16. ପୁଷ୍ପମ୍ ଆକୃତ୍ୟା ସୁନ୍ଦରମ୍ ।
17. ସୂର୍ଯ୍ୟେ ଉଦିତେ ପଦ୍ମଂ ବିକଶତି / ବିକସତି ।
18. ଆଦିତ୍ୟଃ ମାସେନ ବ୍ୟାକରଣମ୍ ଅପଠତ୍ ।
19. ଶ୍ରମମ୍ ଋତେ ଫଳଂ ନ ଲଭ୍ୟତେ ।
20. ଅଧୁନା ବାଳକାନାଂ ପାଠେ ଅଭିନିବେଶଃ ନାସ୍ତି ।
21. ହରିଃ ବୈକୁଣ୍ଠମ୍ ଅଧିତିଷ୍ଠତି / ହରିଃ ବୈକୁଣ୍ଠେ ତିଷ୍ଠତି ।
22. ମାତୁଃ ପୁରସ୍ତାତ୍ / ପୁରଃ / ପୁରତଃ ବାଳଃ କ୍ରୀଡ଼ତି / ମାତରମ୍ ଅଭିତଃ ଶିଶୁଃ କ୍ରୀଡ଼ତି ।
23. ଶିଶୁଃ ଦିବସସ୍ୟ ପଞ୍ଚକୃତ୍ୱଃ କ୍ଷୀରଂ ପିବତି ।

Eduodia App

24. ଶୟନାତ୍ ପ୍ରାକ୍ ଭଗବତଃ / ଭଗବନ୍ତଂ ସ୍ମର ।
25. ତ୍ୱଂ ମାଂ ନିକଷା ଆଗଚ୍ଛ ।
26. ବିଦ୍ୟାଂ ବିନା / ଅନ୍ତରେଣ ଜୀବନଂ ବୃଥା ।
27. ମାତା ପୁତ୍ରେ ସ୍ନିହ୍ୟତି ।
28. ଶିବଃ କୈଳାସମ୍ ଅଧାସ୍ତେ ।
29. ବ୍ୟାଧଃ ବନେ ଭ୍ରମତି ।
30. ତବ କଲ୍ୟାଣଂ / ମଙ୍ଗଳଂ ଭବତୁ / ଅସ୍ତୁ ।
31. ଯୂୟଂ ସର୍ବଦା ସ୍ୱଚ୍ଛଜଳଂ ପିବତ ।
32. ମମ ପଶ୍ୟତଃ / ମୟି ପଶ୍ୟତି କାକଃ ପିଷ୍ଟକମ୍ ଅନୟତ୍ ।
33. ଜନକଃ / ପିତା ମାସସ୍ୟ ଚତୁଃ ଗ୍ରାମଂ ଗଚ୍ଛତି ।
34. ଭୋ ପ୍ରଭୋ ! ମାଂ ବିପଦଃ ରକ୍ଷ ।
35. ଅଧୁନା କଃ କସ୍ମିନ୍ ବିଶ୍ୱସିତି ।

वाक्यरचनम् (ବାକ୍ୟରଚନା)

अधोलिखितेषु पदानि व्यवहृत्य संस्कृतभाषया वाक्यानि रचयत ।

(ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶୁଦ୍ଧ ତଥା ଯଥାର୍ଥ ଉତ୍ତର ପାଇଁ ୨ ନମ୍ବର ଲେଖାଏଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ।)

1. पुरतः - ଶିକ୍ଷକସ୍ୟ ପୁରତଃ ଛାତ୍ରାଃ ପଠନ୍ତି ।
2. श्रुत्वा - ପୁରାଣଂ ଶ୍ରୁତ୍ୱା ଭକ୍ତଃ ଆଗଚ୍ଛତି ।
3. सह - ଜନକେନ ସହ ପୁତ୍ରଃ ଗଚ୍ଛତି ।
4. अतीव - ରୋଗୀ ଅତୀବ ଦୁଃଖୀ ଭବତି ।
5. इच्छन्ति - ଶିଶବଃ ଭ୍ରମିତୁମ୍ ଇଚ୍ଛନ୍ତି ।
6. अलम् - ବିବାଦେନ ଅଳମ୍ ।
7. ऋते - ଶ୍ରମମ୍ ଋତେ ବିଦ୍ୟା ନ ଭବତି ।
8. रोचते - ବାଳକାୟ ଫଳଂ ରୋଚତେ ।
9. भ्रमन् - ସଃ ଭ୍ରମନ୍ କ୍ଲାନ୍ତଃ ଭବତି ।
10. सार्धम् - ମୟା ସାର୍ଧଂ ତ୍ୱମ୍ ଆଗଚ୍ଛ ।
11. नाम्ना - ଅହଂ ନାମ୍ନା ଗୋପାଳଃ ।
12. सहर्षम् - ପିତା ସହର୍ଷଂ କଥୟତି ।
13. कुत्र - ତବ ଗୃହଂ କୁତ୍ର ?
14. स्पृहयामि - ଅହଂ ପୁଷ୍ପାୟ ସ୍ପୃହୟାମି ।
15. सकाशम् - ତବ ସକାଶମ୍ ଅହଂ ଗମିଷ୍ୟାମି ।
16. सर्वतः - ଦେଶଂ ସର୍ବତଃ ବିଦ୍ୱାଂସଃ ସନ୍ତି ।
17. निकषा - କଟକଂ ନିକଷା ମହାନଦୀ ପ୍ରବହତି ।
18. इति - ଅଯୋଧ୍ୟାୟାଂ ଦଶରଥ ଇତି ରାଜା ଆସୀତ୍ ।
19. गच्छन् - ବୃଦ୍ଧଃ ଗଚ୍ଛନ୍ ଅପତତ୍ ।
20. प्रदाय - ମାତା ଦରିଦ୍ରାୟ ଧନଂ ପ୍ରଦାୟ ଆୟାତି ।
21. कर्त्तव्यम् - ମମ ଇଦଂ କର୍ତ୍ତବ୍ୟମ୍ ।
22. त्वाम् - ଅହଂ ତ୍ୱାଂ ସମ୍ୟକ୍ ଜାନାମି ।
23. गत्वा - ଛାତ୍ରଃ ଗୃହଂ ଗତ୍ୱା ପଠିଷ୍ୟତି ।
24. सकृत् - ସନ୍ନ୍ୟାସୀ ଦିବସସ୍ୟ ସକୃତ୍ ଖାଦତି ।
25. प्रभूतम् - ସରୋବରେ ପ୍ରଭୂତଂ ଜଳମ୍ ଅସ୍ତି ।
26. एषा - ଏଷା ମମ ମାତା ।
27. चिराय - ଦରିଦ୍ରଃ ଚିରାୟ ଦୁଃଖଂ ଲଭତେ ।
28. कृते - ଦରିଦ୍ରାଣାଂ କୃତେ ବିବେକାନନ୍ଦସ୍ୟ ହୃଦୟଂ ବିଗଳିତମ୍ ଆସୀତ୍ ।
29. गणयति - ଦୁର୍ଜନଃ ସାଧୁଂ ନ ଗଣୟତି ।
30. अयि - ଅୟିମାତଃ ! ଭୋଜନଂ ଦେହି ।
31. इदम् - ଇଦଂ ଫଳଂ ମଧୁରଂ ଭବତି ।
32. किमर्थम् - ଭବାନ୍ କିମର୍ଥଂ ମିଥ୍ୟା ବଦତି ।
33. एहि - ଏହି ତ୍ୱମତ୍ର ଆଗଚ୍ଛ ।
34. ह्रिया - ବାଳିକା ହ୍ରିୟା କିଞ୍ଚିତ୍ ନ ବଦତି ।
35. मन्दम् - ବୃଦ୍ଧଃ ମନ୍ଦଂ ମନ୍ଦଂ କଥୟତି ।
36. प्रणयात् - ସୀତା ପ୍ରଣୟାତ୍ ସଂକୁଦ୍ଧା / ଅଭବତ୍ ।
37. वेपमाना - ବୃଦ୍ଧା ଶୀତେନ ବେପମାନା ଆୟାତି ।
38. तथा - ଯଥା ପିତା ତଥା ପୁତ୍ରଃ ।
39. सन् - ରାମଃ ଦୁଃଖିତଃ ସନ୍ ଅବଦତ୍ ।
40. सोढुम् - କଃ ଦୁଃଖଂ ସୋଢୁଂ ସମର୍ଥଃ ?

❑❑❑

Eduodia App